दिनांक

हँसते–खेलते

दिवस-01

शिक्षण–निर्देश :

दिए गए चित्रों के नाम पर बातचीत करें एवं चित्रों के नाम लिखकर एक–एक वाक्य बनवाएँ।

चित्रों के नाम लिखिए–



(क)		(ङ)	
(ख)		(च)	
(ग)		(छ)	
(घ)		(ज)	

दिनांक

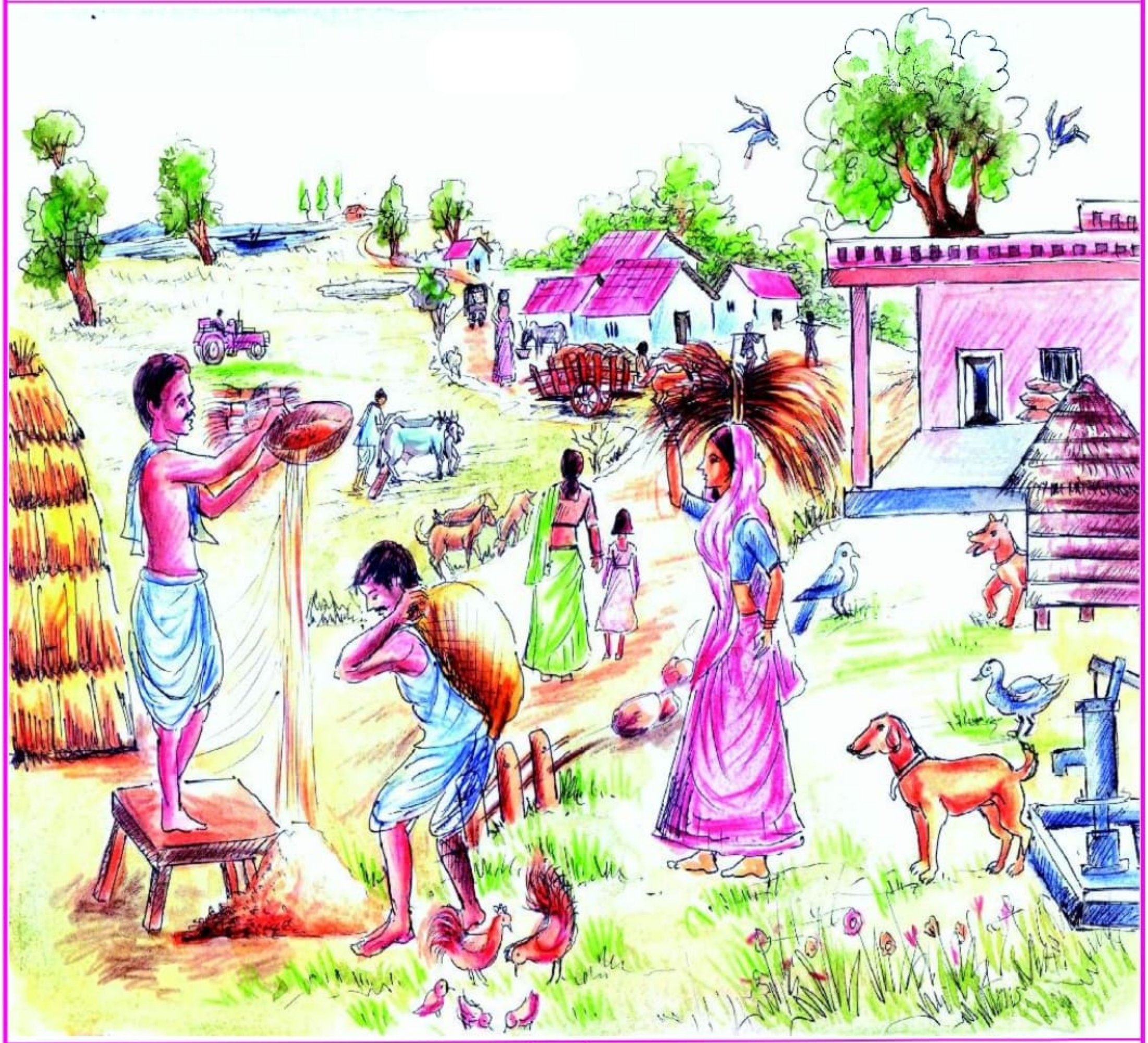
हँसते–खेलते

दिवस-02

शिक्षण–निर्देश :

दिए गए चित्रों के नाम पर बातचीत करें एवं चित्रों के नाम लिखकर एक–एक वाक्य बनवाएँ।

चित्रों के नाम लिखिए–



(क)		(ङ)	
(ख)		(च)	
(ग)		(छ)	
(घ)		(ज)	

दिनांक

हँसते–खेलते

दिवस-03

शिक्षण–निर्देश :

दिए गए चित्रों के नाम पर बातचीत करें एवं चित्रों के नाम लिखकर एक–एक वाक्य बनवाएँ।

चित्रों के नाम लिखिए–



(क)		(ङ)	
(ख)		(च)	
(ग)		(छ)	
(घ)		(ज)	

दिनांक

हँसते–खेलते

दिवस-04

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से फलों, जैसे– अंगूर, अनार, इमली, केला आदि से संबंधित कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा अनुस्वार और चंद्रबिन्दु की समझ दें। पूरी कक्षा को दो समूहों में बाँट दें उसके बाद एक समूह को अनुस्वार तथा दूसरे समूह को चंद्रबिन्दु वाले शब्द बोलने को कहें।

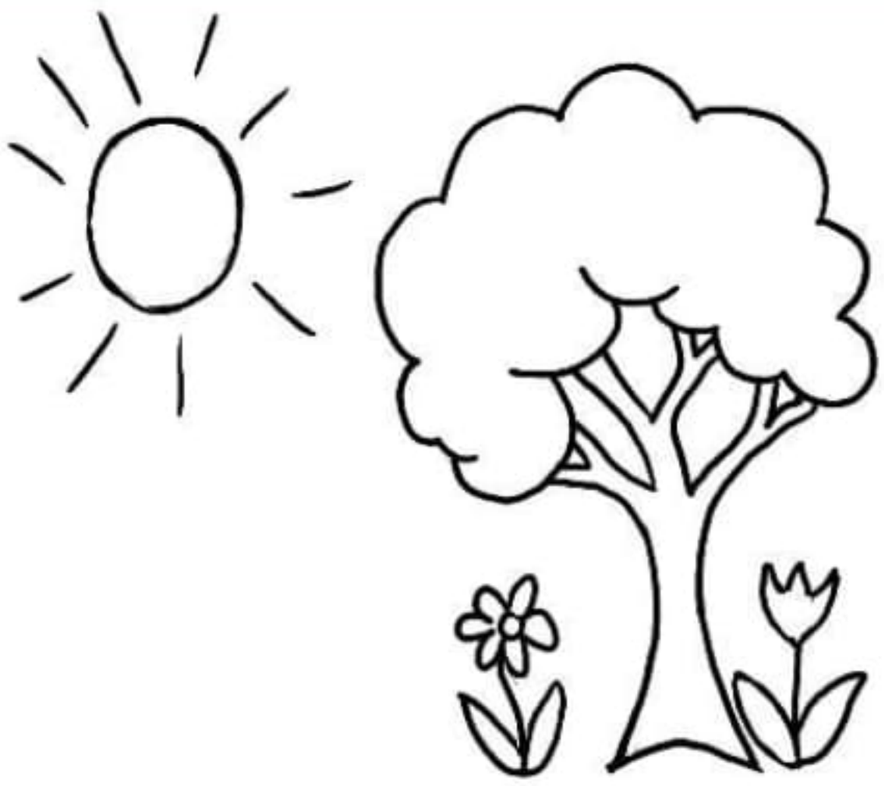
बिन्दुओं को मिलाकर लिखिए–

अं	अँ	अं	अं	अँ	अँ	अँ	अँ

बिन्दुओं को मिलाइये और लिखिए–

	अंगूर	
	अंगरखा	
	अंडा	
	पूँछ	

चित्र में रंग भरिए और उसके बारे में लिखिए–



दिनांक

हँसते–खेलते

दिवस-05

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'र' के संयुक्त रूप, जैसे– चक्र, मुर्गा, ट्रक आदि की समझ दें।
पूरी कक्षा को दो या तीन समूहों में बाँट दें। उसके बाद प्रत्येक समूह को 'र' की अलग–अलग संयुक्त स्थिति से बननेवाले शब्द बोलने को कहें।

चित्र देखकर इनके नाम लिखिए–

बताइये, मैं कौन हूँ–

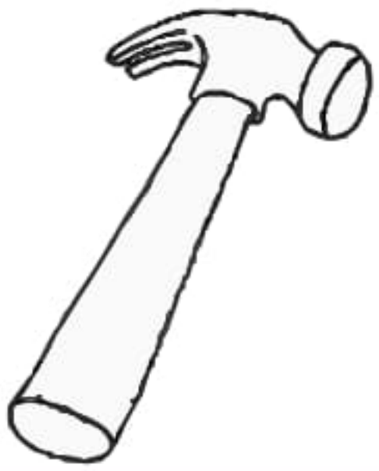
(क) मैं घर की रखवाली करता हूँ।

(ख) मुझे चूहे खाना पसंद है।

(ग) मेरे गोबर से गोइठा बनता है।

(घ) मैं गाड़ी खींचता हूँ।

चित्रों में रंग भरिए और नाम पूरा कीजिए–

ख			ह
ना			ड़ा

दिनांक

हँसते–खेलते

दिवस-06

शिक्षण–निर्देश :

शिक्षक / शिक्षिका विद्यार्थियों से बकरी, कुत्ता, गाय, मुर्गी इत्यादि पर बातचीत करें।

खाली जगहों को भरिए–

(क) बकरी के बच्चे को ..... कहा जाता है।

(ख) कुत्ते के बच्चे को ..... कहा जाता है।

(ग) गाय के बच्चे को ..... कहा जाता है।

(घ) मुर्गी के बच्चे को ..... कहा जाता है।

नीचे दिए हुए शब्दों में से सही शब्द चुनकर खाली जगह को भरिए–

(क) तोता के चोंच का रंग ..... होता है।

(ख) हाथी का कान ..... जैसा होता है।

(ग) कुत्ते की दुम ..... होती है।

(घ) बकरी ..... करती है।

(ङ) मोर के सिर पर ..... होता है।

टेढ़ी

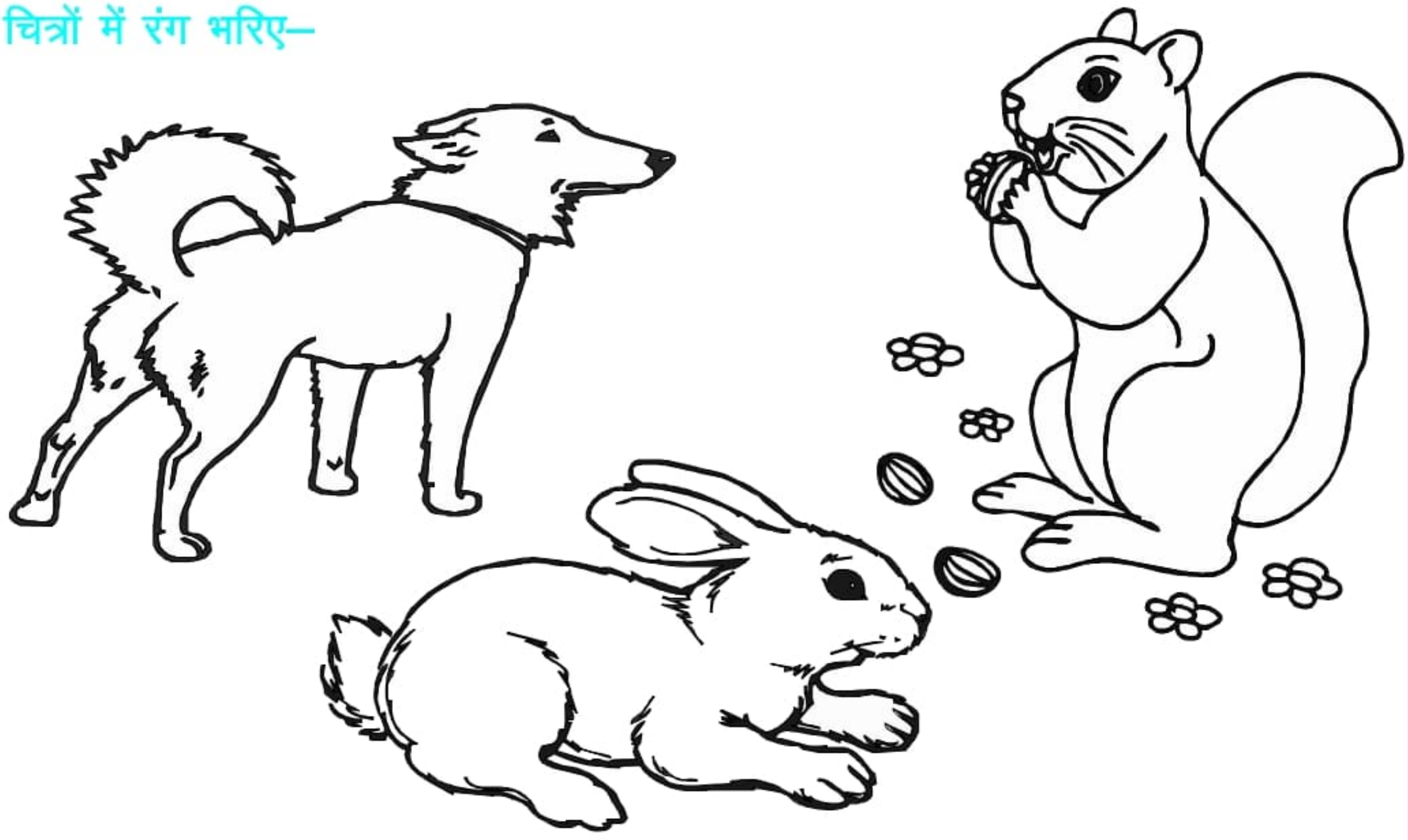
लाल

कलगी

पंखे

में–में

चित्रों में रंग भरिए–



दिनांक

हँसते–खेलते

दिवस-07

शिक्षण–निर्देश :

प्रकृति से जुड़ी, जैसे– बादल, झरना, वर्षा आदि के बारे में बातचीत करें।
प्रत्येक विद्यार्थी को बारी–बारी से बोर्ड के पास बुलवाएँ और अलग–अलग शब्द देकर वाक्य बनवाएँ।

चित्र देखकर वाक्य पूरा कीजिए–

(क) ..... दूध पी गई।

(ख) घोंसले में ..... है।

(ग) ..... पानी में चलती है।

(घ) डाल पर ..... बैठी है।









रेफ ''र्'' वाले शब्दों को चुनकर लिखिए–

वर्षा आई, वर्षा आई,
गर्मी भागी, वर्षा आई।
सूर्य उगा, निकला धूप,
बादल आया, वर्षा आई।
निर्मल पानी, निर्झर पानी,
बर्फ बना फिर बरसा पानी।

देखिए और लिखिए–

चक्का _____ _____ _____

सच्चा _____ _____ _____

बिल्ली _____ _____ _____

दिनांक

हँसते–खेलते

दिवस-08

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से समान अक्षर के संयुक्त होने से बननेवाले शब्दों के बारे में बातचीत करें।

चित्र को सही शब्द से मिलाइए–

	कुत्ता बिल्ली	
	चक्का बच्चा	

पढ़िए और लिखिए–

संयुक्त (क्+त)	संयुक्त
कुत्ता (त्+ता)	
विद्या (द्+या)	
पद्मा (द्+मा)	
शुद्ध (द्+ध)	

दिनांक

हँसते–खेलते

दिवस-09

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को संयुक्ताक्षर से बननेवाले शब्दों की समझ दें। उदाहरण– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र तथा संयुक्ताक्षर से बननेवाले शब्दों को बोलने को कहें जिसे शिक्षक/शिक्षिका बोर्ड पर लिखते जाएँ।

चित्र को सही शब्द से मिलाइए–



श्रवण

पत्र





क्षत्रिय

यज्ञ



शब्द बनाइए–

वि+द्+या+ल+य	विद्यालय
ज्+ञा+नी	
वि+द्+वा+न	
छा+त्+र	
आ+श्+र+म	

ऐसे शब्द लिखें जिसमें ये वर्ण आते हैं–

क्ष	त्र	ज्ञ	श्र

दिनांक

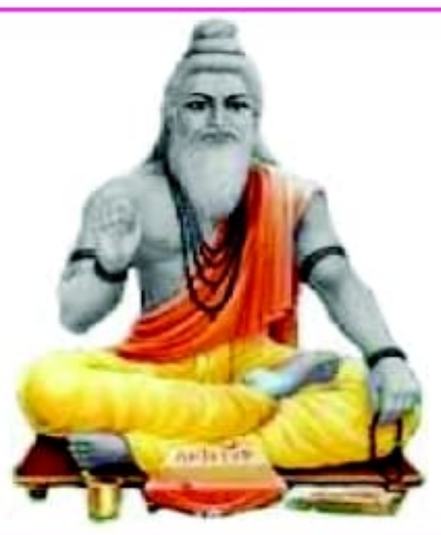
हँसते–खेलते

दिवस-10

शिक्षण–निर्देश :

शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों से संयुक्ताक्षर, अनुस्वार, चंद्रबिन्दु तथा संयुक्त 'र' से बननेवाले शब्दों का श्रुतिलेख करवाएँ तथा ब्लैकबोर्ड पर दिए गए चित्रों के नाम लिखवाएँ।

चित्र देखिए और उनके नाम लिखिए–

दिनांक

चित्रपठन

दिवस- 11

शिक्षण–निर्देश :

दिए गए चित्र के बारे में विद्यार्थियों से बातचीत करें। यथा–चित्र में क्या–क्या दिखाई दे रहा है? वस्तुओं के रंग–रुप एवं उपयोग के बारे में बातचीत करें।



दिनांक

चित्रपठन

दिवस- 12

शिक्षण–निर्देश :

चित्र में दिखाई देने वाली वस्तुओं के नाम की पहचान कर उसका नाम लिखवाएँ।

तीर के निशानवाले चित्र का नाम लिखिए–



दिनांक

चित्रपठन

दिवस- 13

शिक्षण–निर्देश :

दिए गए चित्र के आधार पर विद्यार्थियों से प्रश्न बनवाएँ एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँ।

चित्र को देखकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–



(क) लड़का कहाँ बैठा है?

(ख) चित्र में महिला क्या कर रही है?

(ग) कार के अंदर कौन है?

(घ) किसान के हाथ में क्या–क्या है?

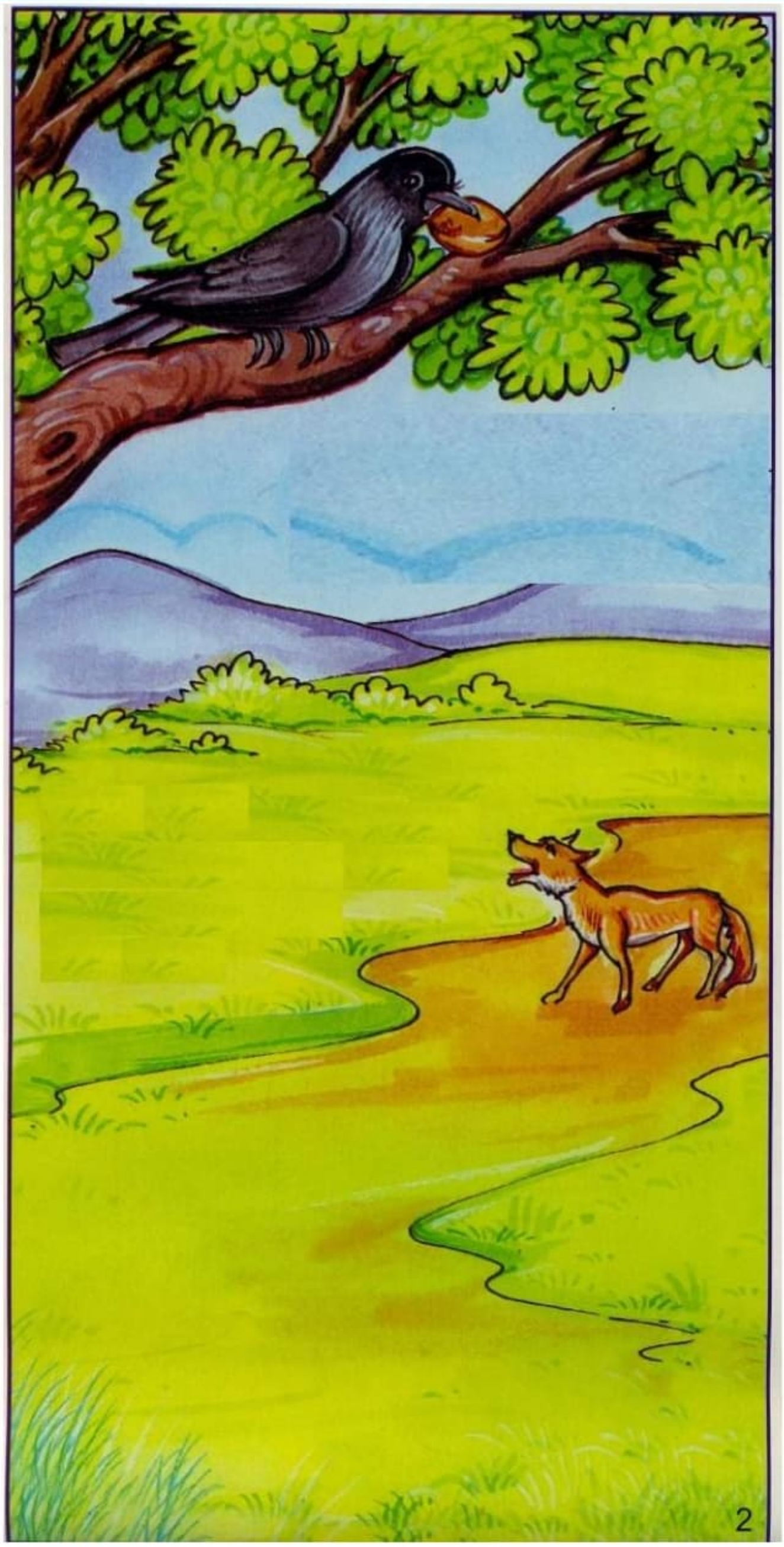
दिनांक

कौआ और लोमड़ी

दिवस- 14

शिक्षण–निर्देश :

दिए गए चित्र के बारे में विद्यार्थियों से बातचीत करें एवं चित्र के आधार पर कहानी बनवाएँ।



दिनांक

कौआ और लोमड़ी

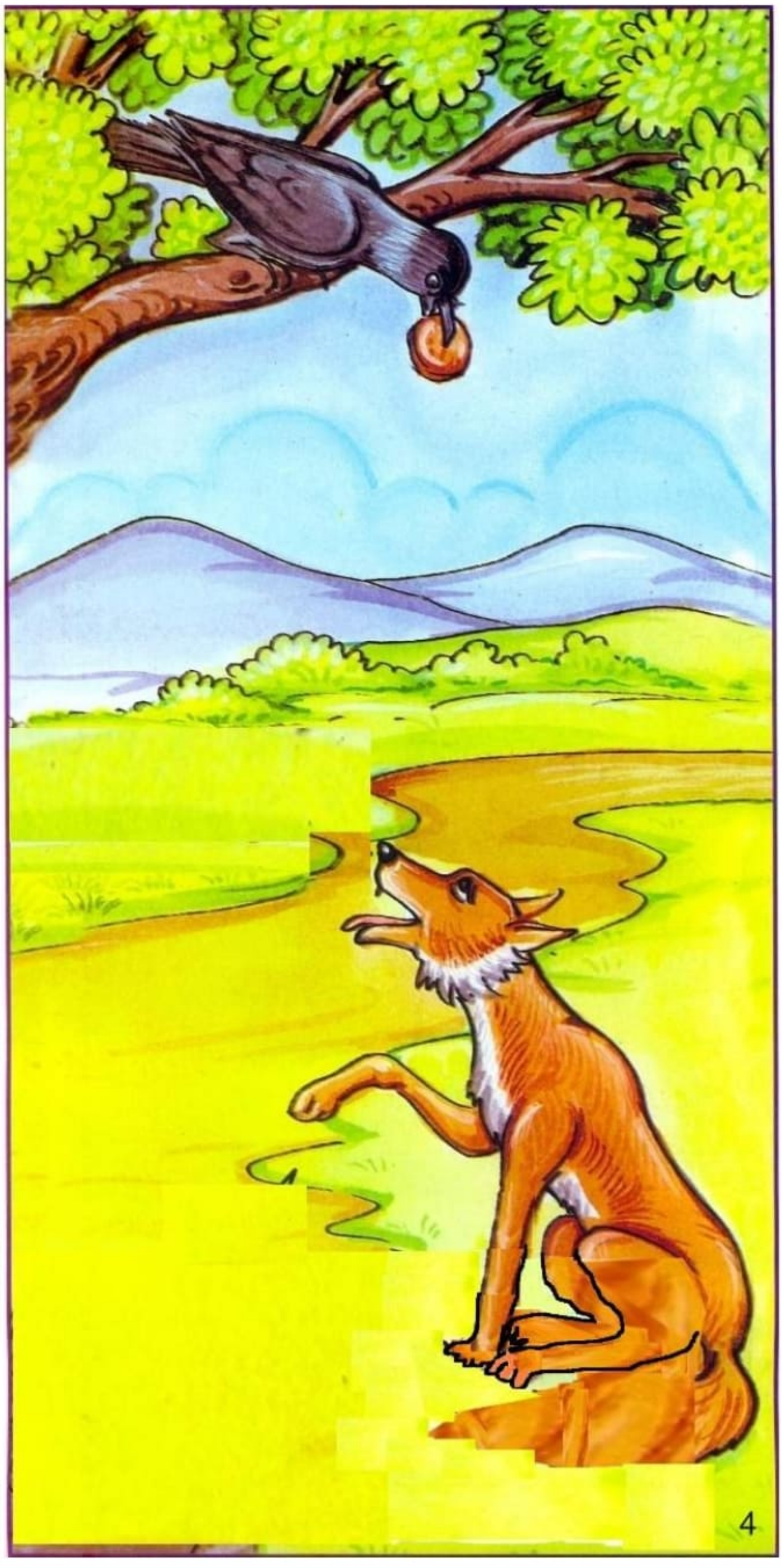
दिवस- 14



दिनांक

कौआ और लोमड़ी

दिवस- 14



दिनांक

कौआ और लोमड़ी

दिवस- 14



दिनांक

कौआ और लोमड़ी

दिवस- 14



दिनांक

कौआ और लोमड़ी

दिवस- 15

शिक्षण–निर्देश :

कौआ के रंग–रूप, भोजन, आवाज तथा आवास पर बच्चों से बातचीत करें तथा कौआ से संबंधित अन्य कहानी कक्षा में सुनाएँ।

चित्र में जो–जो दिखाई दे रहा है उसका नाम लिखिए–





प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कौआ किस रंग का होता है?

हरा	सफेद	काला	लाल

(ख) लोमड़ी कहाँ रहती है?

पेड़ पर	घर में	पहाड़ पर	जंगल में

नाम लिखिए–

पक्षियों के नाम		जानवरों के नाम

दिनांक

कौआ और लोमड़ी

दिवस- 16

शिक्षण–निर्देश :
लोमड़ी के रंग–रूप, भोजन, आवाज तथा आवास पर बच्चों से बातचीत करें तथा लोमड़ी से संबंधित अन्य कहानी कक्षा में सुनाएँ। साथ ही साथ रोटी बनाने की प्रक्रिया पर बातचीत करें।

चित्र को देखकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–



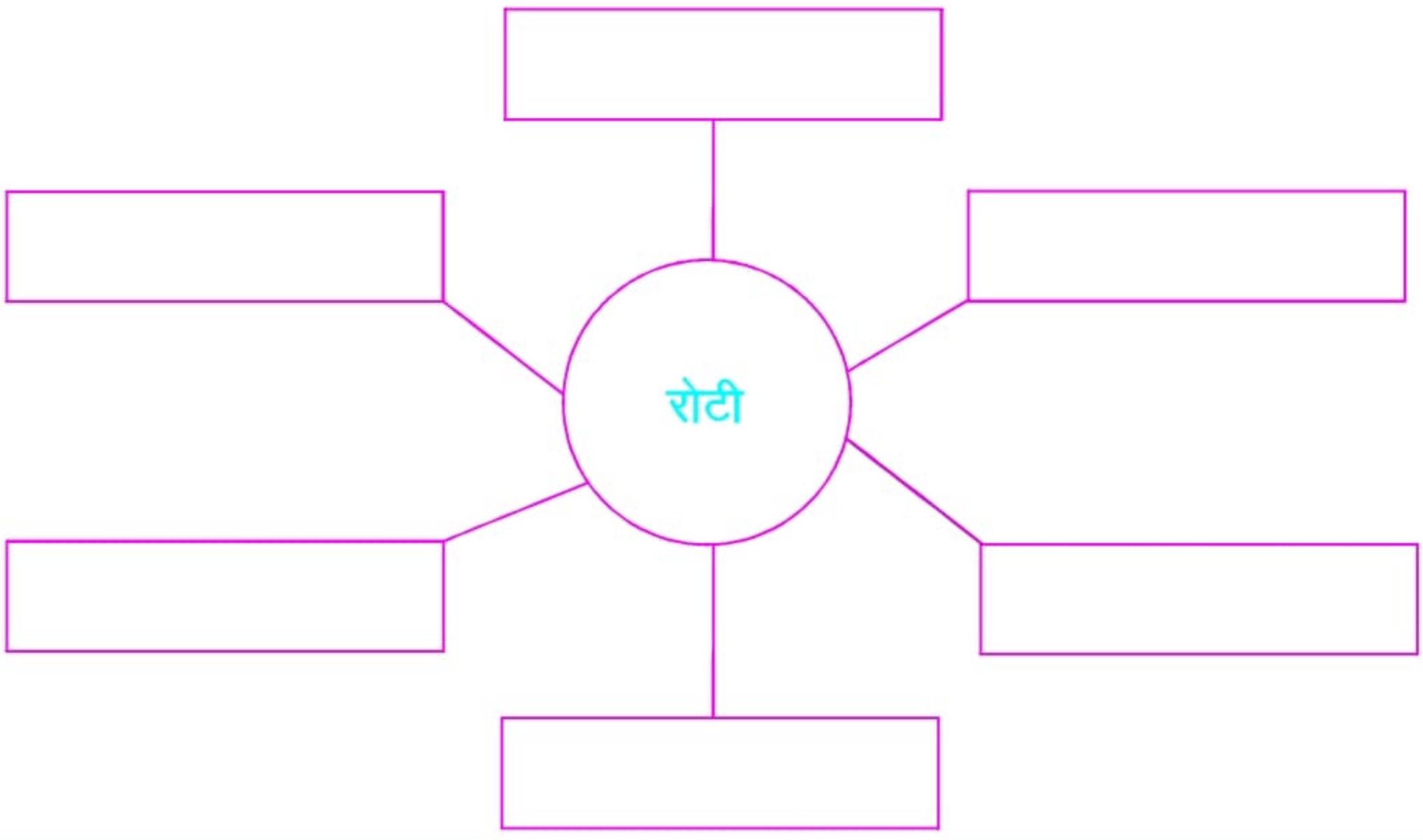
(क) लोमड़ी किसे देख रही है ?

(ख) कौआ कहाँ बैठा है ?

(ग) कौए के मुँह से क्या गिरा ?

(घ) जमीन पर कौन है ?

रोटी बनाने में जिन चीजों की आवश्यकता होती है, उन्हें बॉक्स में लिखिए–



दिनांक

कौआ और लोमड़ी

दिवस- 17

शिक्षण–निर्देश :

चित्रकथा के पूरे चित्र को दिखाते हुए विद्यार्थियों को कौआ और लोमड़ी की पूरी कहानी सुनाएँ तथा पेड़ के रंग, आकार तथा उपयोग के बारे में बच्चों से बातचीत करें।

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–



पेड़ का चित्र बनाइए और रंग (पेंसिल, स्केच, रंगीन पेंसिल आदि) भरिए–

दिनांक

कौआ और लोमड़ी

दिवस- 18

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'कौआ और लोमड़ी' का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्त्तन करवाएँ।

चित्रों का क्रम जोड़कर कहानी बनाइए और लिखिए–







दिनांक

नानी तेरी मोरनी

दिवस- 19

शिक्षण–निर्देश :

'नानी तेरी मोरनी' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ एवं कविता के आधार पर बातचीत करें। यथा– रिश्तों पर बातचीत करें।

नानी तेरी मोरनी को मोर ले गए,

बाकी जो बचा था काले चोर ले गए।



खाके–पीके मोटे होके चोर बैठे रेल में,

चोरों वाला डिब्बा कटके पहुँचा सीधा जेल में।



उन चोरों की खूब खबर ली मोटे थानेदार ने,

मोरों को भी खूब नचाया जंगल की सरकार ने।

अच्छी नानी प्यारी नानी रूसा–रूसी छोड़ दे,

जल्दी से इक पैसा दे दे तू कंजूसी छोड़ दे।

दिनांक

नानी तेरी मोरनी

दिवस- 20

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन के साथ विद्यार्थियों को नाना–नानी, दादा–दादी, चाचा–चाची आदि रिश्तों के बारे में बातचीत करें तथा आपने अपनी नानी, मम्मी से जो कहानी सुनी है, उसे अपनी कक्षा में सुनाएँ।

अपनी नानी के बारे में लिखिए–



मिलान कीजिए–

नानी		दादा	
मोरनी		चाचा	
चाची		नाना	
दादी		मोर	

रिश्तों के नाम लिखिए–

मम्मी			

दिनांक

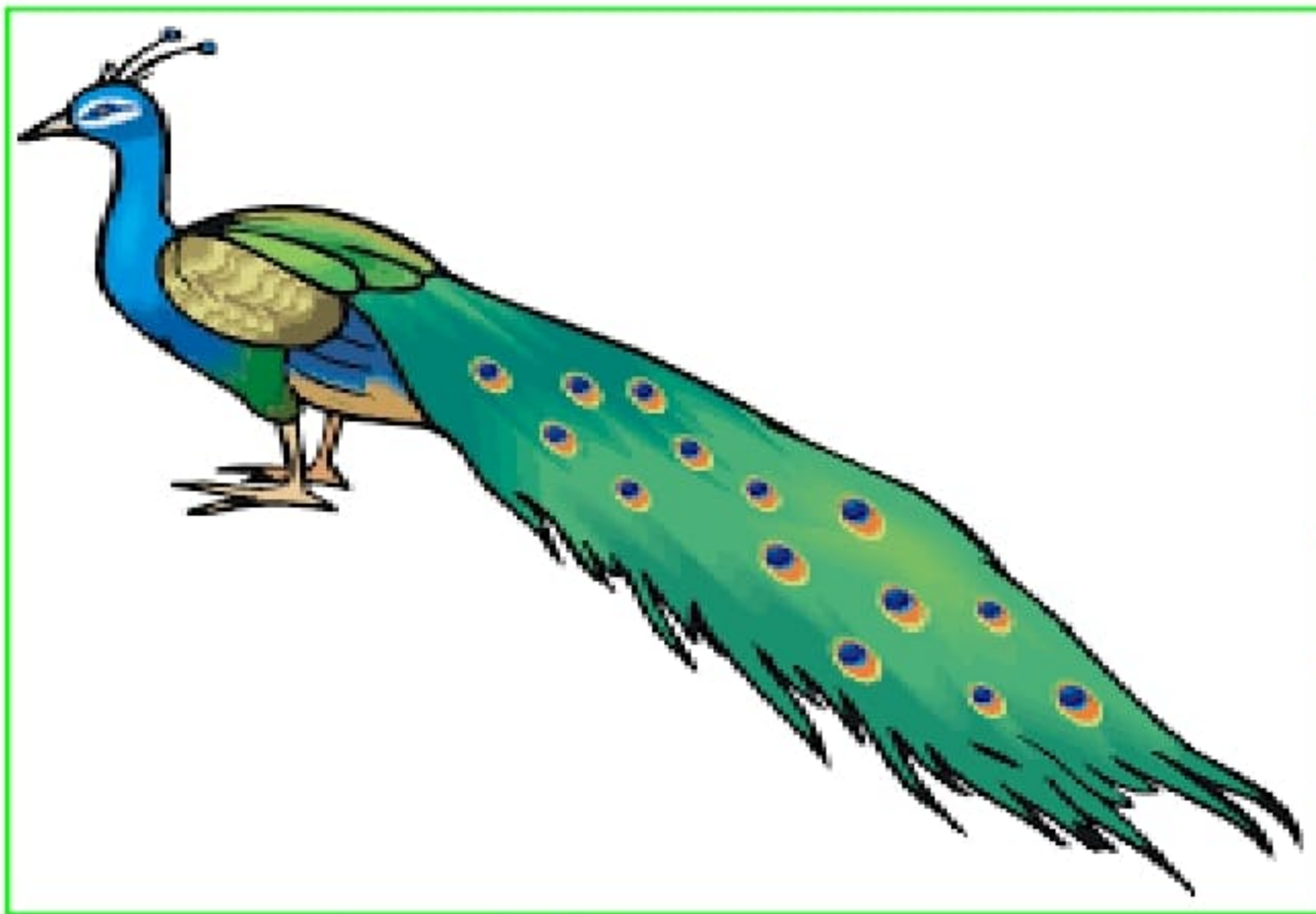
नानी तेरी मोरनी

दिवस- 21

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा मोर के रंग–रूप, भोजन, आवास तथा उसकी आवाज के बारे में बातचीत करें।

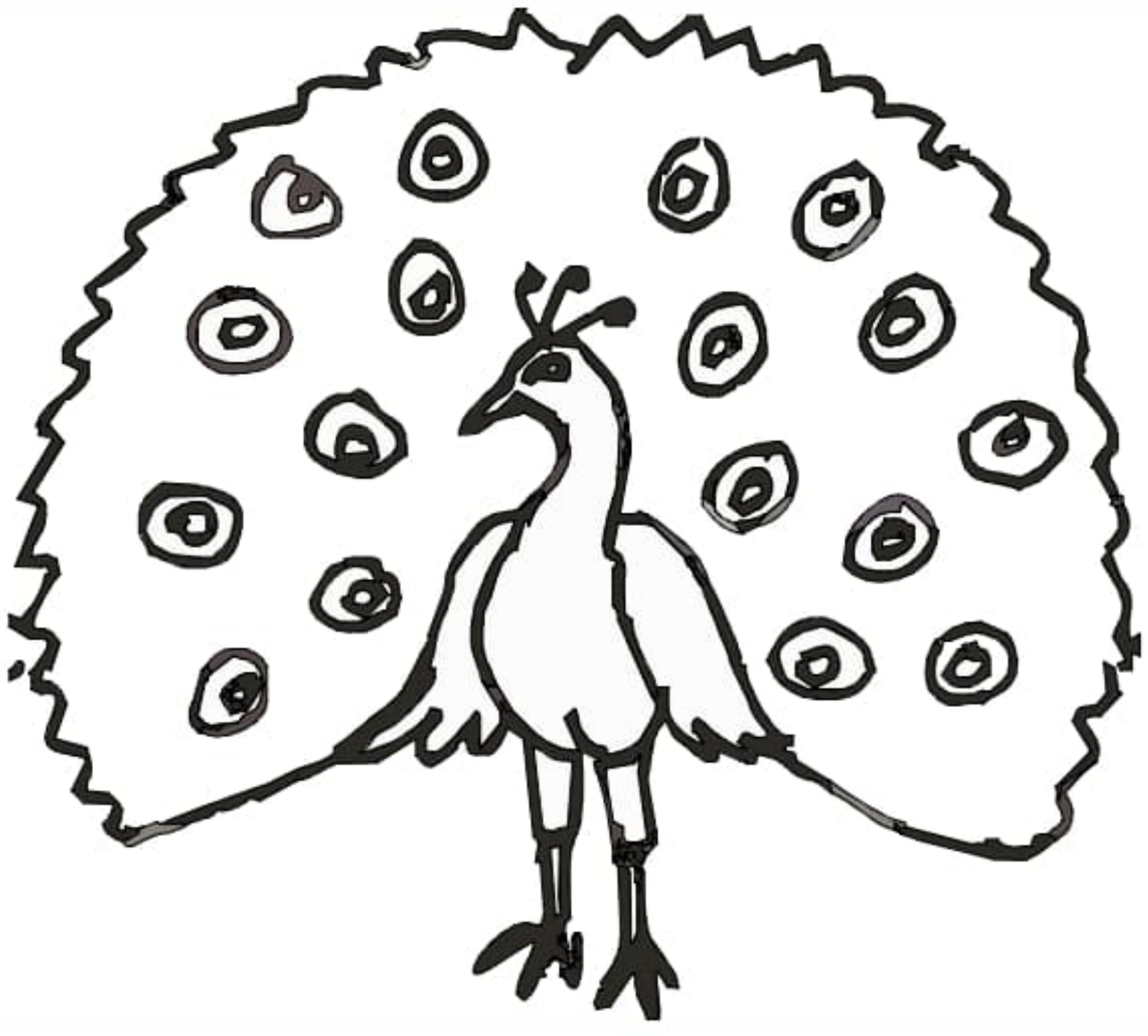
मोर के बारे में लिखिए–



समान लयवाले शब्द लिखिए–

नानी			
मोरनी			

रंग भरिए–



दिनांक

नानी तेरी मोरनी

दिवस- 22

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ। साथ ही साथ विद्यार्थियों को बोर्ड के पास बुलाकर कोई एक शब्द तथा उसका विलोम शब्द बोलने को कहें।

देखकर लिखिए–

नानी	
मोरनी	
जंगल	
थानेदार	

समान लय वाले शब्द लिखिए–

रेल			
मोर			
पैसा			

उल्टे शब्दों की जोड़ी बनाइए–

काले	देर
मोटे	उल्टा
सीधा	पतले
जल्दी	गोरे

दिनांक

नानी तेरी मोरनी

दिवस- 23

शिक्षण–निर्देश :

रेलगाड़ी के आकार–प्रकार के साथ–साथ उससे होने वाले लाभ या अन्य रेलगाड़ी संबंधी जानकारी पर बातचीत करें। विद्यार्थियों को बारी–बारी से बोर्ड के पास बुलाकर रेलगाड़ी संबंधी अपनी जानकारी को एक वाक्य में बताने को कहें।

सही उत्तर पर निशान लगाइए–

(क) नानी की मोरनी को कौन ले गया?

चोर	मोर	सिपाही	सरकार

(ख) खाके–पीके मोटे होके कौन जेल गए?

मोर	मोरनी	थानेदार	चोर

एक शब्द या दो शब्दों में उत्तर दीजिए–

क) चोरों वाला डिब्बा कटके कहाँ गया?

उत्तर–

(ख) मोरों को किसने खूब नचाया?

उत्तर –

रेलगाड़ी का चित्र बनाइए एवं रंग भरिए–

दिनांक

नानी तेरी मोरनी

दिवस- 24

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को पुल्लिंग शब्द की सहायता से उसके स्त्रीलिंग रूप समझाएँ।

खाली स्थान में उचित शब्द भरिए–

(क) नानी तेरी ..... को मोर ले गए।

(ख) बाकी जो बचा था ..... चोर ले गए।

(ग) उन चोरों की खूब ..... ली मोटे थानेदार ने।

(घ) मोरों को भी खूब ..... जंगल की सरकार ने।

मिलान कीजिए–

खाके	कलूठे
रूसा	ताजे
मोटे	पीके
काले	रूसी

इन शब्दों को उदाहरण के अनुसार लिखिए–

अच्छा	अच्छी
कच्चा	
सस्ता	
महँगा	
गंदा	

दिनांक

प्रभु मेरा जीवन हो सुन्दर

दिवस- 25

शिक्षण–निर्देश :

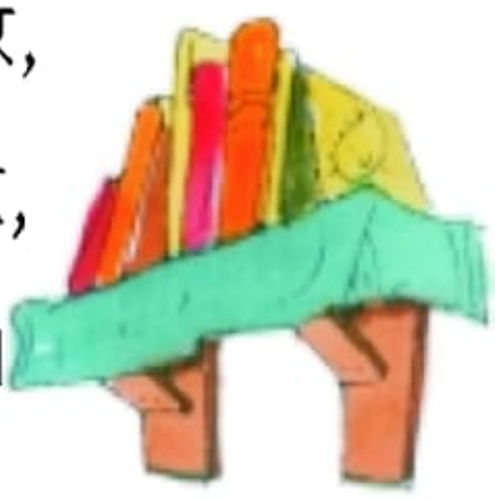
'प्रभु मेरा जीवन हो सुन्दर' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ एवं बातचीत करें।





तन हो सुन्दर, मन हो सुन्दर,
प्रभु मेरा जीवन हो सुन्दर।

कपड़े सुन्दर, खाना सुन्दर,
घर का कोना-कोना सुन्दर,
प्रभु मेरा आँगन हो सुन्दर।
तन हो सुन्दर ------





सोना सुन्दर, जागना सुन्दर,
वाणी सुन्दर, गाना सुन्दर,
प्रभु मेरा बचपन हो सुन्दर।
तन हो सुन्दर ------



लिखना सुन्दर, पढ़ना सुन्दर।
सोचूँ सुन्दर, समझूँ सुन्दर,
प्रभु मेरा चिन्तन हो सुन्दर,
तन हो सुन्दर ------



दिनांक

प्रभु मेरा जीवन हो सुन्दर

दिवस- 26

शिक्षण–निर्देश :

पूरी प्रार्थना का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विद्यार्थियों को 'प्र' अक्षर की समझ दें। साथ ही साथ प्रत्येक विद्यार्थियों को 'प्र' अक्षर से बनने वाले शब्द बोलने को कहें।

दिए गए शब्द में 'प्र' पर घेरा (◯) लगाइए तथा फिर से लिखिए–

प्रभु		विप्र	
प्रथम		प्रणाम	
प्रसाद		सुप्रभात	

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) सुन्दर जीवन के लिए किससे प्रार्थना की जा रही है?

(ख) प्रभु कौन हैं?

(ग) प्रार्थना कौन कर रहा है?

कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

कपड़े सुन्दर, ... सुन्दर,

..... का कोना–कोना सुन्दर,

प्रभु मेरा ..... हो सुन्दर।

दिनांक

प्रभु मेरा जीवन हो सुन्दर

दिवस- 27

शिक्षण–निर्देश :

पूरी प्रार्थना का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विद्यार्थियों को 'क्ष' अक्षर की समझ दें। साथ ही साथ प्रत्येक विद्यार्थियों को 'क्ष' अक्षर से बनने वाले शब्द बोलने को कहें।

दिए गए शब्द में 'झ' पर घेरा (◯) लगाइए तथा फिर से लिखिए–

झण्डा		झटका	
समझ		समझना	
झगड़ा		उलझन	

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) हमारा तन और मन कैसा होना चाहिए?

(ख) सुन्दर तन का क्या मतलब है?

(ग) सुन्दर मन का क्या मतलब है?

कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

..... सुन्दर, जागना सुन्दर,

वाणी सुन्दर, ... सुन्दर,

प्रभु मेरा ..... हो सुन्दर।

दिनांक

प्रभु मेरा जीवन हो सुन्दर

दिवस- 28

शिक्षण–निर्देश :

पूरी प्रार्थना का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा अपने प्रभु से उन्हें कुछ माँगना हो, तो वे क्या माँगेंगे? इस पर बातचीत करें।

दिए गए शब्दों से मिलते–जुलते (समान ध्वनि वाले) शब्द को लिखिए–

तन	मन	गाना	
मेरा		सुन्दर	
कोना		जागना	

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) सुन्दर वाणी का क्या मतलब है?

(ख) पढ़ना सुन्दर कैसे होगा?

(ग) लिखना सुन्दर कैसे होगा?

कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

लिखना सुन्दर, ... सुन्दर,

..... सुन्दर, समझूँ सुन्दर,

प्रभु मेरा ..... हो सुन्दर।

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस- 29

शिक्षण–निर्देश :

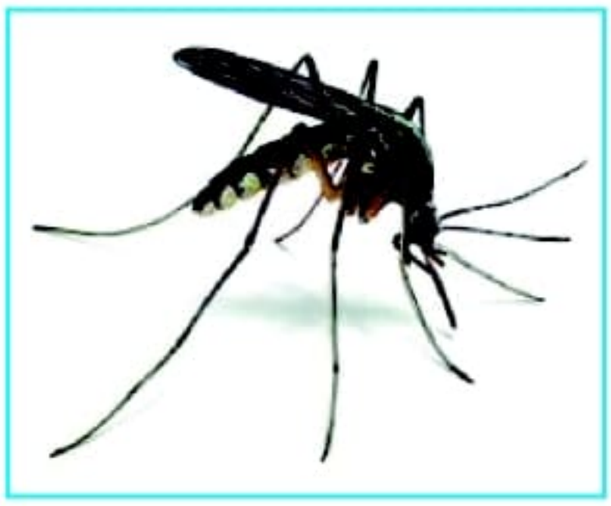
पूरी प्रार्थना का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा पूरी कक्षा को 'बंदर और मगरमच्छ' की कहानी का मंचन करवाएँ।

चित्रों को उसके नाम के साथ मिलाइए–



हड्डी

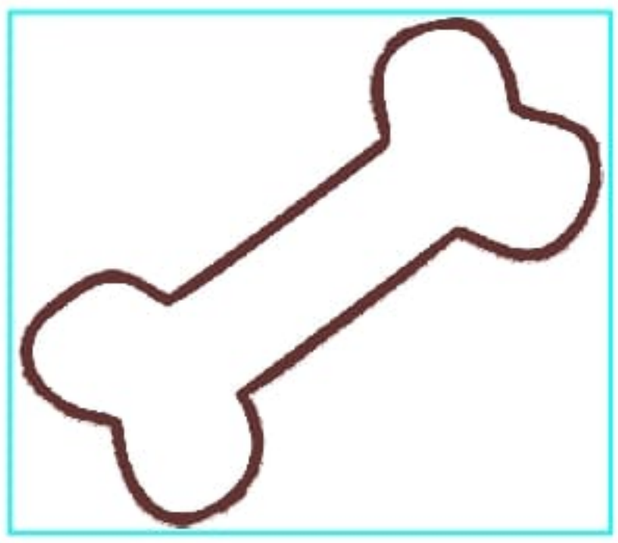
मुट्ठी





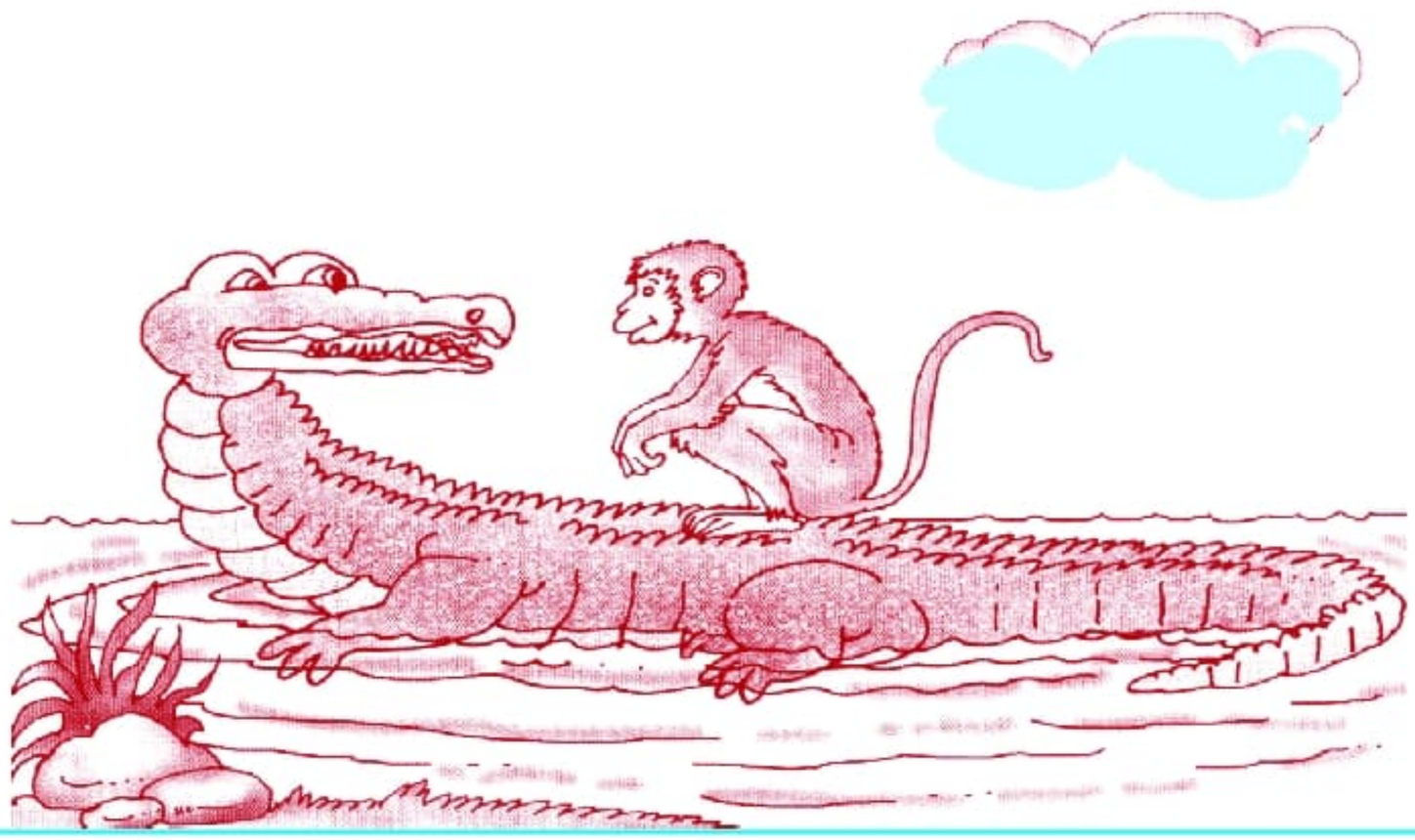
मच्छर

घंटी



कहानी का नाम लिखिए और रंग (पेंसिल,स्केच,रंगीन पेंसिल आदि) भरिए–

कहानी का नाम–



दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस- 30

शिक्षण–निर्देश :

पूरी प्रार्थना का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा पूरी कक्षा को 'कौआ और लोमड़ी' की कहानी का मंचन करवाएँ।

चित्रों को सही वाक्यों से मिलाइए–



खेल रहा है।

खा रहा है।





साइकिल चला रहा है।

लिख रहा है।



कहानी का नाम लिखिए और रंग (पेंसिल, स्केच, रंगीन पेंसिल आदि) भरिए–

कहानी का नाम–



दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस- 31

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'नानी तेरी मोरनी' की पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा शब्दों को सही क्रम में सजाकर वाक्य बनाने की समझ दें।

शब्दों को सही क्रम में सजाकर वाक्य बनाइए–

(क) घास बकरी खाती है

बकरी घास खाती है



(ख) बादल में आकाश है



(ग) बंदर पर पेड़ है



(घ) खाना गुड़िया खाती है



चित्र में दिखाई देनेवाली वस्तुओं के नाम लिखिए–





दिनांक

प्यासा कौआ

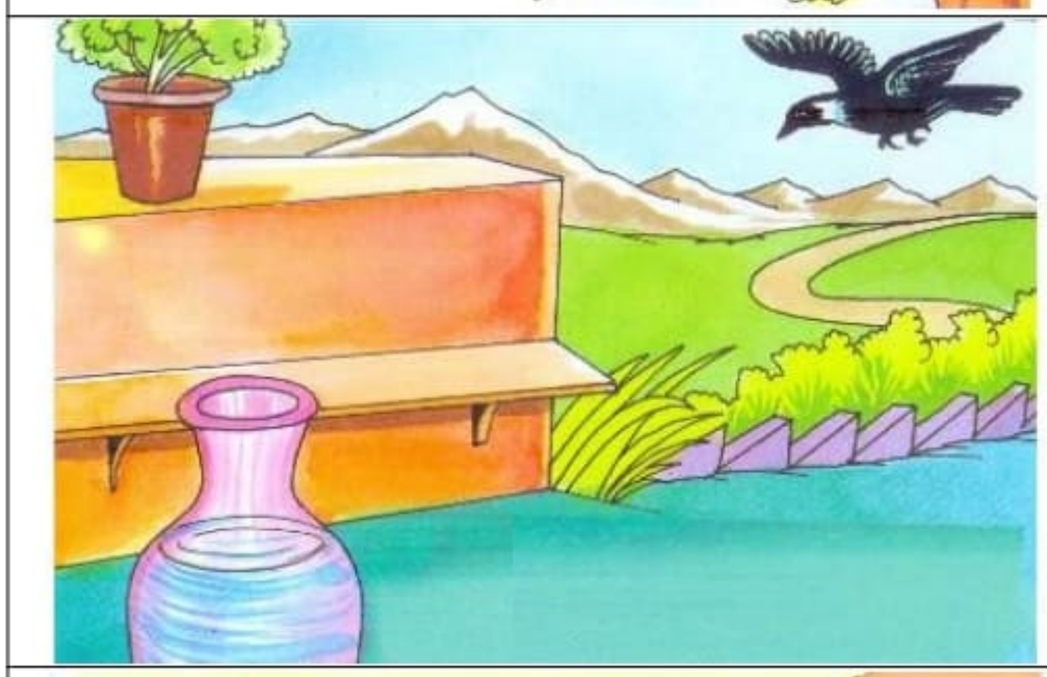
दिवस 32

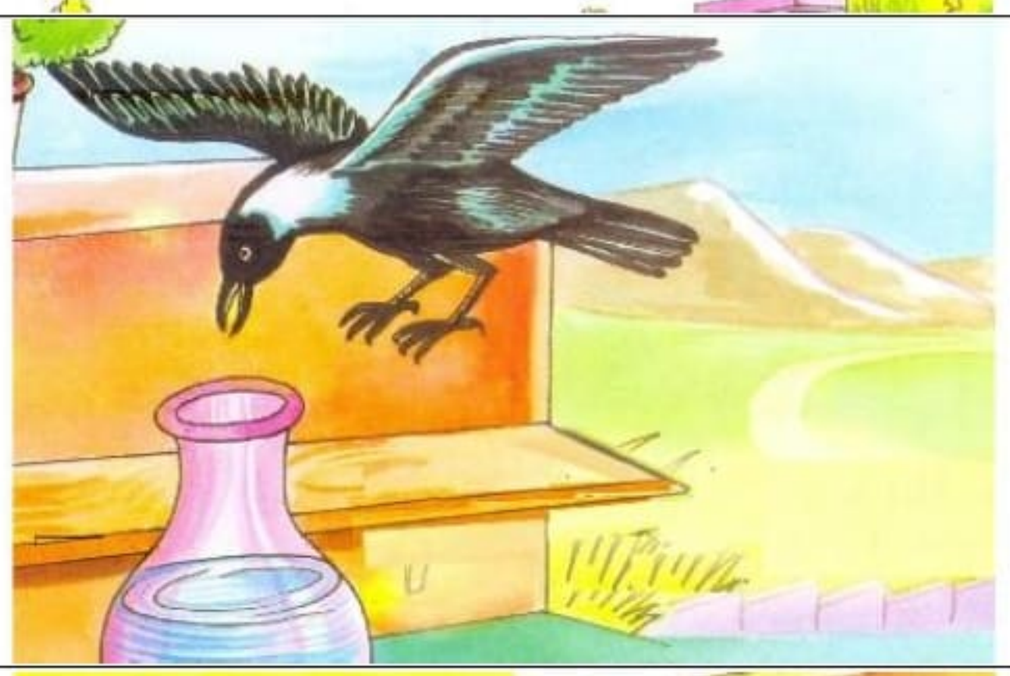
शिक्षण–निर्देश :

चित्रकथा के बारे में विद्यार्थियों से बातचीत करें एवं चित्र के आधार पर 'प्यासा कौआ' की कहानी सुनाने को कहें।





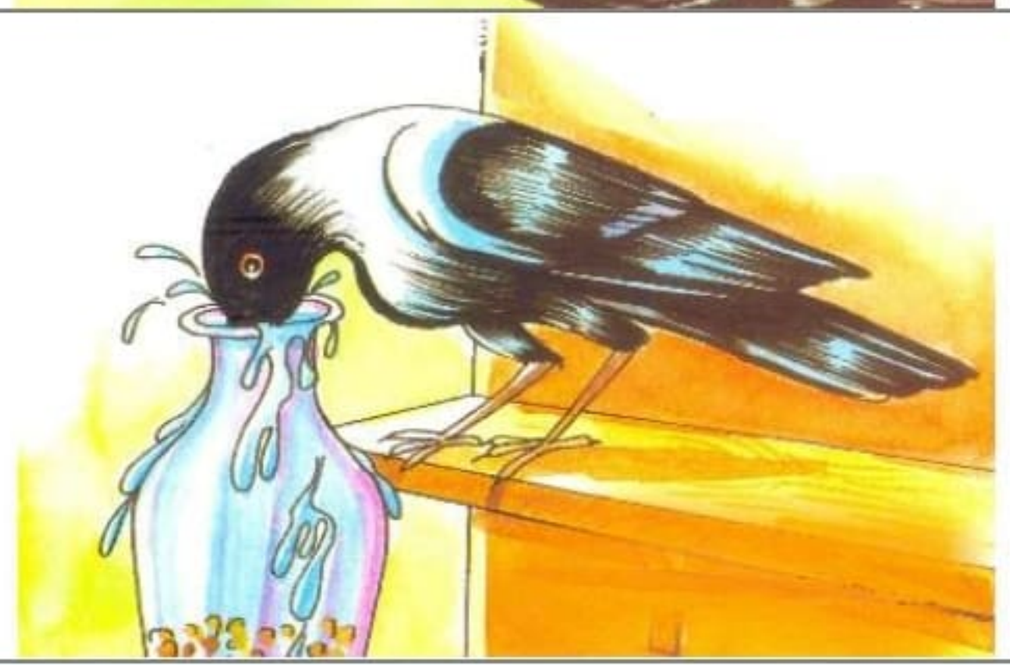












दिनांक

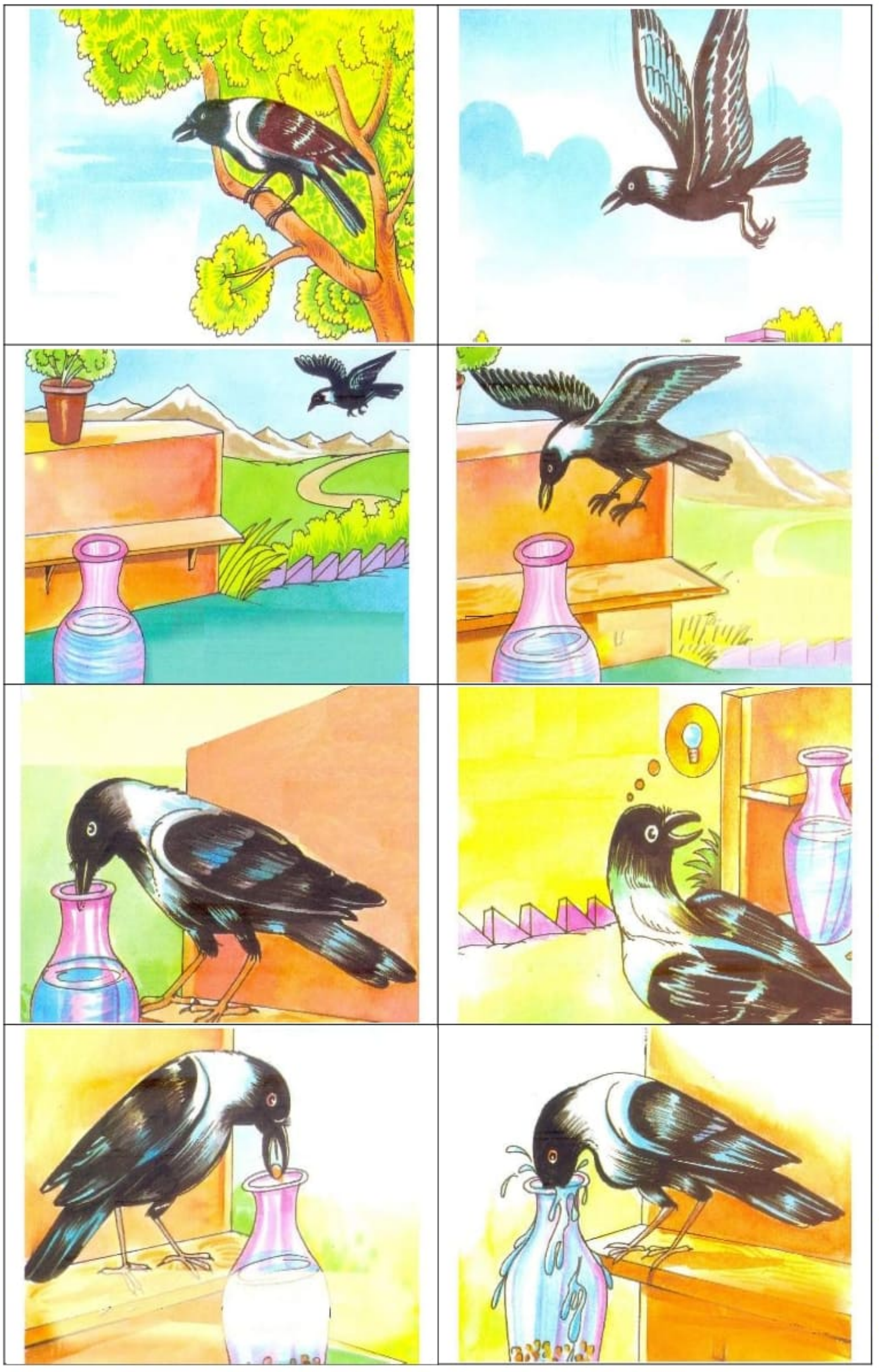
प्यासा कौआ

दिवस- 33

शिक्षण–निर्देश :

चित्रकथा के शीर्षक पर बातचीत करते हुए विद्यार्थियों को 'प्यासा कौआ' की कहानी सुनाएँ तथा कौआ के रंग–रूप, भोजन, आवाज तथा आवास पर बच्चों से बातचीत करें।

चित्रों को ध्यान से देखिए और उनके नाम लिखिए–



कौआ

दिनांक

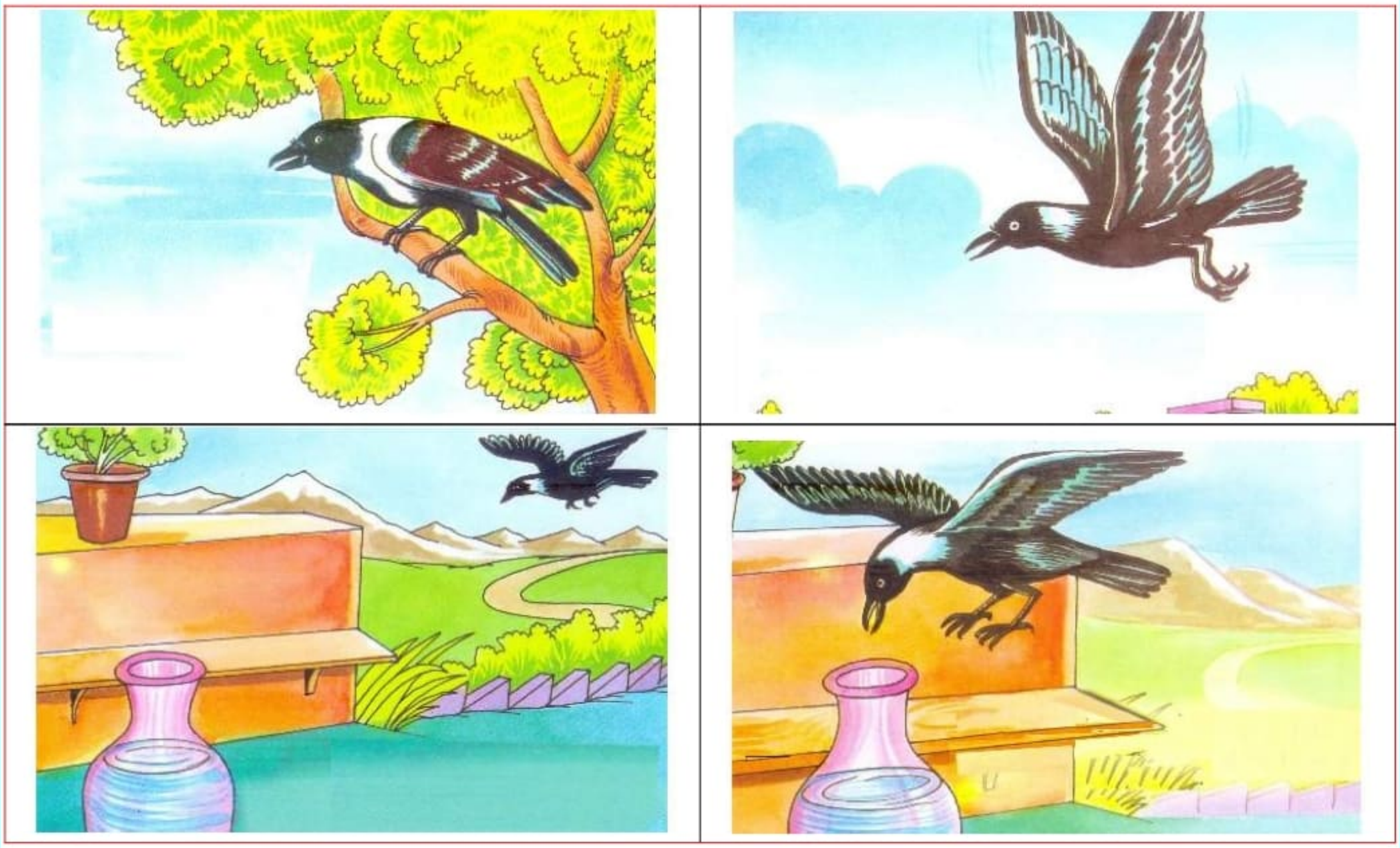
प्यासा कौआ

दिवस- 34

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'प्यासा कौआ' चित्रकथा के पहले, दूसरे, तीसरे तथा चौथे चित्र को दिखाकर अबतक की कहानी सुनाएँ।

चित्रों को देखिए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए–



(क) कौआ किसकी तलाश में उड़ रहा है?

(ख) कौए ने उड़ते–उड़ते क्या देखा?

(ग) कौए की चोंच पानी तक पहुँच पाई या नहीं ?

दिनांक

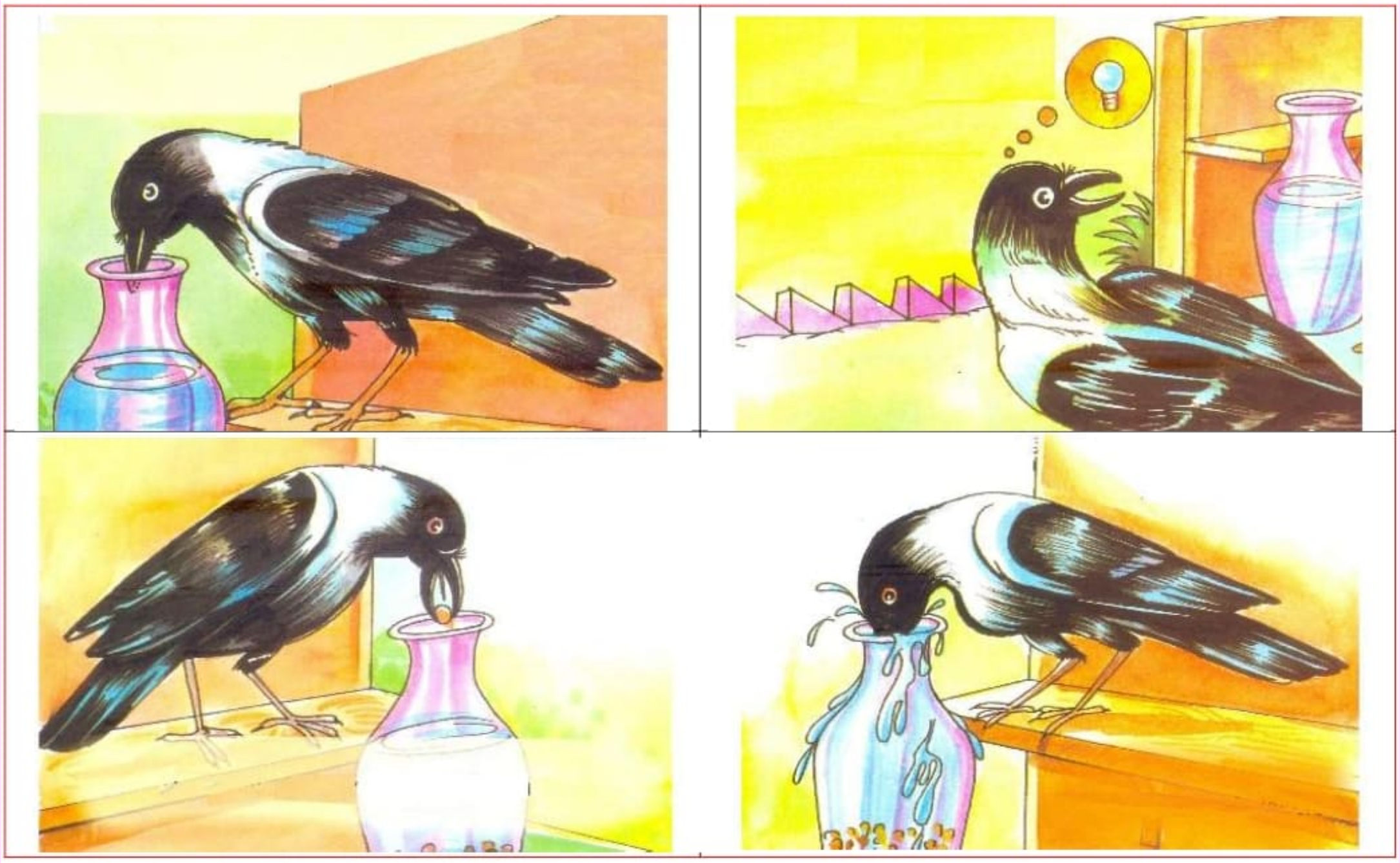
प्यासा कौआ

दिवस- 35

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'प्यासा कौआ' चित्रकथा के पाँचवे, छठे, सातवें और आठवें चित्र को दिखाकर अबतक की कहानी सुनाएँ।

चित्रों को देखिए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए–



(क) कौए ने पानी को ऊपर लाने के लिए क्या किया?

(ख) कंकड़ डालने पर क्या हुआ ?

(ग) कौए की जगह आप होते तो क्या करते?

दिनांक

प्यासा कौआ

दिवस- 36

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को बारी–बारी से बोर्ड के पास बुलाकर 'प्यासा कौआ' की कहानी सुनाने को कहें।

सही शब्दों से कहानी पूरा कीजिए–

पानी	प्यासा	कंकड़	पानी	कौआ
कई	उड़	पानी	घड़ा	कंकड़

एक ..... **कौआ** ..... था। वह बहुत ..... था।

उसे एक ..... दिखाई दिया।

उसमें थोड़ा–सा ..... था।

आस–पास ..... बिखरे थे।

उसने ..... उठाकर घड़े में डाले।

एक बार नहीं, ... बार डाले।

अब ..... ऊपर आ गया।

वह ..... पीकर ..... गया।



दिनांक

प्यासा कौआ

दिवस- 37

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'प्यासा कौआ' की पूरी कहानी का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्त्तन करवाएँ तथा घड़े के रंग, उपयोग तथा उसे बनाने की सामग्रियों पर बातचीत करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) घड़ा बनाने में किन–किन सामग्रियों की आवश्यकता पड़ती है?

(ख) घड़ा कौन बनाता है?

(ग) मिट्टी से बनी किन्हीं तीन वस्तुओं के नाम लिखिए–

कौआ का चित्र बनाइए–

दिनांक

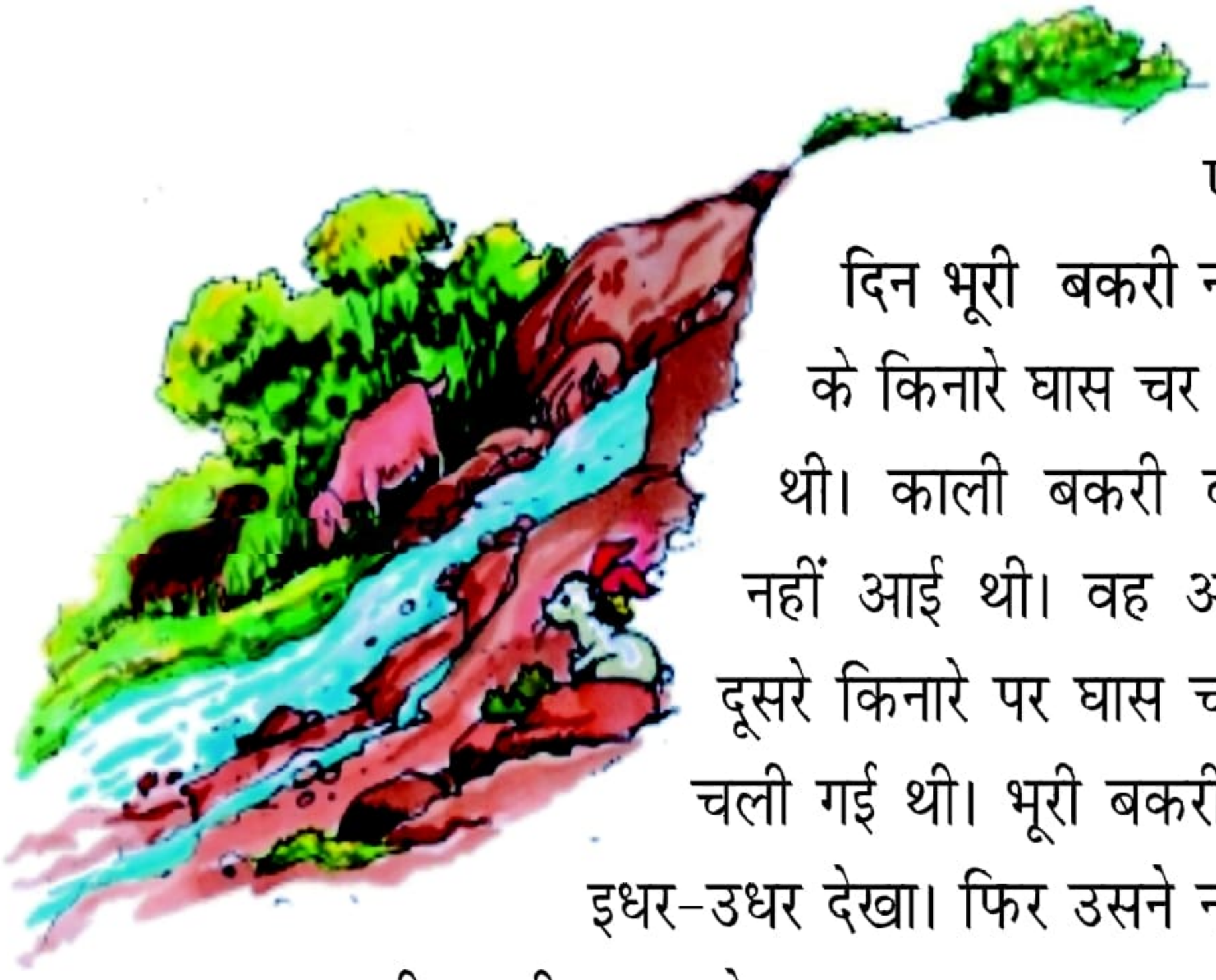
दो बकरियाँ

दिवस- 38

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को हाव–भाव के साथ कहानी सुनाएँ एवं विद्यार्थियों को भी कहानी सुनाने का अवसर दें। साथ ही साथ कहानी के आधार पर बातचीत करें।

जंगल में एक नाला था। नाले के पास दो बकरियाँ रहती थीं–काली और भूरी। नाले के किनारे हरी–हरी घास लगी थी। दोनों बकरियाँ रोज़ वहाँ घास चरने जाती थीं।



एक दिन भूरी बकरी नाले के किनारे घास चर रही थी। काली बकरी वहाँ नहीं आई थी। वह आज दूसरे किनारे पर घास चरने चली गई थी। भूरी बकरी ने इधर–उधर देखा। फिर उसने नाले की दूसरी तरफ देखा।

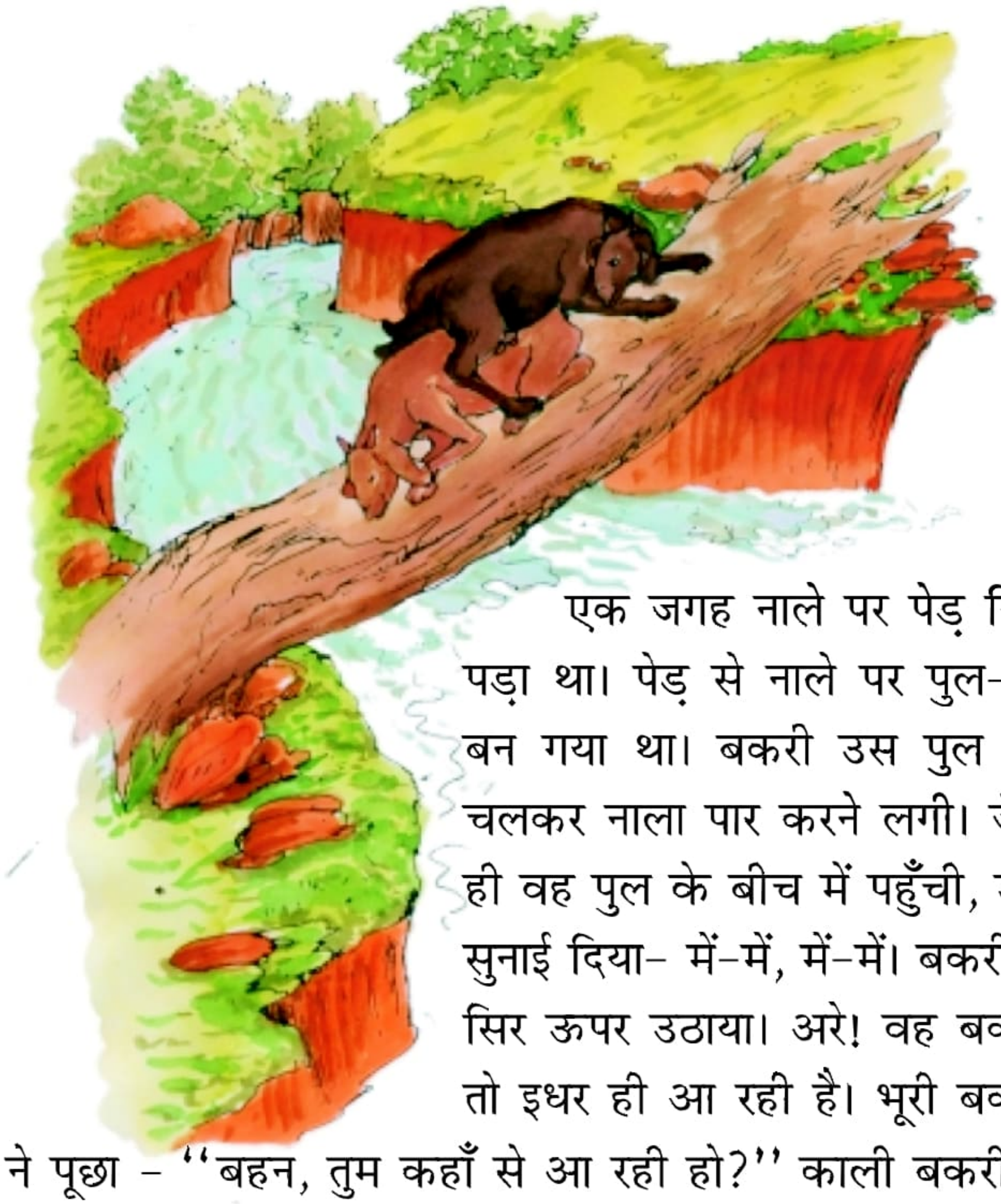
बकरी ने सोचा – उस किनारे की घास का रंग कितना हरा है! वह घास नरम भी होगी। क्यों न उस किनारे चलूँ!

नाला गहरा था। भूरी बकरी किनारे–किनारे चलने लगी।

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 38



एक जगह नाले पर पेड़ गिरा पड़ा था। पेड़ से नाले पर पुल-सा बन गया था। बकरी उस पुल पर चलकर नाला पार करने लगी। जैसे ही वह पुल के बीच में पहुँची, उसे सुनाई दिया- में-में, में-में। बकरी ने सिर ऊपर उठाया। अरे! वह बकरी तो इधर ही आ रही है। भूरी बकरी ने पूछा - "बहन, तुम कहाँ से आ रही हो?" काली बकरी ने कहा - "मैं उस किनारे गई थी। अब वापस जा रही हूँ।" भूरी बकरी बोली- "बहन, यह पुल बहुत तंग है। इस पुल से तो हम दोनों साथ-साथ निकल नहीं सकतीं। अब क्या करें?"

काली बकरी कुछ सोचने लगी। फिर बोली– ''मैं पुल पर बैठ जाती हूँ। तुम मेरे ऊपर से निकल जाओ।''

भूरी बकरी झट से बोली– ''नहीं–नहीं! मैं बैठ जाती हूँ। तुम पहले निकल जाओ।'' भूरी बकरी पुल पर नीचे बैठ गई।

काली बकरी ने धीरे–धीरे पाँव उठाए। उसने पाँव भूरी बकरी पर रखे। फिर वह दूसरी तरफ कूद गई। भूरी बकरी उठ खड़ी हुई। वह भी नाले के दूसरे किनारे चली गई। में..में ....दोनों बहुत खुश थीं।

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 39

शिक्षण–निर्देश :

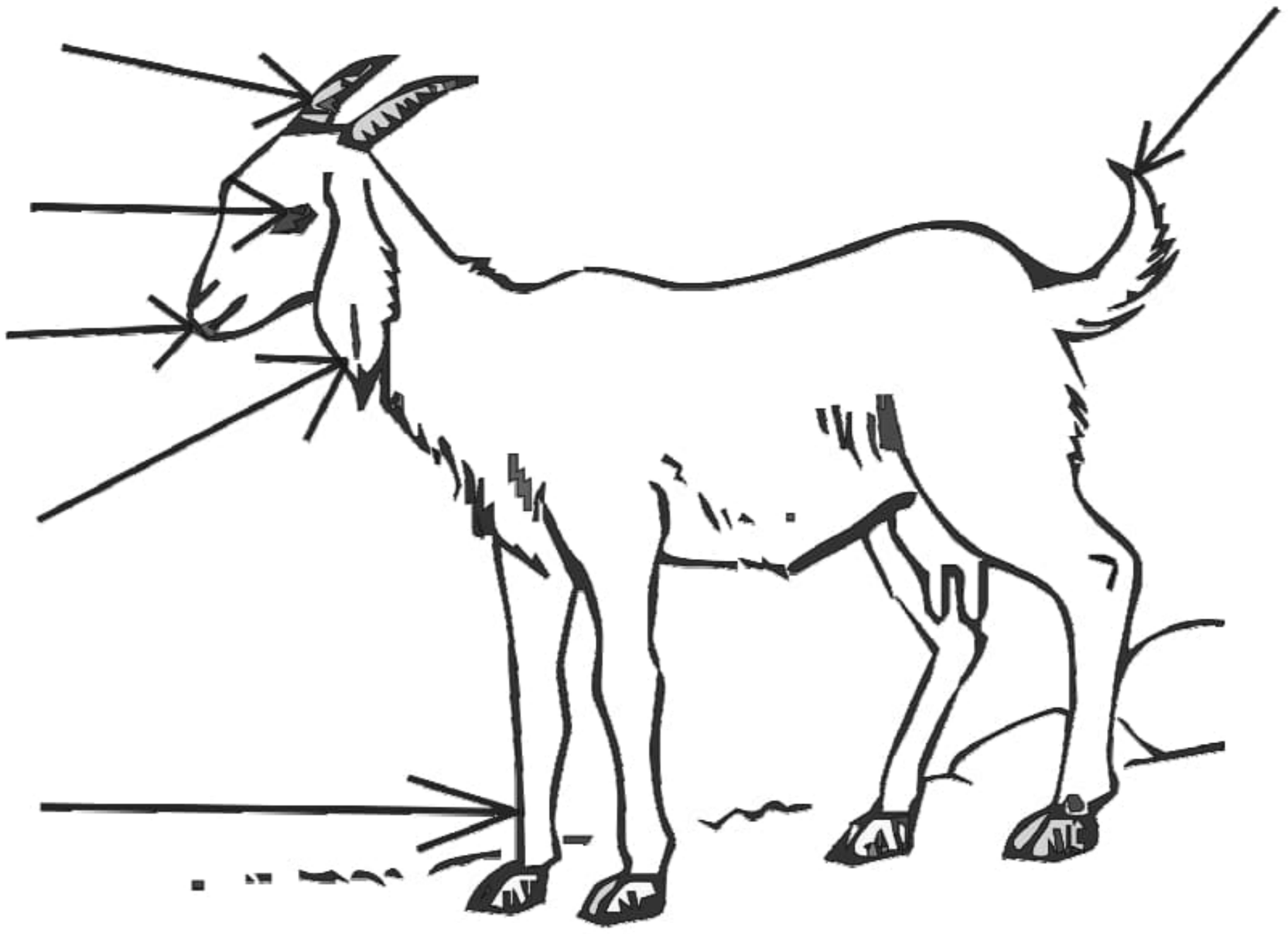
विद्यार्थियों से बकरी के रंग–रूप, भोजन, आवास एवं उसके अंगों पर बातचीत करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बकरी किन–किन रंगों की होती है ?

(ख) बकरी क्या–क्या खाती है ?

चित्र में रंग भरिए और बकरी के अंगों के नाम लिखिए–



दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 40

शिक्षण–निर्देश :

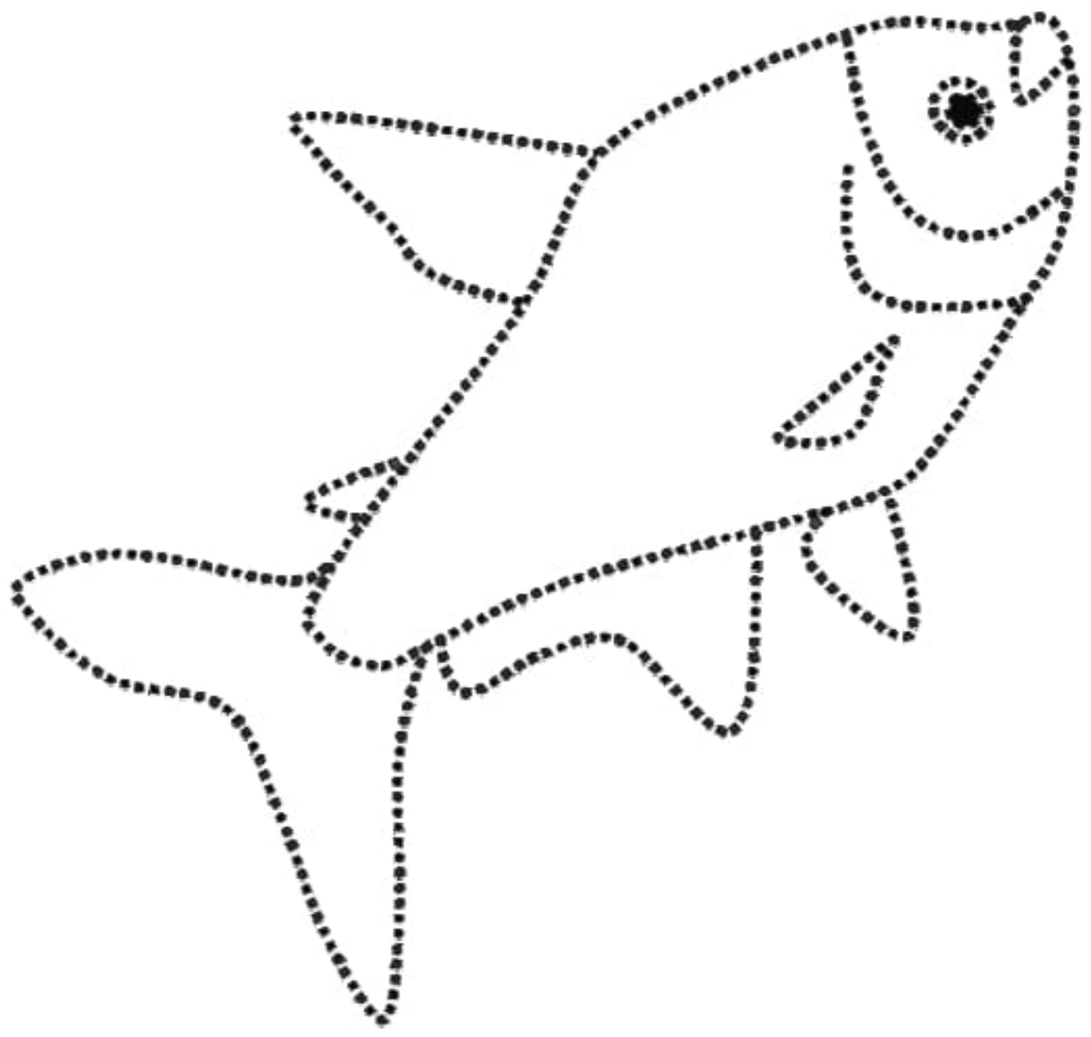
विद्यार्थियों को बकरी, लकड़ी, नदी, मूली, नाली आदि शब्दों की सहायता से वचन की समझ दें तथा बोर्ड के पास बुलाकर वचन की जोड़ी बनवाइएँ।

पक्षियों/चिड़ियों के नाम लिखिए–

मिलान कीजिए–

बकरी	नालियाँ
लकड़ी	लकड़ियाँ
नदी	मूलियाँ
मूली	बकरियाँ
नाली	नदियाँ

चित्र में रंग भरिए–



दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 41

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को रंगों के उपयोग तथा अलग–अलग रंगों की वस्तुओं के बारे में बताएँ तथा बोर्ड के पास बुलाकर अपने पसंद के रंग का नाम तथा उस रंग की किसी एक वस्तु का नाम बताने को कहें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) घास का रंग कैसा होता है?

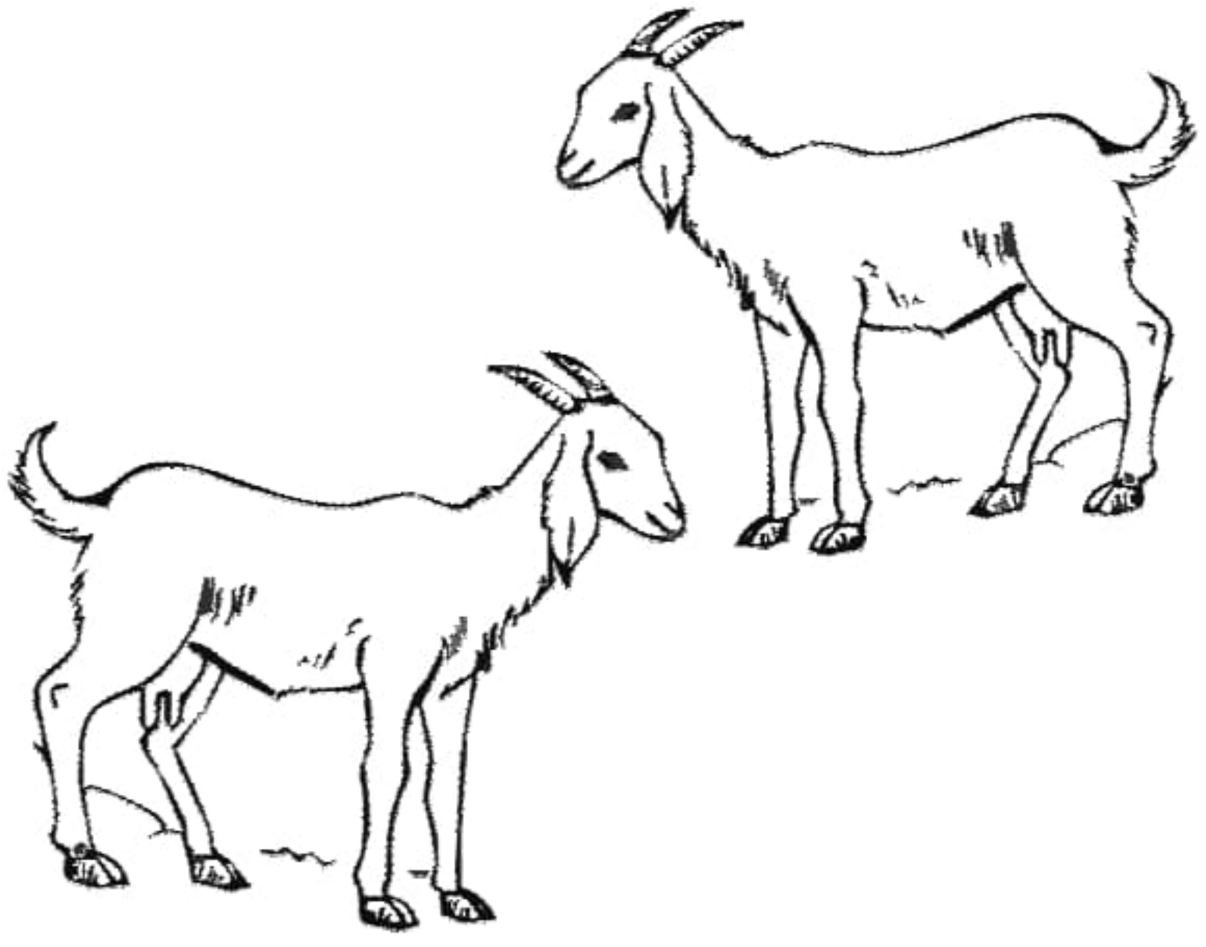
(ख) कौन–कौन से जानवर घास खाते हैं?

(ग) बकरी नाले के किनारे क्या करने जाती है?

रंग मिलान कीजिए–

तोता	काला
कौआ	उजला
मैना	हरा
बगुला	चितकबरी
बकरी	भूरी

चित्रों में रंग भरिए–



दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 42

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को उजली, दिन, मोटा, अच्छा, साफ आदि शब्दों की सहायता से विलोम शब्द की समझ दें।

दिए गए शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्द लिखिए–

उजली	–	काली
दिन	–	.....
मोटा	–	.....
अच्छा	–	.....
साफ	–	.....

सही शब्दों से खाली स्थान को भरिए–

कपड़े	काले–काले	
पेड़	हरी–हरी	
फल	मोटे–मोटे	
बादल	मीठे–मीठे	
घास	नए–नए	

समान लय वाले शब्दों को मिलाइए–

राजा	बात	देर	दानी
रानी	बाजा	मात	ढेर
बेर	नानी	ताजा	सात
रात	शेर	पानी	खाजा

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 43

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से जानवरों के नाम तथा विलोम शब्द का पुनरावर्त्तन करवाएँ।

नीचे दिए गए अक्षर–जाल में से जानवरों के नाम छाँटकर लिखिए–

रा	सि	क	ग	ची	ता	ण
बा	या	सि	त	प	नी	री
हि	र	ण	य	ल	ल	छ
ना	ही	वी	ब	रू	गा	त
लो	म	ड़ी	क	फ	य	बं
स	ख	क्ष	री	ख	च	द
शे	र	ब	ग	लं	गू	र
अ	गो	णा	द	नं	श	न
म	श	ल	हा	थी	घ	ध

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

चित्र देखकर नाम लिखिए–



मछली .....



मछलियाँ .....





.....



.....



.....



.....

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 44

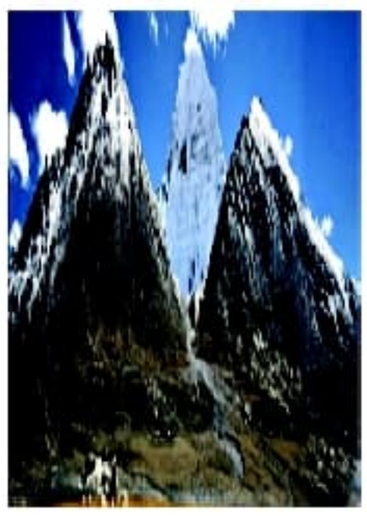
शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को पेड़ों के उपयोग पर बातचीत करें तथा पेड़, पानी, आसमान, सूर्य, पहाड़ आदि शब्दों की सहायता से पर्यायवाची शब्द की समझ दें।

पेड़ों के क्या–क्या उपयोग हैं?

अपने आसपास नजर आने वाले पेड़ों के नाम लिखिए–

पर्यायवाची शब्दों का मिलान कीजिए–




पानी	सूरज	पेड़	पर्वत	आकाश
सूर्य	पहाड़	जल	आसमान	गाछ

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 45

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को प्रश्नोत्तरी द्वारा कहानी का अंत सुनाएँ।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) काली बकरी ने पुल पर बैठने की बात क्यों कही?

(ख) आपने किस–किस तरह का पुल देखा है, लिखिए–

(ग) नाले पर पुल कैसे बन गया?

सही शब्दों की सहायता से खाली स्थान भरिए–

(क) जंगल में एक ..... था। (नाला/नदी)

(ख) दो बकरियों का रंग ..... था। काला और भूरा/हरा और नीला

(ग) दोनों बकरियाँ रोज ..... चरने आती थी। (पत्ता/घास)

(घ) घास का रंग ..... था। (हरा/काला)

(ङ) नाला ..... था। (गहरा/ऊँचा)

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 46

शिक्षण–निर्देश :

कहानी के आधार पर जानवरों के आवाज की समझ दें तथा प्रत्येक विद्यार्थी को बोर्ड के पास बुलाकर बकरी के बारें में एक वाक्य बोलने को कहें।

जानवरों के आवाज को लिखिए–

(क) बकरी – में–में

(ख) बिल्ली – .....

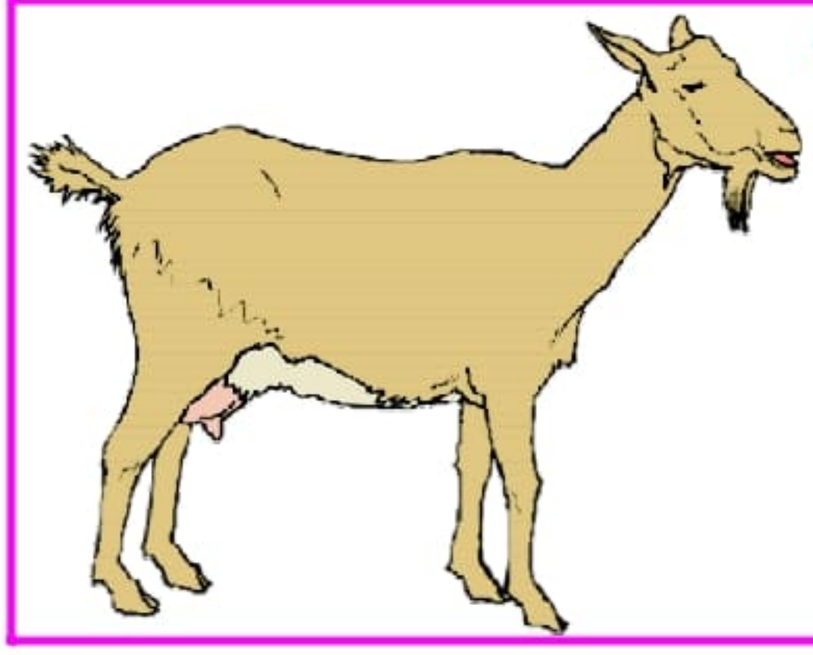
(ग) कबूतर – .....

(घ) चिड़ियाँ – .....

(ङ) मुर्गा – .....

इस कहानी के अनुसार कौन कैसा है ? रेखा खींचकर मिलाइए–

नाला	घना
घास	लंबा
पेड़	गहरा
बकरी	हरी
पुल	काली



दिए गए चित्र के बारे में लिखिए–

दिनांक

बहुत हुआ

दिवस- 47

शिक्षण–निर्देश :

'बहुत हुआ' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विद्यार्थियों से बातचीत करें।



बादल भइया
बहुत हुआ।
कीचड़-कीचड़
पानी-पानी
याद सभी को
आई नानी
सारा घर
दिन रात चुआ।
बादल भइया .....
जाएँ कहाँ
कहाँ पर खेलें
घर में फँसे
बोरियत झेलें ज्यों
पिंजरे में मौन सुआ।
बादल भइया .....
सूरज दादा धूप
खिलाएँ नाचें गाएँ
खुशी मनाएँ
तुम भी भैया
करो दुआ।
बादल भइया
बहुत हुआ।

दिनांक

बहुत हुआ

दिवस- 48

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को कक्षा में दिखाई देने वाली वस्तुओं को उनकी बोली में जो कहा जाता है उसे पूछें तथा बताएँ।

समान लय वाले दो–दो शब्द लिखिए–

पानी	नानी		
रात	सात		
घर	हर		
ताल	जाल		

उचित शब्दों में सही का निशान लगाइए–

(क) वर्षा से बचाता है — कुत्ता | जूता | छाता

(ख) हमें पैदल चलते समय पहनना चाहिए — घड़ी | जूते | टाई

(ग) जल की रानी है — मछली | सर्प | कछुआ

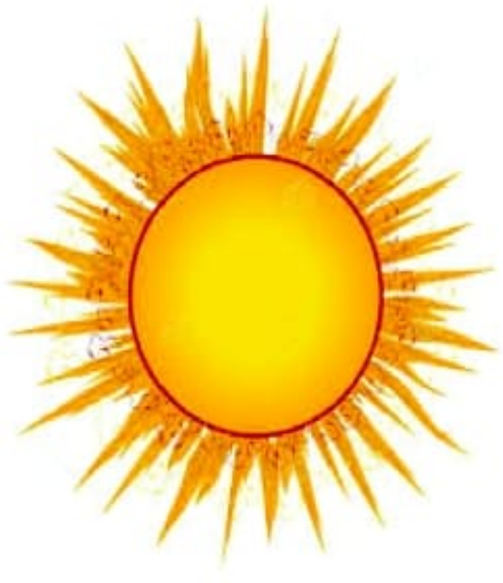
बताइए, इन्हें आपकी बोली में क्या कहते हैं–













दिनांक

बहुत हुआ

दिवस- 49

शिक्षण–निर्देश :

कविता का समवेत स्वर में गायन तथा विद्यार्थियों से बारिश से होने वाले लाभ, बारिश में खाने वाले पकवान, खेल आदि पर बातचीत करें।

दिए गए सवालों के जवाब लिखिए–

(क) बारिश में आपके घर के आस–पास क्या–क्या होता है?

(ख) बारिश में आपको क्या करने का मन करता है?

(ग) आप बारिश होने पर क्या दुआ माँगते हैं?

बारिश होने पर क्या–क्या होता है? उनपर (✓) का निशान लगाइए–

(क) कीचड़ हो जाता है ☐

(ख) सड़कों पर पानी भर जाता है ☐

(ग) बच्चे बाहर नहीं खेल सकते ☐

(घ) घर में पानी टपकने लगता है ☐

(ङ) धूप निकलती है ☐

बताइए ये सब बारिश से बचने के लिए क्या करेंगे–

(क) आदमी

(ख) गाय

(ग) चिड़ियाँ

(घ) बकरी

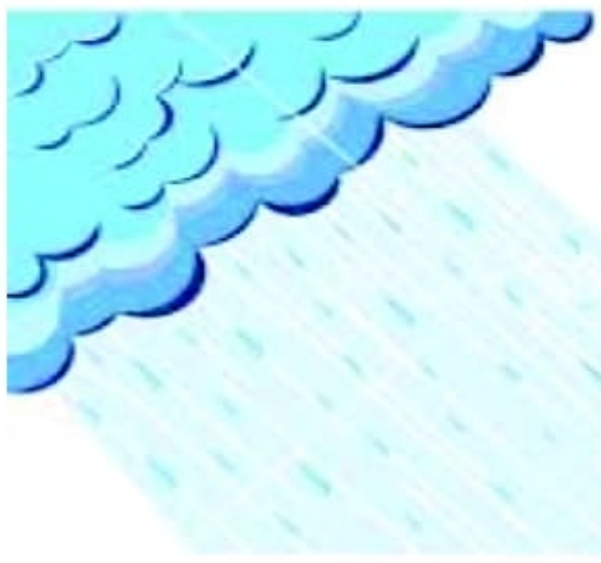
दिनांक

बहुत हुआ

दिवस- 50

शिक्षण–निर्देश :
कविता का समवेत स्वर में गायन तथा गर्मी, सर्दी तथा बरसात के मौसम में प्रयोग में लाई जाने वाली सामग्रियों को बताएँ। साथ ही साथ पूरी कक्षा को तीन भागों में बाँट दें तथा तीनों को गर्मी, सर्दी तथा बरसात का नाम दें। अब प्रत्येक समूह अपने मौसम के आधार पर कुछ नाम बोलेंगे और शिक्षक/शिक्षिका उन्हें बोर्ड पर लिखेंगे।

क्या होता है जब –





बताइए, कौन–सी चीजें किस मौसम से जुड़ी हुई हैं–















सर्दी	गर्मी	बरसात

दिनांक

बहुत हुआ

दिवस- 51

शिक्षण–निर्देश :

कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा बारिश से बचने के लिए जिन वस्तुओं का प्रयोग करते हैं उन वस्तुओं के नाम तथा उसके बारे में विद्यार्थियों से बातचीत करें।

बारिश से बचने के लिए आप क्या–क्या करते हैं (✓) का निशान लगाइए–

(क) छाता लगाते हैं

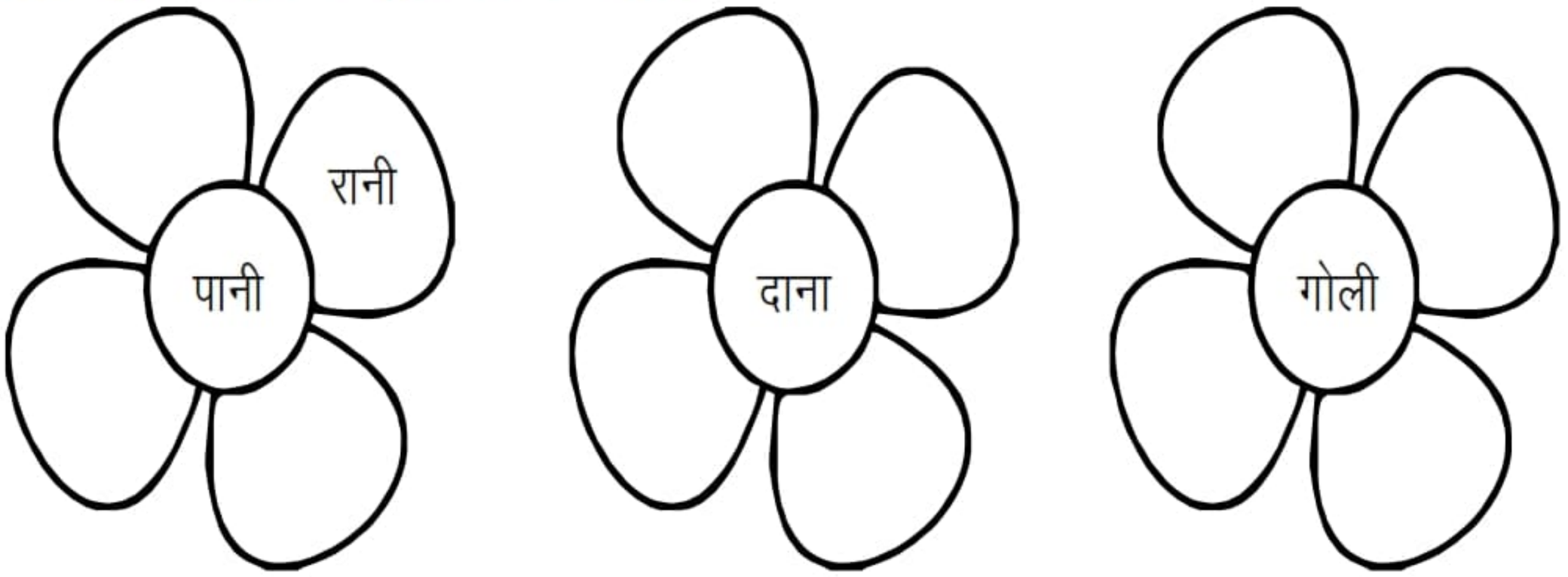
(ख) पेड़ के नीचे खड़े हो जाते हैं

(ग) घर के अंदर चले जाते हैं

(घ) बोरी सिर पर रख लेते हैं

(ङ) टोपी पहन लेते हैं

मिले–जुले शब्दों से फूलों को सजाइए–



अपनी पसंद का चित्र बनाइए–

दिनांक

बहुत हुआ

दिवस- 52

शिक्षण–निर्देश :

कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा अक्षर जाल से शब्द निकालने की समझ दें।

चित्र देखिए और इसका नाम लिखिए–









अक्षर जाल की सहायता से जानवरों के नाम पर ◯ कीजिए–

रा	सि	क	ग	ची	ता	ण
बा	चा	सिं	त	प	ली	री
हि	र	ण	च	ल	बा	घ
ना	ही	वी	ब	रू	ण	त
लो	थ	ग	क	फ	सि	बं
स	ख	क्ष	री	ख	च	द
शे	र	ब	ग	लं	गू	र
अ	गो	णा	द	नं	श	न
म	श	ल	हा	थी	घ	ध

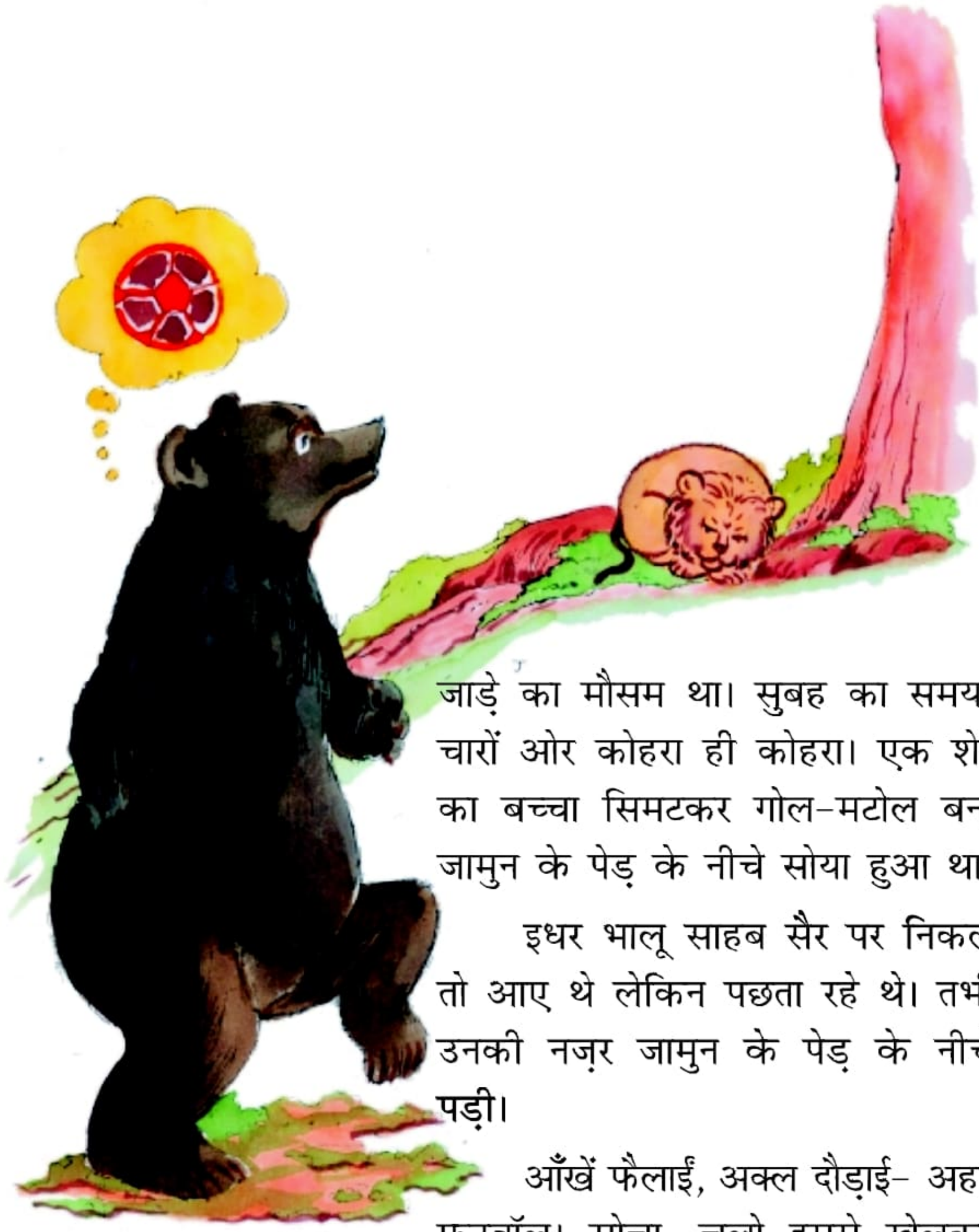
दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस- 53

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को हाव–भाव के साथ कहानी सुनाएँ एवं विद्यार्थियों को कहानी सुनाने का अवसर दें। साथ ही साथ कहानी के आधार पर बातचीत करें।



जाड़े का मौसम था। सुबह का समय। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल–मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था।

इधर भालू साहब सैर पर निकल तो आए थे लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नज़र जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी।

आँखें फैलाईं, अक्ल दौड़ाई– अहा! फुटबॉल। सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ गरमी हासिल की जाए।

दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस- 53

आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को।

हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाल पकड़ ली।

मगर डाल छूट गई। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गए। पछताए, लेकिन अगले ही पल दौड़कर फुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को लपक लिया।

अरे, यह क्या? शेर का बच्चा फिर से उछालने के लिए कह रहा था।

एक बार फिर भालू दादा ने उछाला।

दो बार....

तीन बार.....

फिर क्या था, बार-बार यही होने लगा।

शेर के बच्चे को उछलने में मज़ा आ रहा था। परंतु भालू थककर परेशान हो गया था।



दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस- 53

ओह! किस आफत में आ फँसा। बारहवीं बार उछालते ही भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई और गायब हो गया।

अब की बार शेर का बच्चा धड़ाम से ज़मीन पर आ गया। डाल भी टूट गई।

तभी माली वहाँ आया और शेर के बच्चे पर बरस पड़ा- ''डाल तोड़ दी पेड़ की! लाओ हर्ज़ाना!''

शेर के बच्चे ने कहा - ''ज़रा ठीक तो हो लूँ।''

माली ने कहा - ''ठीक है। मैं अभी आता हूँ।''

माली के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ-दो ग्यारह हो गया।

उसने सोचा - जान बची तो लाखों पाएँ।



दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस- 54

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से भालू के रंग–रूप, भोजन तथा उसके आवास से संबंधित महत्त्वपूर्ण बातों पर चर्चा करें तथा पूरी कक्षा को चार समूहों में बाँटकर भालू के बारे में एक–एक वाक्य बोलने को कहें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

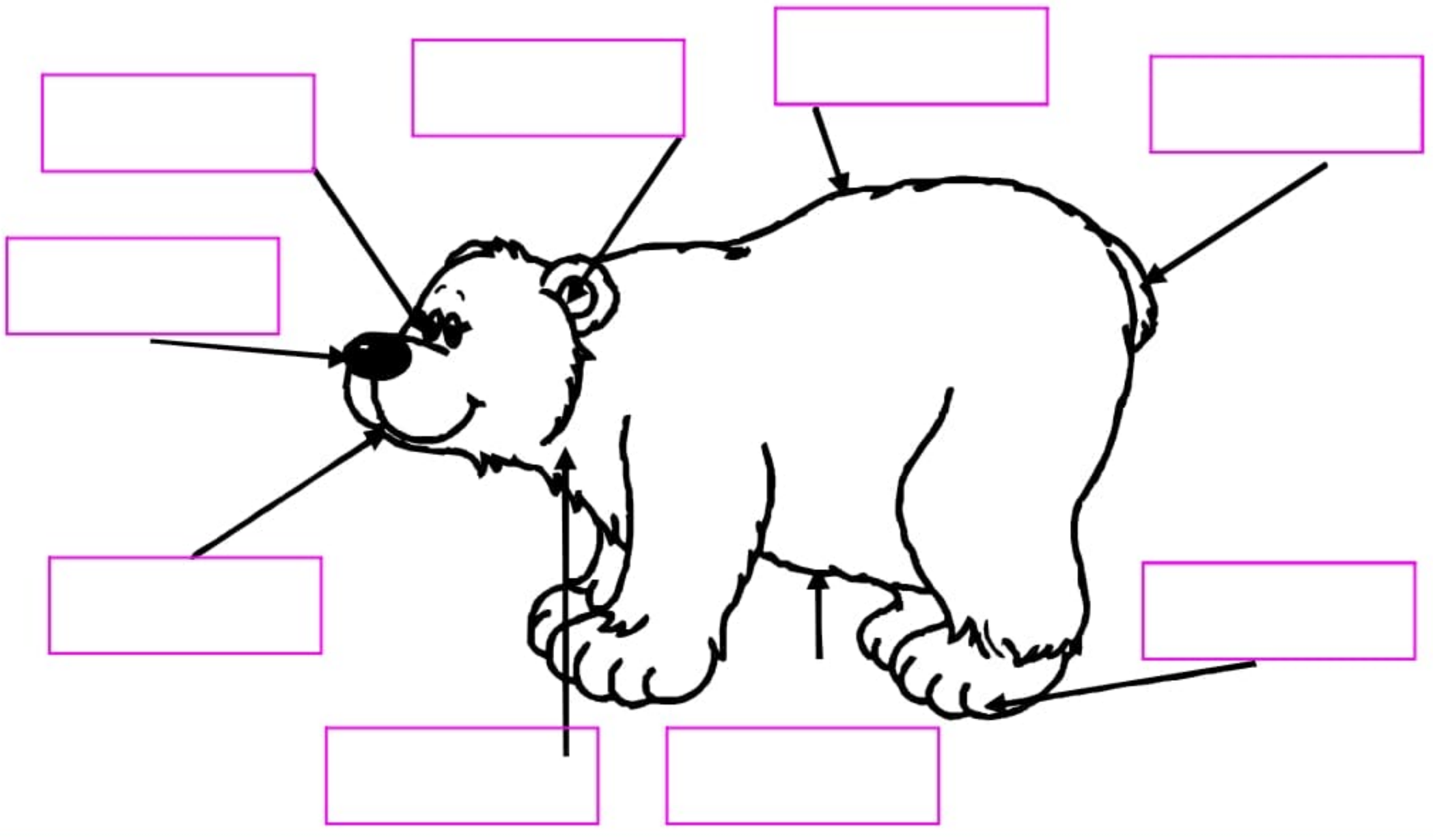
(क) पाँच जंगली जानवरों के नाम लिखें।

(ख) भालू कहाँ रहते हैं?

(ग) भालू का रंग कैसा होता है?

(घ) भालू को क्या खाना पसंद है?

भालू के अंगों के नाम लिखिए–



दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस-55

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से शेर के रंग–रूप, भोजन तथा उसके आवास से संबंधित महत्त्वपूर्ण बातों पर चर्चा करें तथा पूरी कक्षा को चार समूहों में बाँटकर शेर के बारे में एक–एक वाक्य बोलने को कहें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) इस कहानी में किस मौसम की चर्चा की गई है?

(ख) शेर का बच्चा कैसे सोया हुआ था?

(ग) शेर का बच्चा कहाँ सोया हुआ था?

(घ) भालू साहब किस लिए बाहर निकले थे?

शेर का चित्र बनाइए–

दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस-56

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से पेड़ के लाभ, प्रकार तथा पेड़ की पत्तियों, शाखाओं, जड़ आदि पर बातचीत करें साथ ही साथ अपने पसंद के पेड़ के बारे में दो वाक्य बोलने को कहें।

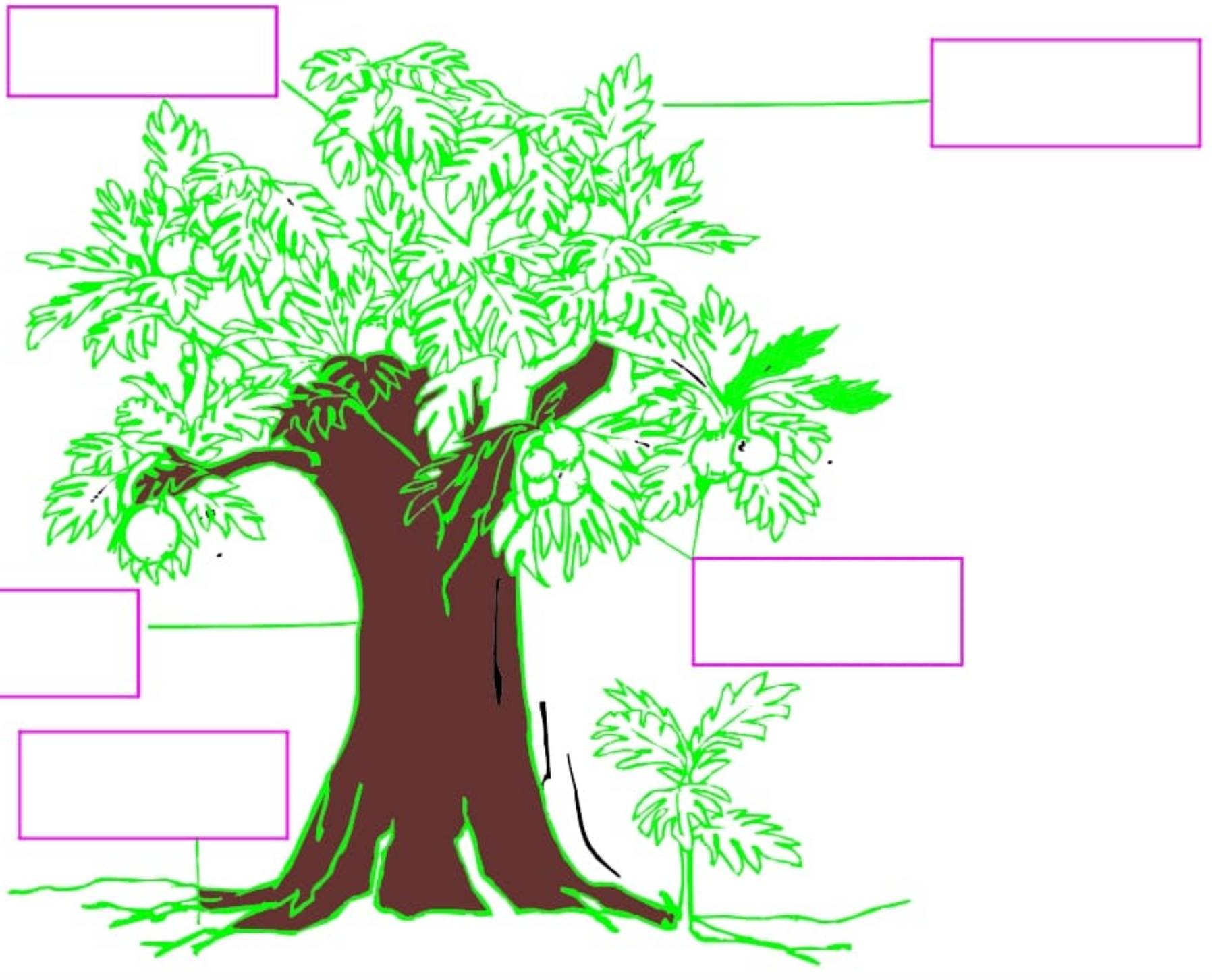
प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) आपने जो–जो पेड़ देखे हैं, उनके नाम लिखिए।

(ख) पेड़ हमारे किस–किस काम आते हैं?

(ग) अगर पेड़ नहीं होते तो क्या होता?

पेड़ के भागों के नाम लिखिए–



दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस- 57

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से विभिन्न प्रकार के खेलों तथा उससे संबंधित सामग्रियों पर बातचीत करें।

दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए–

(क) आँखें फैलाईं–

(ख) अक्ल दौड़ाई–

(ग) आव देखा न ताव–

(घ) सैर–

खाली स्थान में सही शब्द लिखिए–

(क) शेर का बच्चा ..... के पेड़ के नीचे सो रहा था। (आम, केला, जामुन)

(ख) शेर के बच्चे ने पेड़ की ..... पकड़ ली। (डाल, पत्ती, फूल)

(ग) ..... का मौसम था। (गर्मी, जाड़े, बरसात)

(घ) तभी उनकी ..... जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी। (पैर, नज़र, हाथ)

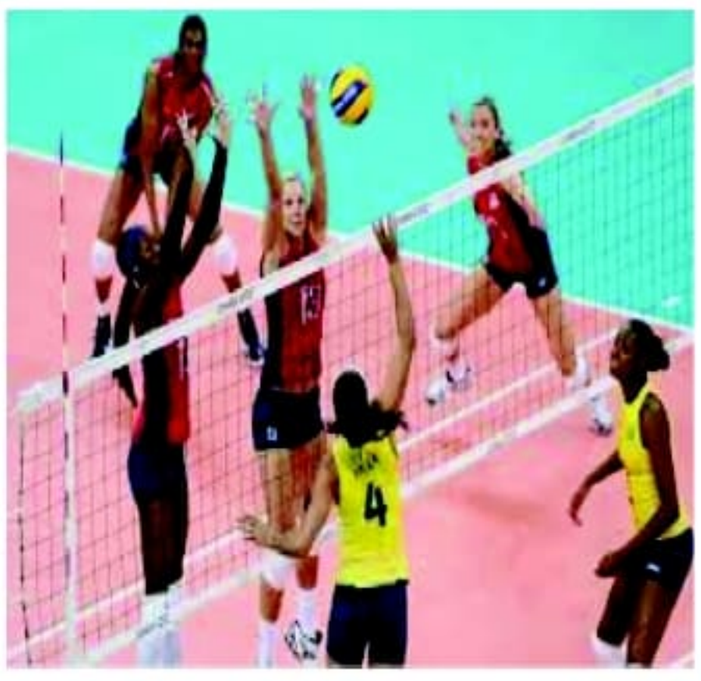
दिए गए चित्रों को उसके सही नाम से मिलाइए–





वॉलीबॉल

फुटबॉल





कबड्डी

क्रिकेट

दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस-58

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से फुटबॉल खेल तथा उससे संबंधित सामग्रियों पर बातचीत करें तथा गेंद (बॉल) से खेले जाने वाले खेल के बारे में बताने को कहें।

भालू ने ठंड से बचने के लिए फुटबॉल खेलने की बात सोची। आप ठंड से बचने के लिए क्या–क्या करते हैं? नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ें और सही का निशान लगाएँ।

(क) आग तापते हैं।	{ }
(ख) स्वेटर पहनते हैं।	{ }
(ग) रज़ाई ओढ़ते हैं।	{ }
(घ) चाय पीते हैं।	{ }
(ङ) कसरत करते हैं।	{ }
(च) गरम दूध पीते हैं।	{ }
(छ) पुआल में दुबक जाते हैं।	{ }
(ज) गरम पानी से नहाते हैं।	{ }

शब्दों को समझकर लिखिए–

अनुस्वार 'न' के रूप में (न्) प्रयुक्त होने वाले शब्द	अनुस्वार 'म' के रूप में (म्) प्रयुक्त होने वाले शब्द
बंदर – बन्दर	पंप – पम्प
चंदा–	भूकंप–
आनंद–	लंबा–
सुंदर–	खंभा–

खेलों के नाम लिखिए–

क्रिकेट		

दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस- 59

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से किसी भी शब्द से वाक्य बनाने की प्रक्रिया पर बातचीत करें तथा प्रत्येक विद्यार्थी को किसी एक शब्द से एक वाक्य बनाने और उसे बोर्ड पर लिखने को कहें।

दिए गए अक्षरों से शब्द बनाइए–

त	ा	ज	म	ह	ल

ताज		

दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

सुबह–

भालू–

जामुन–

भालू जब शेर के बच्चे को उछाल रहा था तो उसे मज़ा आ रहा था। आपको कौन–कौन सा काम करने में मज़ा आता है? लिखिए।

दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस- 60

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को पेड़ तथा घर के पर्यायवाची शब्द की समझ दें तथा बोर्ड पर कुछ शब्दों को देकर उनके पर्यायवाची शब्द बोलने को कहें।

चित्र को उसके सभी नाम के साथ मिलाइए–



लता

पेड़

गाछ

आम

झाड़ी

वृक्ष

पौधा

कमल

मंदिर

घर

भवन



गुरुद्वारा

मस्जिद

मकान

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) भालू क्यों थक गया?

(ख) माली शेर के बच्चे पर क्यों गुस्सा हो गया?

(ग) यदि आप माली की जगह होते तो क्या करते?

(घ) यदि भालू शेर के बच्चे को फुटबॉल न समझता तो क्या होता?

दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस- 61

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को उल्टे (विलोम) शब्द की समझ दें तथा बोर्ड पर दिए गए नए शब्दों को लिखकर उसका विलोम शब्द लिखवाएँ।

दिए गए वाक्यों को पढ़ें और बताएँ कि ये वाक्य किसने कहा और कब कहा?

वाक्य	किसने कहा	कब कहा
(क) अहा! फुटबॉल, चलो इससे खेलकर कुछ गरमी हासिल की जाए।		
(ख) डाल तोड़ दी पेड़ की!लाओ हर्ज़ाना!		
(ग) जरा ठीक तो हो लूँ।		
(घ) ओह! किस आफत में आ फँसा।		
(ङ) ठीक है। मैं अभी आता हूँ		

माली ने कहा– मैं अभी आता हूँ। 'आता' का उल्टा होगा– 'जाता'। बताइए इनका उल्टा क्या होगा–

(क) जाड़ा – (ख) छूटना –

(ग) सोया – (घ) जाना –

(ङ) बच्चा – (च) कहना –

अगर शेर का बच्चा नहीं भागता तो क्या होता?

दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस- 62

शिक्षण–निर्देश :

'भालू ने खेली फुटबॉल' की पूरी कहानी का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्त्तन करवाएँ तथा शब्दों के लिंग निर्धारण के तरीकों पर बातचीत करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) भालू घर की तरफ क्यों भागा?

(ख) अगर आप भालू होते तो क्या करते?

(ग) शेर का बच्चा कहाँ सोया हुआ था?

(घ) शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल क्यों पकड़ी थी?

(ङ) आप अपने दोस्तों के साथ कौन–कौन से खेल खेलते हैं?

जोड़ी बनाइए–

शेर	मोरनी	दादा	लड़की
गाय	चुहिया	नाना	चाची
मोर	शेरनी	चाचा	दादी
चूहा	बैल	लड़का	नानी

समान लय वाले शब्द लिखिए–

बच्चा–

चक्का–

खट्टा–

कुत्ता

दिनांक

भालू ने खेली फुटबॉल

दिवस- 63

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'भालू ने खेली फुटबॉल' की पूरी कहानी सुनें तथा अभ्यास–पुस्तिका में दिए गए मुहावरों पर बातचीत करें।

पहले क्या हुआ, फिर क्या–क्या हुआ? क्रम से सजाकर लिखिए–

(क) भालू ने शेर के बच्चे को उछाल दिया।

(ख) शेर का बच्चा धड़ाम से ज़मीन पर आ गया।

(ग) भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई।

(घ) भालू साहब सैर को निकले।

(ङ) तभी माली वहाँ आ गया।

(च) शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल पकड़ ली।

(छ) शेर का बच्चा नौ–दो ग्यारह हो गया।

दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए–

नौ–दो ग्यारह होना–

जान बची तो लाखों पाएँ –

वक्त

आफत –

हर्ज़ाना–

समझकर लिखिए–

बच्चा – बच्चे	अच्छा –
कच्चा –	मक्का –
सच्चा –	पक्का –
चक्का –	पत्ता –

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस- 64

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से प्रश्नोत्तरी द्वारा 'प्यासा कौआ' की पूरी कहानी सुनें

प्यासा कौआ की कहानी को अपने शब्दों में लिखिए–



दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस- 65

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से प्रश्नोत्तरी द्वारा 'दो बकरियाँ' की पूरी कहानी सुनें।



दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस- 66

शिक्षण–निर्देश :

'बहुत हुआ' की पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा पूरी कविता का अर्थ पूछें।

बादल .....

..... हुआ।

कीचड़ – कीचड़

..... पानी

याद सभी को

आई .....

सारा .....

दिन..... चुआ।

..... भइया

बहुत ..... ।

जाएँ .....

कहाँ पर .....

..... में फँसे

..... झेलें ज्यों

..... में मौन। .....

बादल .....

..... हुआ।

सूरज ..... धूप

खिलाएँ ..... गाएँ

..... मनाएँ।

तुम भी .....

करो ..... ।

..... भइया

बहुत ..... ।



दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस- 67

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को प्रश्नोत्तरी द्वारा 'भालू ने खेली फुटबॉल' की पूरी कहानी पूछें।

'भालू ने खेली फुटबॉल' कहानी के शब्दों को लिखिए–

भालू		

ऐसे खेलों का नाम बताइए जिनमें बॉल (गेंद) का प्रयोग होता है–

दिनांक

किसान, भालू और आलू

दिवस- 68

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को हाव–भाव के साथ कहानी सुनाएँ एवं विद्यार्थियों को कहानी सुनाने का अवसर दें। साथ ही साथ कहानी के आधार पर बातचीत करें।



एक किसान था। आलू बोने के लिए जंगल के समीप खेत में गया। वह हल चला रहा था। इतने में वहाँ एक भालू आया। भालू बोला, "यहाँ फ़सल लगाओगे तो मेरा हिस्सा देना पड़ेगा।" किसान ने कहा, "ठीक है। ऐसा करते हैं तुम ऊपर का हिस्सा ले लो, मैं ज़मीन के नीचे का हिस्सा ले लेता हूँ।" भालू बोला, "ठीक है। अगर धोखा दोगे तो खेत में पैर नहीं रखने दूँगा।"

दिनांक

किसान, भालू और आलू

दिवस- 68

जब फ़सल आई तो भालू किसान के पास पहुँचा और बोला – "मेरा हिस्सा दे दो।" किसान ने भालू को सारे पत्ते दे दिए और बड़े-बड़े आलू रख लिए। भालू बोला- "तुम्हारे हिस्से को भी चखकर तो देखूँ।" भालू ने आलू चखा और गुस्से से बोला, "तुमने मुझे धोखा दिया है। असली माल तो खुद रख लिया और मुझे कड़वे पत्ते थमा दिए। अगली बार मैं ज़मीन के नीचे का लूँगा।" किसान मान गया। अगली बार उसने आलू नहीं, गेहूँ बोए। भालू को इस बार भी कुछ नहीं मिला। सोचिए क्यों?

दिनांक

किसान, भालू और आलू

दिवस- 69

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से किसान के पहनावे, उसके काम, जहाँ वह काम करता है, उस स्थान के बारे में बच्चों से बातचीत करें तथा विद्यार्थियों से किसान के बारे में एक–एक वाक्य बोलने को कहें।

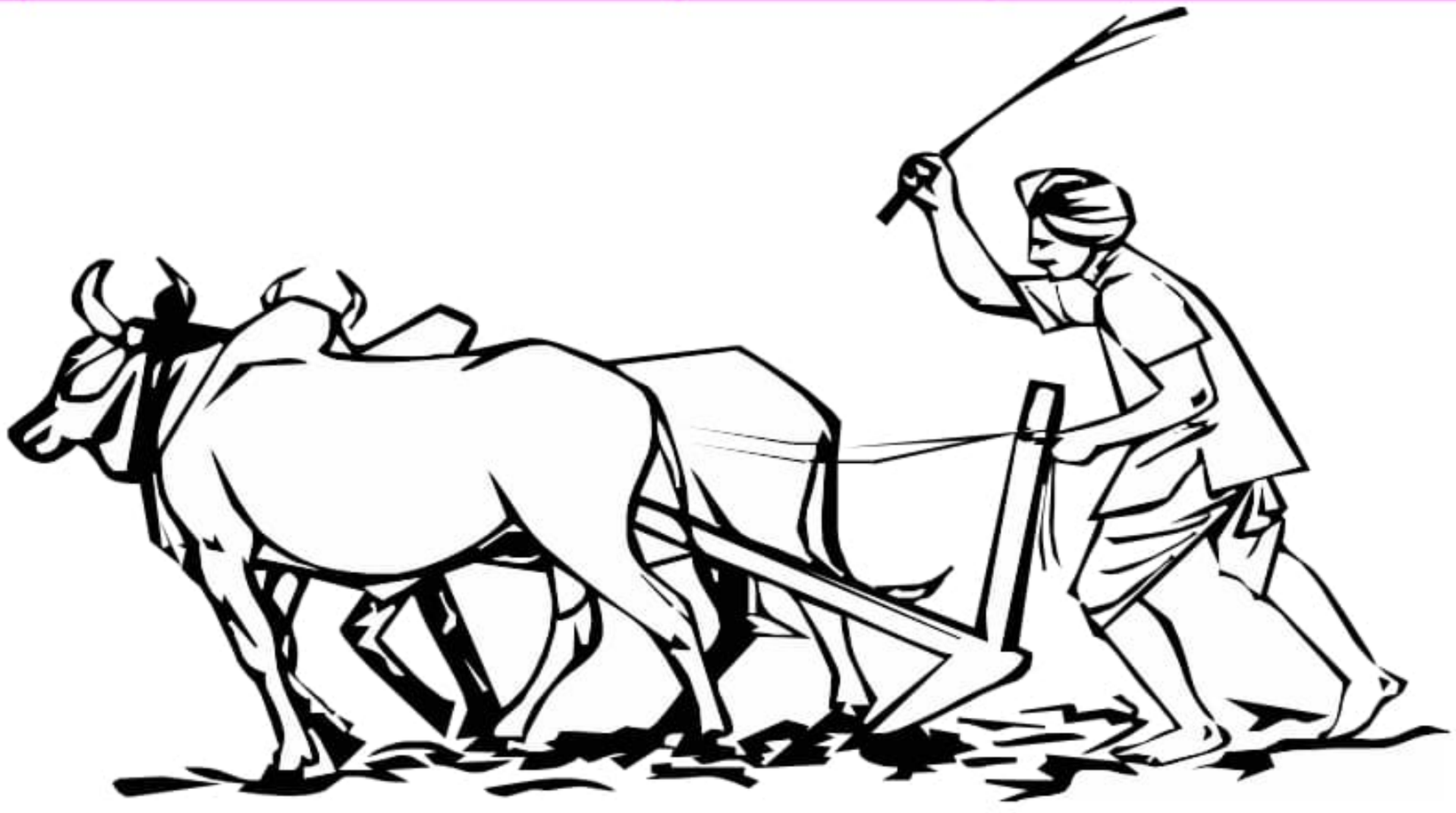
किसान क्या–क्या करते हैं, उनपर घेरा (◯) लगाइए–

खेती करना	चिट्ठी बाँटना	हल चलाना
क्यारी बनाना	कपड़ा सीलना	बीज बोना
खाद डालना	पानी पटाना	नक्शा बनाना

दिए गए शब्दों से मिलते–जुलते (समान ध्वनि वाले) शब्द लिखिए –

खेती		हल	
पानी		खाद	
बीज		फसल	

रंग भरिए–



दिनांक

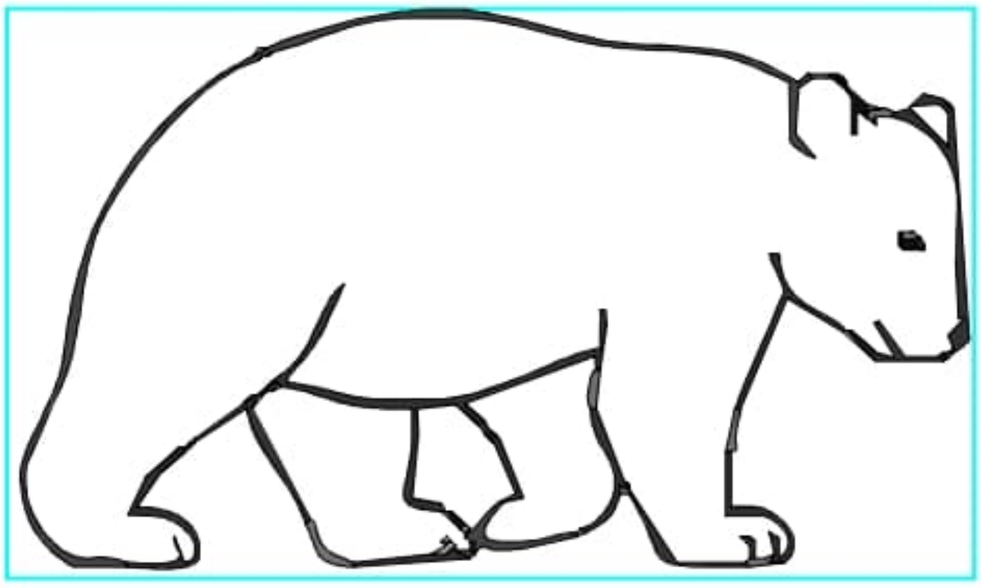
किसान, भालू और आलू

दिवस- 70

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को शब्द से वाक्य बनाने की समझ दें तथा विद्यार्थियों को बारी–बारी से बोर्ड के पास बुलवाएँ और दिए गए शब्द से वाक्य बनाकर उसे बोर्ड पर लिखने को कहें।

चित्र के बारे में एक–एक वाक्य लिखिए–









रंग भरिए–



दिनांक

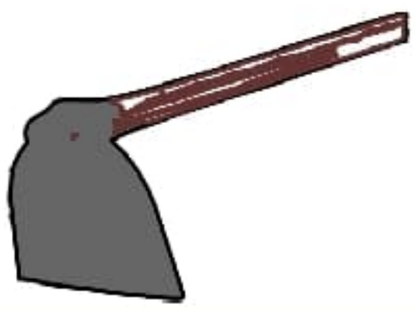
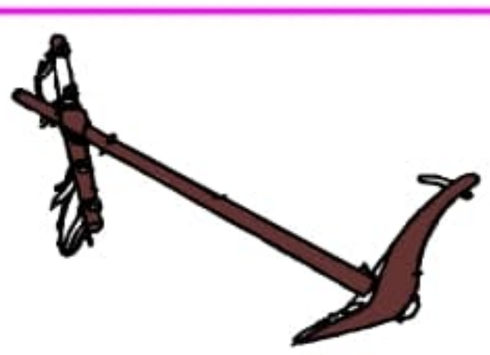
किसान, भालू और आलू

दिवस- 71

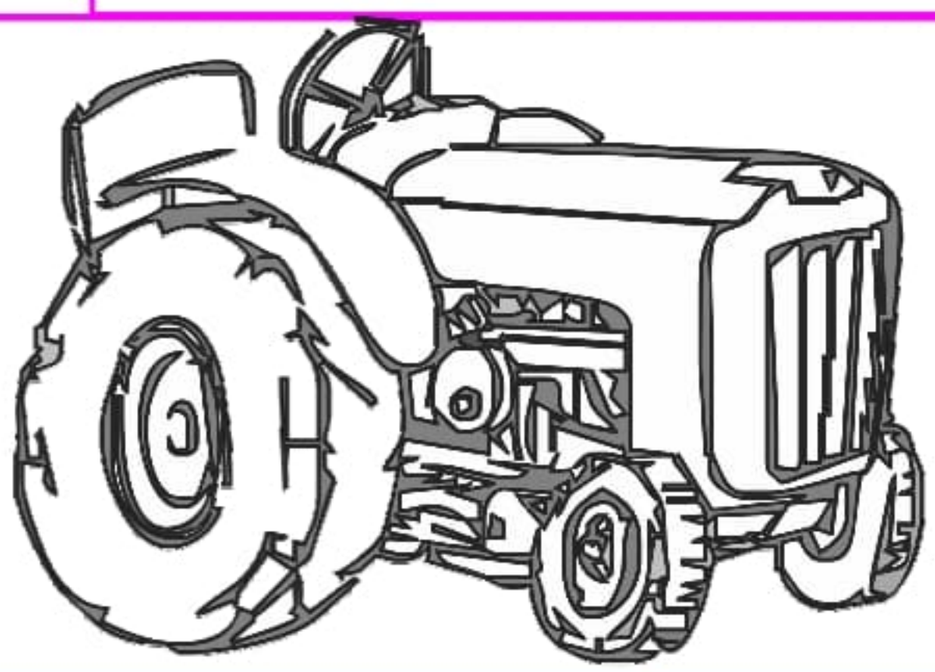
शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को फसल बोने संबंधी सामग्रियों, जैसे– खुरपी, हँसुआ, ट्रैक्टर, हल तथा कुदाल आदि के बारे में बताएँ।

नीचे दिए गए वस्तुओं के उपयोग के बारे में एक–एक वाक्य लिखिए–

रंग भरिए–



दिनांक

किसान, भालू और आलू

दिवस- 72

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से आलू के रंग–रूप, स्वाद, उपयोग एवं उसकी फसल आदि के बारे में बातचीत करें तथा एक–एक वाक्य बोलने को कहें।

आलू के बारे में लिखकर बताइए–

(क) आलू कहाँ और कैसे उपजता है?

(ख) आलू से क्या–क्या बनता है?

(ग) आपको आलू खाने में कैसा लगता है?

(घ) आलू का आकार कैसा होता है?

(ड) आलू का रंग कैसा होता है?

एक आलू का चित्र बनाइए–

दिनांक

किसान, भालू और आलू

दिवस- 73

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से भालू के रंग–रूप, भोजन एवं आवास के बारे में बातचीत करें तथा एक–एक वाक्य बोलने को कहें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) भालू कहाँ रहता है?

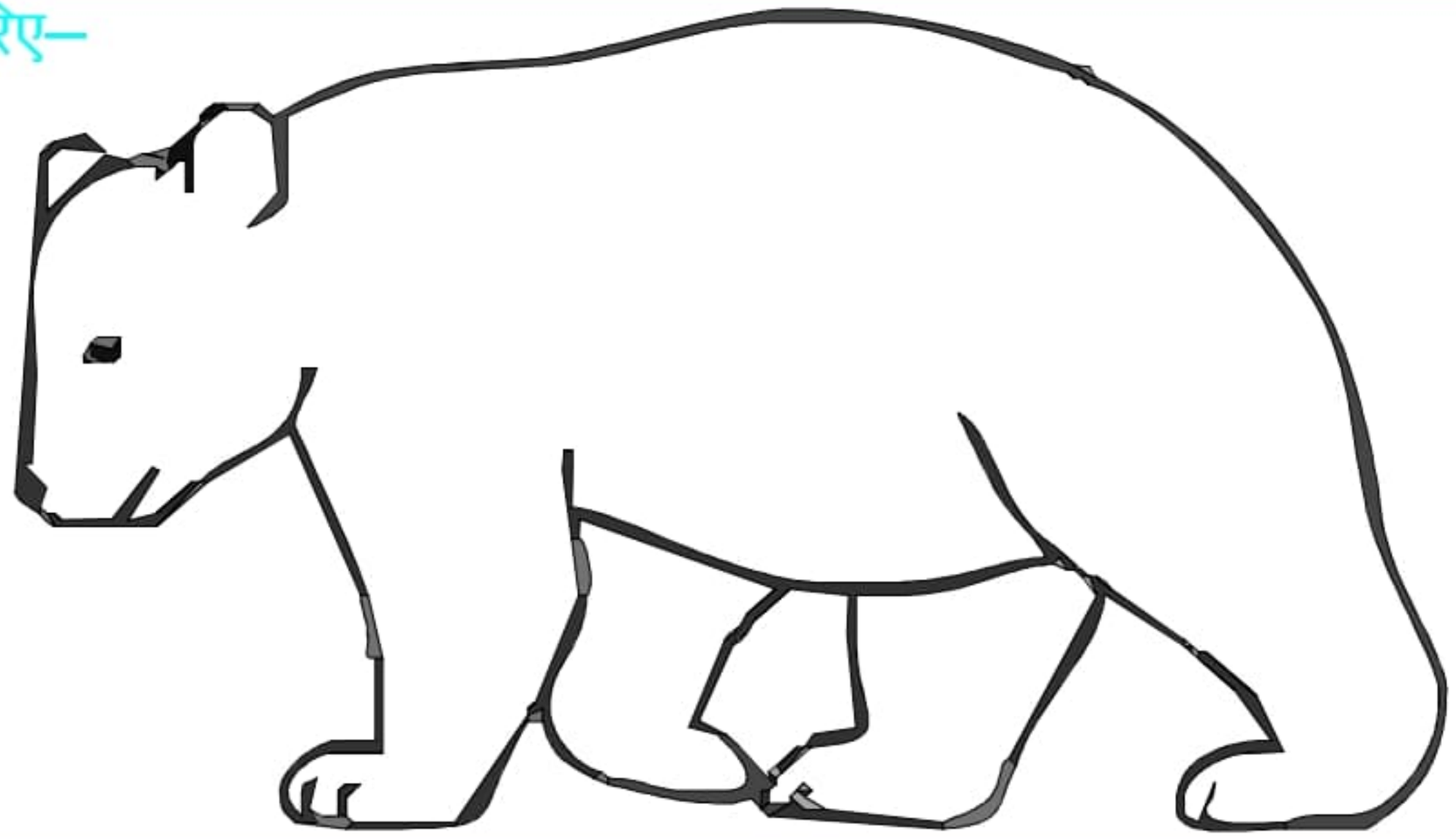
(ख) भालू क्या–क्या खाता है?

(ग) भालू देखने में आपको कैसा लगता है?

(घ) भालू के कितने पैर होते हैं?

(ङ) भालू की पूँछ कैसी होती है?

रंग भरिए–



दिनांक

किसान, भालू और आलू

दिवस- 74

शिक्षण–निर्देश :

किसान, भालू और आलू' की पूरी कहानी का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्त्तन करवाएँ तथा जंगली और पालतू जानवरों के बारे में बातचीत करें।

भालू जंगल में रहता है। भालू एक जंगली जानवर है। ऐसे छह जंगली जानवरों के नाम लिखिए–

गाय को हमलोग पालते हैं। गाय एक पालतू जानवर है। ऐसे छह पालतू जानवरों के नाम लिखिए–

अपने मनपसंद जानवर का चित्र बनाइए–

दिनांक

किसान, भालू और आलू

दिवस- 75

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'किसान, भालू और आलू' की पूरी कहानी का पठन करवाएँ तथा किसान जो फ़सल उगाते हैं, उन फ़सल के बारे में विद्यार्थियों से बातचीत करें।

किसान क्या–क्या उपजाते हैं, उनपर घेरा (◯) लगाइए–

टॉफी	गेहूँ	अंगूर
बिस्कुट	धान	जलेबी
मूँगफली	आइसक्रीम	अरहर
आलू	पावरोटी	मिश्रीकन्द

दिए गए शब्दों से मिलते–जुलते (समान ध्वनि वाले) शब्द लिखिए–

अंगूर		आलू	
धान		चना	
खीरा		मटर	

एक बैगन का चित्र बनाइए–

दिनांक

किसान, भालू और आलू

दिवस- 76

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से भालू की अन्य कहानियाँ सुनें तथा अन्य कहानियाँ भी सुनाएँ तथा सब्जी के प्रकार, उसका रंग, उसके फायदे आदि पर बच्चों से बातचीत करें।

आलू एक सब्जी है, ऐसे छः सब्जियों के नाम लिखिए–

आम एक फल है, ऐसे छः फलों के नाम लिखिए–

अपने मनपसंद फल या सब्जी का चित्र बनाइए–

दिनांक

किसान, भालू और आलू

दिवस- 77

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से उनके पसंद की कोई कहानी सुनें तथा गाँव के खेत और मिट्टी से जुड़ी बातों पर चर्चा करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) किसान का खेत कहाँ था?

(ख) किसान ने खेत में पहली बार क्या बोया?

(ग) किसान के पास कौन–सा जानवर आया?

(घ) भालू ने किसान से फसल लगाने के बदले में क्या माँगा?

(ङ) पहली बार भालू को फसल का कौन–सा हिस्सा मिलना था?

रंग भरिए–



दिनांक

किसान, भालू और आलू

दिवस- 78

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को उनके पसंद की कोई एक कहानी सुनाने तथा अपनी कॉपी में लिखने के लिए कहें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) फसल आने पर भालू को हिस्से में क्या मिला?

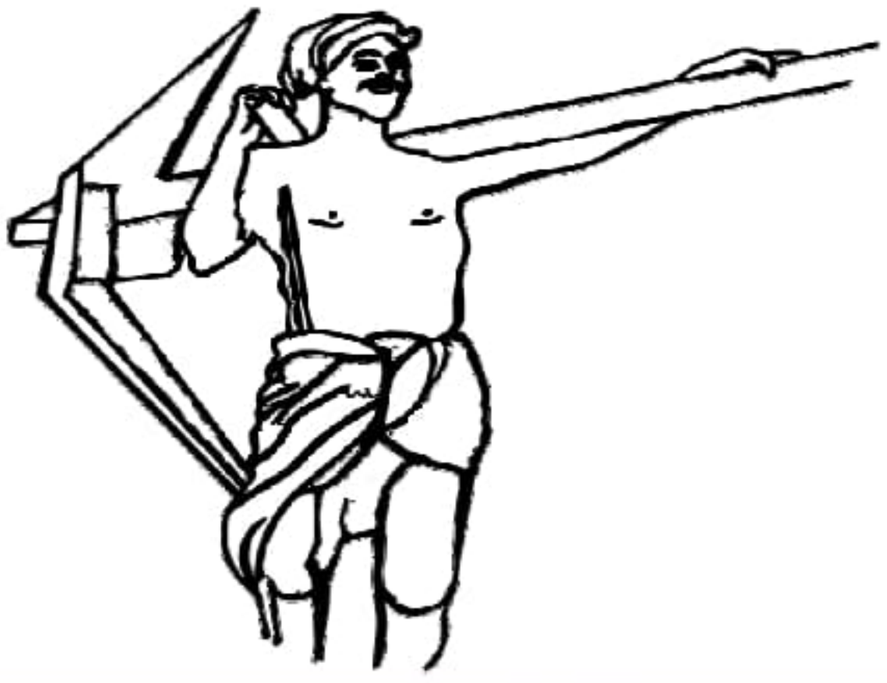
(ख) फसल आने पर किसान को हिस्से में क्या मिला?

(ग) भालू को गुस्सा क्यों आया?

(घ) अगली बार भालू ने किसान से फसल का कौन–सा हिस्सा माँगा?

(ङ) अगली बार किसान ने आलू के बदले गेहूँ बोया, क्यों?

रंग भरिए–



दिनांक

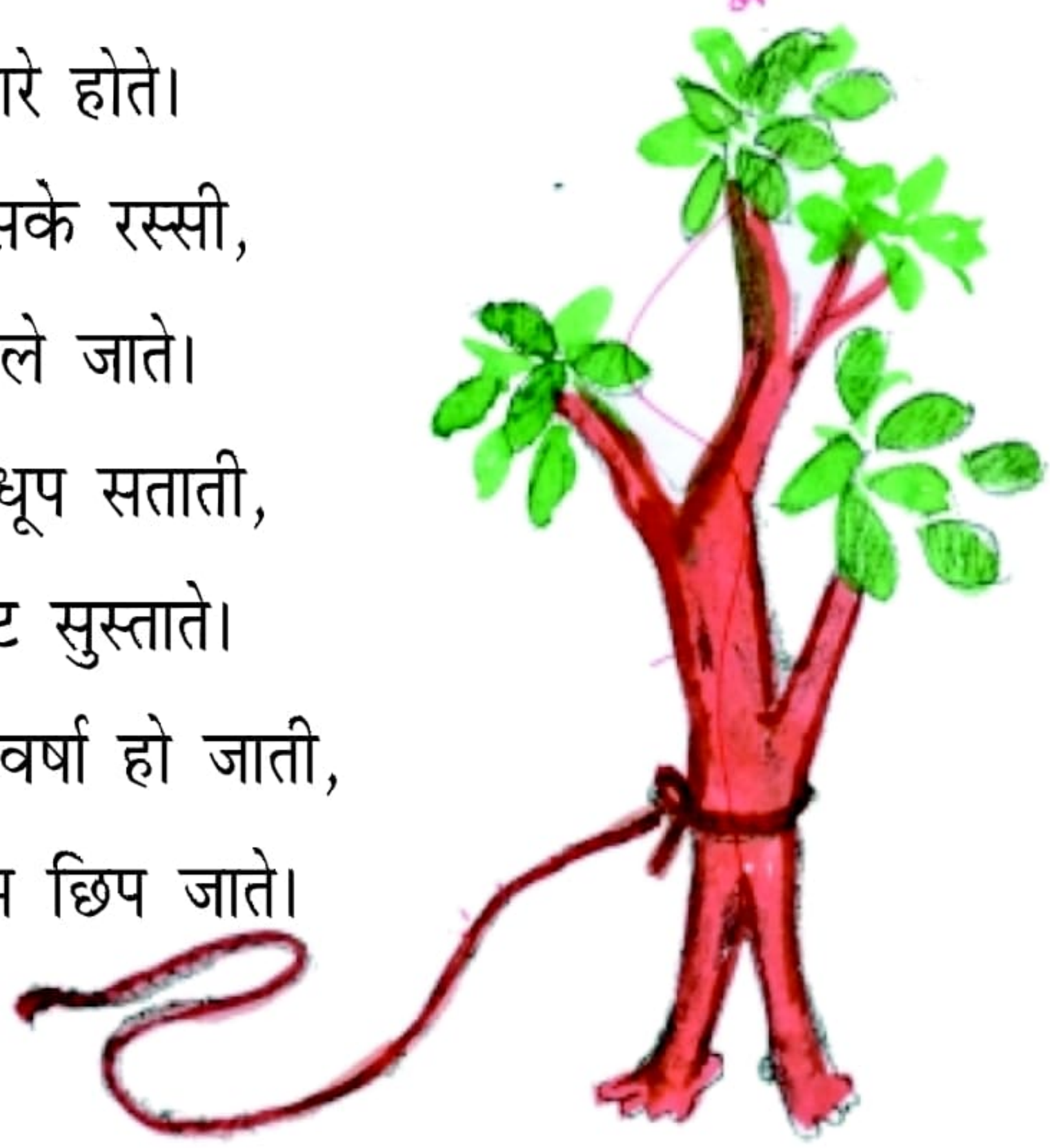
अगर पेड़ भी चलते होते

दिवस –79

शिक्षण–निर्देश :

'अगर पेड़ भी चलते होते' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विद्यार्थियों से बातचीत करें।

अगर पेड़ भी चलते होते,
कितने मज़े हमारे होते।
बाँध तने में उसके रस्सी,
जहाँ कहीं भी ले जाते।
अगर कहीं पे धूप सताती,
उसके नीचे झट सुस्ताते।
जहाँ कहीं भी वर्षा हो जाती,
उसके नीचे हम छिप जाते।



भूख सताती अगर अचानक,
तोड़ मधुर फल उसके खाते।
आती कीचड़ बाढ़ कहीं तो,
ऊपर उसके झट चढ़ जाते।

दिनांक

अगर पेड़ भी चलते होते

दिवस- 80

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'चलना' शब्द के विविध अर्थ तथा प्रयोग के बारे में बताएँ, जैसे– काम चलाना, राह चलना, चाल चलना, पंखा चलना, बिजली का चले जाना आदि। साथ ही साथ कविता में आने वाले शब्दों से एक–एक वाक्य बनवाएँ।

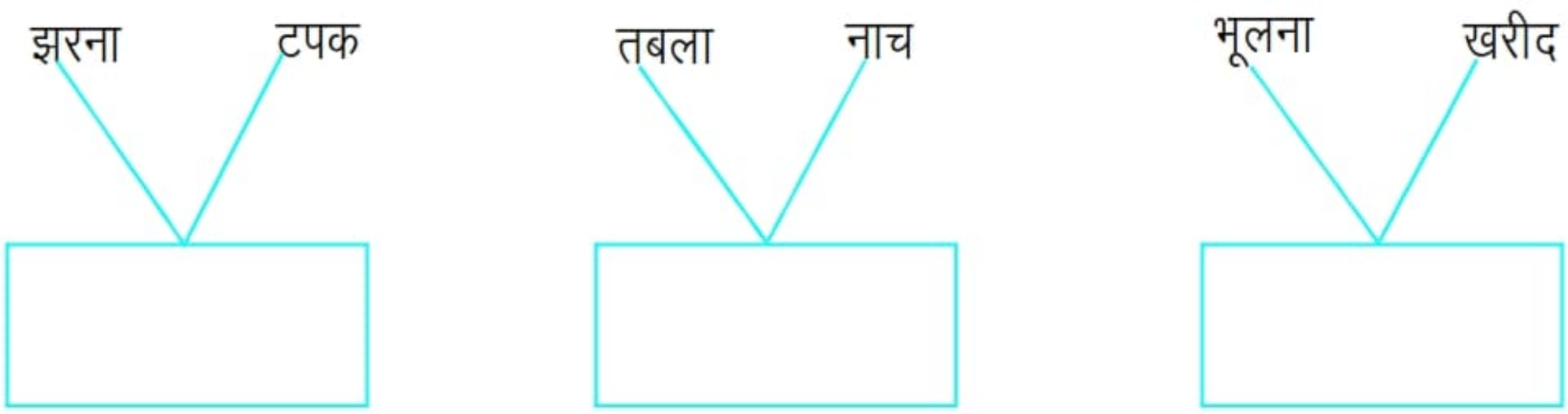
प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

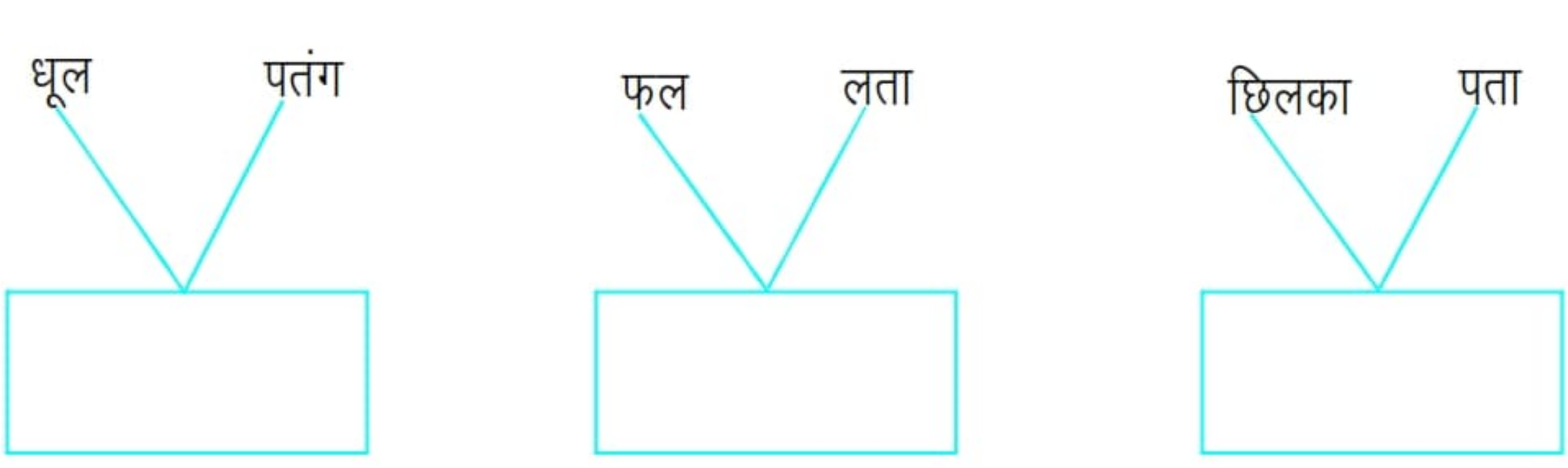
(क) आप धूप से बचने के लिए क्या–क्या करते हैं?

(ख) आपको किन–किन कामों को करने में मज़ा आता है?

(ग) छुप्पा–छुप्पी खेल में आप कहाँ–कहाँ छिप सकते हैं?

शब्द बनाइए–





दिनांक

अगर पेड़ भी चलते होते

दिवस- 81

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा पूरी कक्षा को दो समूहों में बाँटकर 'अगर' और 'कहीं' शब्द से वाक्य बनवाएँ।

अगर पेड़ चलते तो आप क्या करते–

(क) उसके तने में रस्सी बाँधकर–

(ख) धूप सताने पर–

(ग) भूख सताने पर–

(घ) बाढ़ आने पर–

अगर पेड़ चलते होते तो क्या–क्या हो सकता है (✓) का निशान लगाइए–

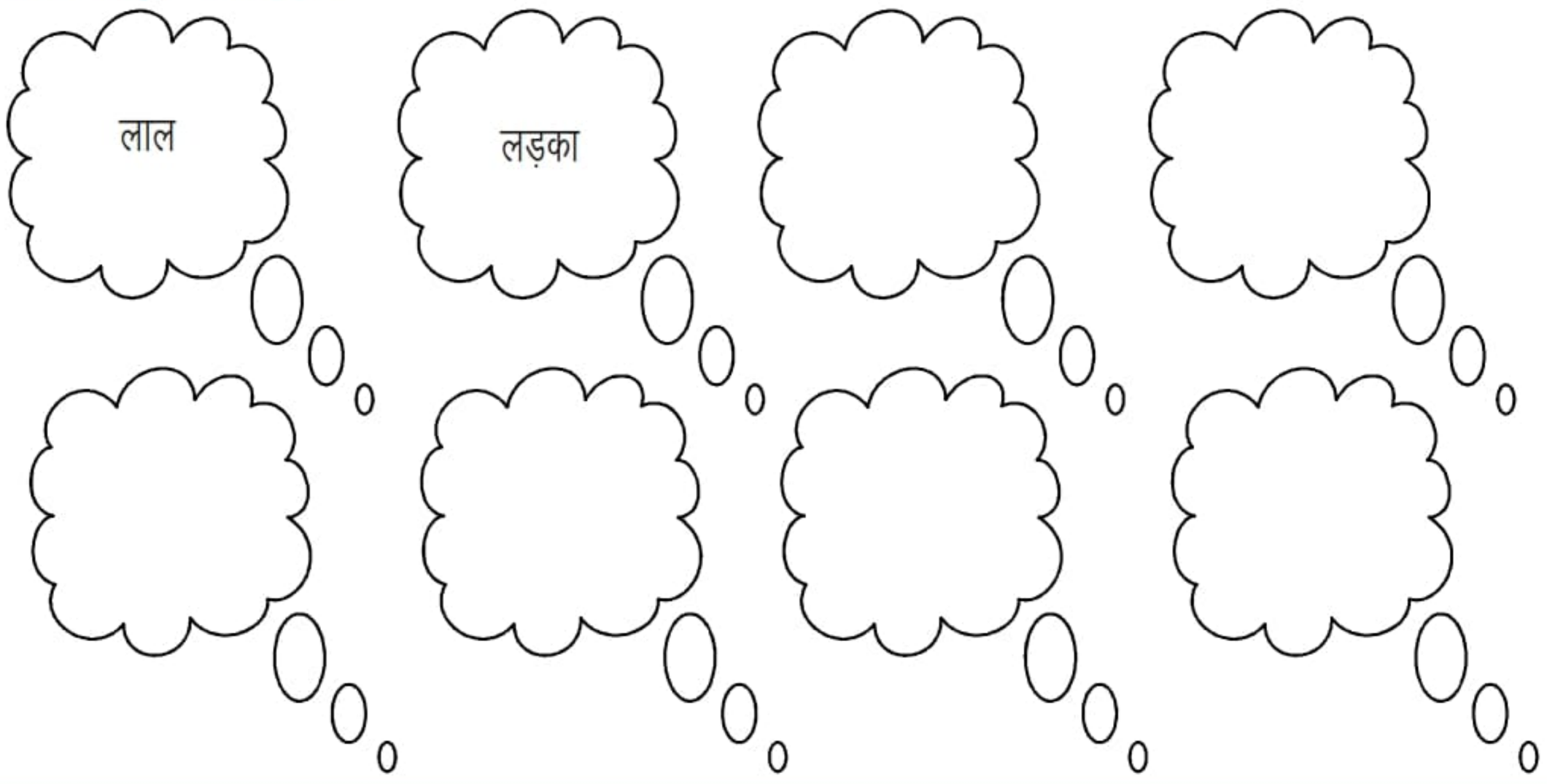
(क) जंगल के सारे पेड़ गायब हो जाते

(ख) चिड़ियाँ अपना घोंसला ढूँढ़ती रहती

(ग) हम पेड़ पर बैठकर सैर करते

(घ) लोग फलवाले पेड़ अपने घर ले आते

शब्द लड़ी बनाइए–



दिनांक

अगर पेड़ भी चलते होते

दिवस- 82

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा चलना, नीचे, चढ़ना, मधुर आदि शब्दों की सहायता से विद्यार्थियों को विलोम शब्द की समझ दें।

नीचे दिए गए वाक्यों में मोटे अक्षरों में लिखिए शब्दों को उसके समान लय वाले शब्दों से बदलिए और वाक्य दुबारा लिखिए–

(क) अगर **पेड़** भी चलते होते

(ख) जहाँ कहीं भी **वर्षा** हो जाती

(ग) तोड़ **मधुर** फल उसके खाते

(घ) बाँध तने में उसके **रस्सी**

रेखा खींचकर मिलान कीजिए–

(क) छाता	(च) जंगल
(ख) पेड़	(छ) मीठा
(ग) फल	(ज) बाँधना
(घ) रस्सी	(झ) वर्षा

किन्हीं पाँच फूलों के चित्र नीचे चिपकाइए तथा उसके नाम लिखिए–

दिनांक

अगर पेड़ भी चलते होते

दिवस- 83

शिक्षण–निर्देश :

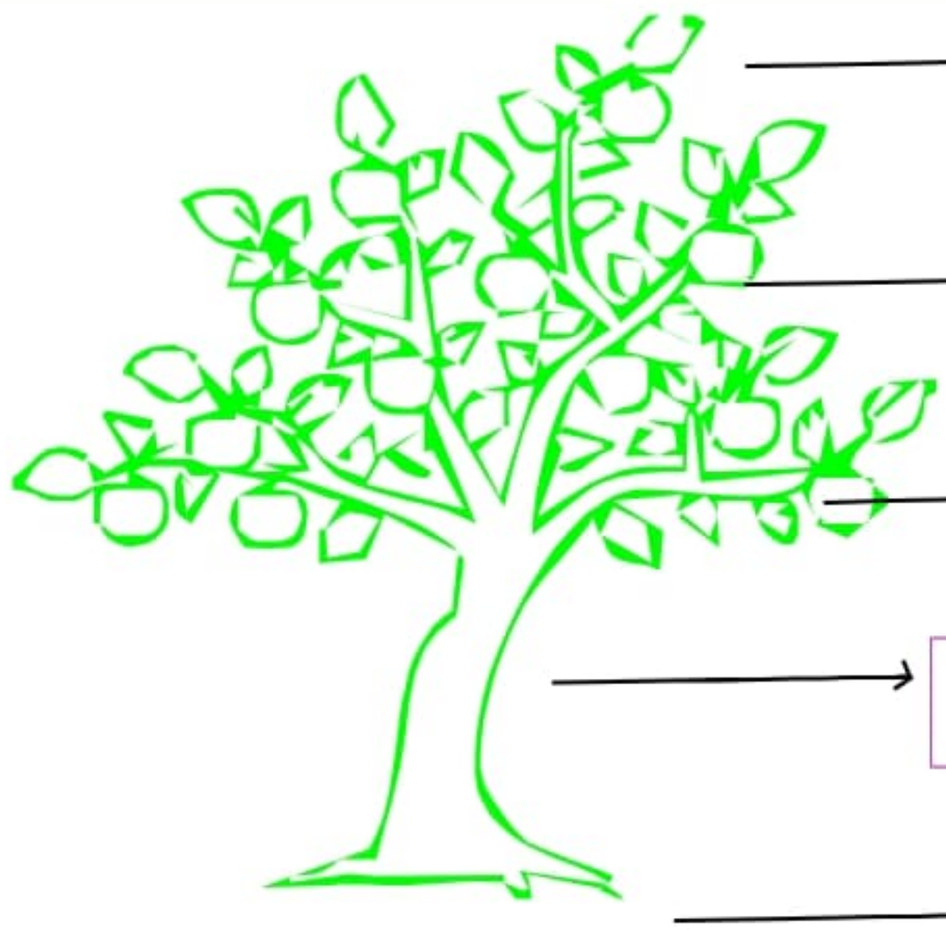
पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा भालू के रंग–रूप, भोजन तथा उसके आवास से संबंधित महत्त्वपूर्ण बातों की चर्चा करें।

अपने आस–पास नजर आने वाले पेड़ों के नाम लिखिए–

आप पेड़ का किस–किस रूप में उपयोग करते हैं?(✓) का निशान लगाइए–



पेड़ के भागों के नाम लिखिए और रंग भरिए–



दिनांक

अगर पेड़ भी चलते होते

दिवस- 84

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा फलों के प्रकार, स्वाद, रंग, लाभ आदि पर बातचीत करें।

अपने आस–पास नजर आने वाले फूलों के नाम लिखिए–

कविता में कई काम वाले शब्द आए हैं, जैसे– चलते, खाते, चढ़ते आदि। तस्वीरों को देखकर काम वाले शब्द लिखिए–













ये कहाँ रहते हैं–

मछली – पानी में

घोड़ा –

गाय –

चिड़ियाँ –

चूहा –

शेर –

पेड़ का चित्र बनाइए–

दिनांक

हाँ जी हाँ, ना जी ना

दिवस- 85

शिक्षण–निर्देश :

'हाँ जी हाँ, ना जी ना' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विद्यार्थियों से बातचीत करें।



तुम खाना खाते हो?
हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ
तुम खाना पकाते भी हो?
ना जी ना, ना जी ना
खाने की हाँ, पकाने की ना
ऐसे कैसे चले जहाँ?





तुम गंदा करते हो?
हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ
तुम सफ़ाई भी करते हो?
ना जी ना, ना जी ना
गंदे की हाँ, सफ़ाई की ना
ऐसे कैसे चले जहाँ?





तुम कपड़े पहनते हो?
हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ
तुम कपड़े धोते भी होगे?
ना जी ना, ना जी ना
कपड़ों की हाँ, धोने की ना
ऐसे कैसे चले जहाँ?



दिनांक

हाँ जी हाँ, ना जी ना

दिवस- 86

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन तथा कविता के शीर्षक पर बातचीत करें। उसके बाद आवश्यक क्रियाओं जैसे– गंदे कपड़े क्यों नहीं पहनना चाहिए, हाथ को क्यों साफ रखना चाहिए आदि के द्वारा सफ़ाई के महत्त्व को समझाएँ।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) आपके कपड़े कैसे गंदे हो जाते हैं?

(ख) आपके कपड़ों की सफ़ाई कौन करता है?

(ग) यदि आप गंदे कपड़े पहनेंगे तो क्या होगा?

(घ) आपके घर पर खाना कौन पकाता है?

(ङ) भोजन के पहले और बाद में तथा शौच के बाद हाथ धोना क्यों जरूरी है?

दिए गए कथनों के सामने अपनी रुचि से 'हाँ जी हाँ' या 'ना जी ना' लिखिए–

(क) मिठाई खाएँगे?

(ख) पढ़ने जाएँगे?

(ग) गाना गाएँगे?

(घ) रोज़ सबेरे उठेंगे?

(ङ) दोस्तों के संग खेलेंगे?

दिनांक | हाँ जी हाँ, ना जी ना | दिवस- 87

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा चंद्रबिन्दु वाले शब्दों के उदाहरण की सहायता से चंद्रबिन्दु की समझ दें।

नीचे दो-दो शब्द लिखें हैं। दोनों को बोलकर पढ़िए–
ऊट, ऊँट, हस, हँस

नीचे लिखे शब्दों पर जहाँ ठीक समझें (ँ) लगाइए–

(क) पूछ लम्बी थी।

(ख) कटोरी कासे की थी।

(ग) सास जोर–जोर से चल रही थी।

(घ) बास बहुत लंबा था।

(ङ) मुझे खासी आ रही है।

प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखिए–

(क) आपके घर की साफ़–सफ़ाई कौन करता है?		
(ख) आपके बाल कौन काटता है?		
(ग) बीमार होने पर आपका इलाज कौन करता है?		
(घ) आपके कपड़े कौन सिलता है?		

बोलकर पढ़िए और खाली खानों में लिखिए–

कपड़ा	सफ़ाई	जरूरी	मिठाई

दिनांक

हाँ जी हाँ, ना जी ना

दिवस- 88

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विभिन्न प्रकार के व्यवसाय, जैसे– शिक्षक, डॉक्टर आदि के बारे में बताएँ।

चित्र को देखकर उससे जुड़ी दो–तीन वाक्य लिखिए–









शब्द बनाइए–

क ली छि प	छिपकली	र त बु ज	
रि ना य ल		श र गो ख	
ह री गि ल		ई ल ह वा	

दिनांक

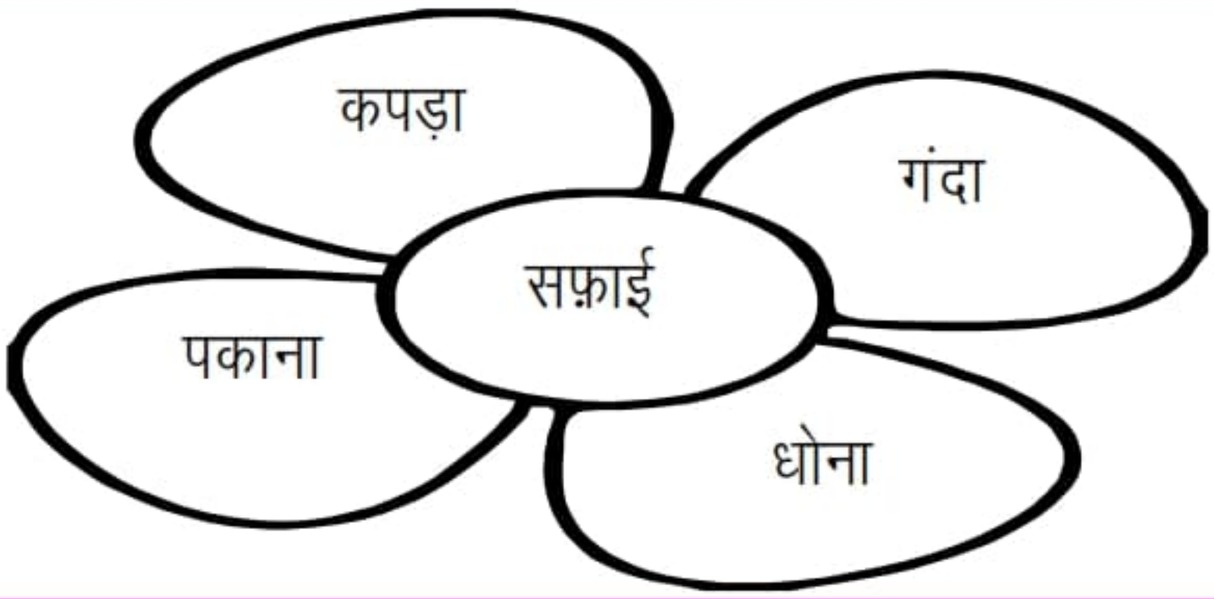
हाँ जी हाँ, ना जी ना

दिवस- 89

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा अभ्यास–पुस्तिका से अन्य उदाहरणों द्वारा वचन की समझ दें।

चित्र में आए शब्दों से वाक्य बनाइए–



कपड़ा–

सफ़ाई–

पकाना–

धोना –

गंदा–

सही कथन पर(√) का एवं गलत कथन पर (X) का निशान लगाइए–

(क) तुम खाना खाते हो? ना जी ना, ना जी ना ☐

(ख) तुम गंदा करते हो? ना जी ना, ना जी ना ☐

(ग) तुम सफ़ाई करते हो? हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ ☐

(घ) तुम कपड़े पहनते हो? हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ ☐

(ङ) तुम खाना पकाते हो? ना जी ना, ना जी ना ☐

बहुवचन लिखिए–

लड़का	लड़के	बकरी	बकरियाँ
कपड़ा		कहानी	
पौधा		नदी	

दिनांक | हाँ जी हाँ, ना जी ना | दिवस- 90

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा शब्दों को सही क्रम में सजाकर वाक्य बनाने की समझ दें।

शब्दकोश की मदद से वाक्य पूरा कीजिए–

भारत, पूरब, तबला, बिल, अखबार, जंगल, तारे, पटना, राष्ट्रपिता, इंडियागेट

(क) शेर ..... का राजा है।

(ख) साँप ..... रहता है।

(ग) सूरज ..... दिशा में निकलता है।

(घ) राधा ..... बजा रही है।

(ङ) दादाजी ..... पढ़ रहे हैं।

(च) गाँधीजी भारत के ..... हैं।

(छ) आकाश में ..... चमकते हैं।

(ज) ..... दिल्ली में है।

(झ) बिहार की राजधानी ..... है।

(ञ) दिल्ली ..... की राजधानी है।

शब्दों को सही क्रम में सजाकर वाक्य बनाइए और लिखिए–

(क) दोस्त मेरा है यह

(ख) राजा है का फलों आम

(ग) है में लालकिला दिल्ली

(घ) जल है मछली की रानी

(ङ) टिक–टिक है करती घड़ी

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस- 91

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को प्रश्नोत्तरी द्वारा 'किसान, भालू और आलू' की पूरी कहानी पूछें।

किसान, भालू और आलू की कहानी को अपने शब्दों में लिखिए–



दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस- 92

शिक्षण–निर्देश :

'अगर पेड़ भी चलते होते' की पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा पूरी कविता का अर्थ पूछें।

सही शब्दों से कविता पूरा कीजिए–

रस्सी	भूख	चढ़	पेड़	तने

धूप	सुस्ताते	कीचड़	छिप	वर्षा	मज़े

अगर ..... **पेड़** ..... भी चलते होते,

कितने ..... हमारे होते।

बाँध ..... में उसके .....

जहाँ कहीं भी ले जाते।

अगर कहीं पे ..... सताती,

उसके नीचे झट ..... ।

जहाँ कहीं भी ..... हौं जाती,

उसके नीचे हम ..... जाते।

..... सताती अगर अचानक,

तोड़ मधुर फल उसके खाते।

आती ..... बाढ़ कहीं तो,

ऊपर उसके झट ..... जाते।



दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस- 93

शिक्षण–निर्देश :

'हाँ जी हाँ, ना जी ना' की पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन तथा पठन करवाएँ तथा पूरी कविता का अर्थ पूछें।

सही शब्दों से कविता पूरी कीजिए–

तुम ..... खाते हो?

हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ

तुम खाना ..... भी हो?

ना जी ना, ना जी ना

खाने की ..... , पकाने की .....

ऐसे कैसे चले ..... ?

तुम ..... करते हो?

हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ

तुम ..... भी करते हो?

ना जी ना, ना जी ना

..... की हाँ, ... की ना

ऐसे ..... चले जहाँ?

तुम ..... पहनते हो?

हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ

तुम कपड़े ..... भी होगे?

ना जी ना, ना जी ना

..... की हाँ, धोने की ना

ऐसे कैसे ..... जहाँ?

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस- 94

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को अपने पसंद की कोई कविता/कहानी सुनाने को कहें।

शब्द से वाक्य बनाइए–

प्यास	कौए को प्यास लगी थी।
रोटी	
नानी	
माली	
फुटबॉल	

विलोम शब्द लिखिए–

सुंदर		पास	
बहुत		गंदा	

अपने पसंद का चित्र बनाइए–

दिनांक | पुनरावर्तन | दिवस–95

शिक्षण–निर्देश :

शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों से उनकी पसंद की कोई कविता सुनें तथा चिद्यार्थियों से संयुक्ताक्षर (क्ष, त्र, ज्ञ, श्र) वाले शब्दों को बोलने को कहें।

दिए गए शब्दों में 'र' के प्रयोग के अनुसार अन्य शब्द बॉक्स में से ढूँढ़कर लिखिए –

(क) कर्म – ....

(ख) क्रम – ....

(ग) गृह – ....

(घ) ट्रक – ....

ड्रम,	पृथ्वी,	ट्रैक्टर,	पर्व
प्रश्न,	भ्रम,	सूर्य,	कृष्ण
ट्रेन,	वर्ष,	ग्रह,	वृक्ष

मिलान कीजिए –

(क) श् + र् + अ + म् + अ	(क) ज्ञान
(ख) ज् + ञ् + आ + न् + अ	(ख) श्रम
(ग) क् +ष् + अ + त् + र् + इ + य् + अ	(ग) पत्र
(घ) प् + अ + त् +र + अ	(घ) क्षत्रिय

ऐसे शब्द लिखिए जिसमें ये वर्ण आते हैं –

(1) क्ष –	पक्ष		
(2) त्र –	छात्र		
(3) ज्ञ –	ज्ञान		
(4) श्र–	श्रम		

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस–96

शिक्षण–निर्देश :

शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों से उनकी पसंद की कोई कहानी सुनें तथा अबतक अभ्यास–पुस्तिका में आए चित्र से वाक्य बनवाएँ।

दिए गए वाक्य को पढ़िए तथा उनके उत्तर बॉक्स में लिखिए –

(क) 'प्यासा कौआ' कहानी में कौआ ने घड़े में क्या डाला?

(ख) 'दो बकरियाँ' कहानी में बकरियों का रंग कैसा था?

(ग) 'भालू ने खेली फुटबॉल' कहानी में भालू ने किस जानवर को फुटबॉल समझा?

(घ) 'किसान, भालू और आलू' कहानी में किसान खेत में पहले किस फसल को बोने गया?

(ङ) 'कौआ और लोमड़ी' चित्रकथा में कौआ के मुँह में क्या था ?

चित्र को सही वाक्य से मिलाइए–



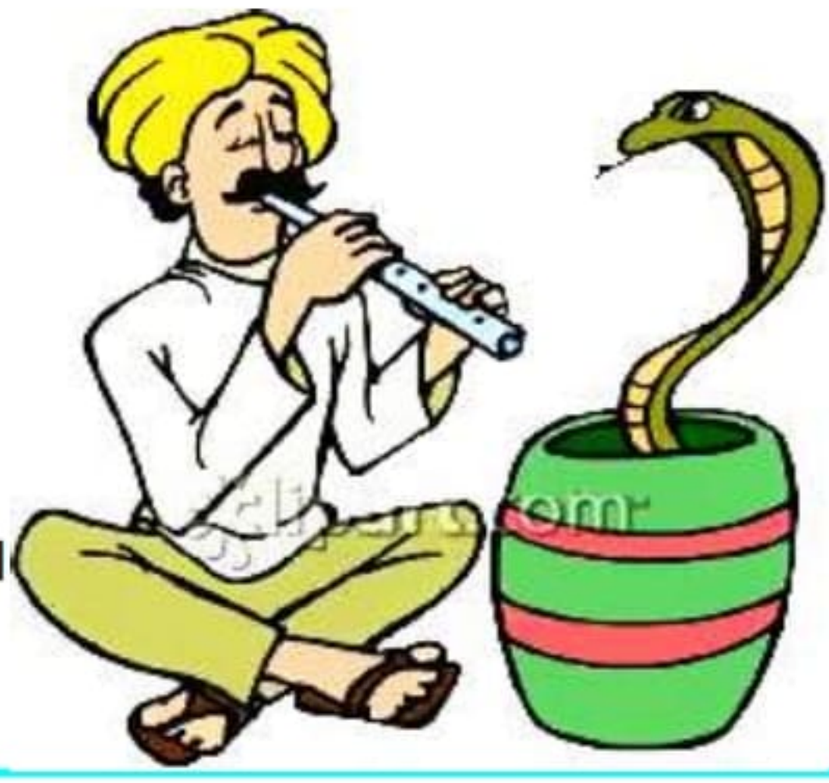
सपेरा बीन बजा।

बंदर नाच दिखा।



दर्जी कपड़े सिल।

राजू खिलौना खेल।



दिनांक

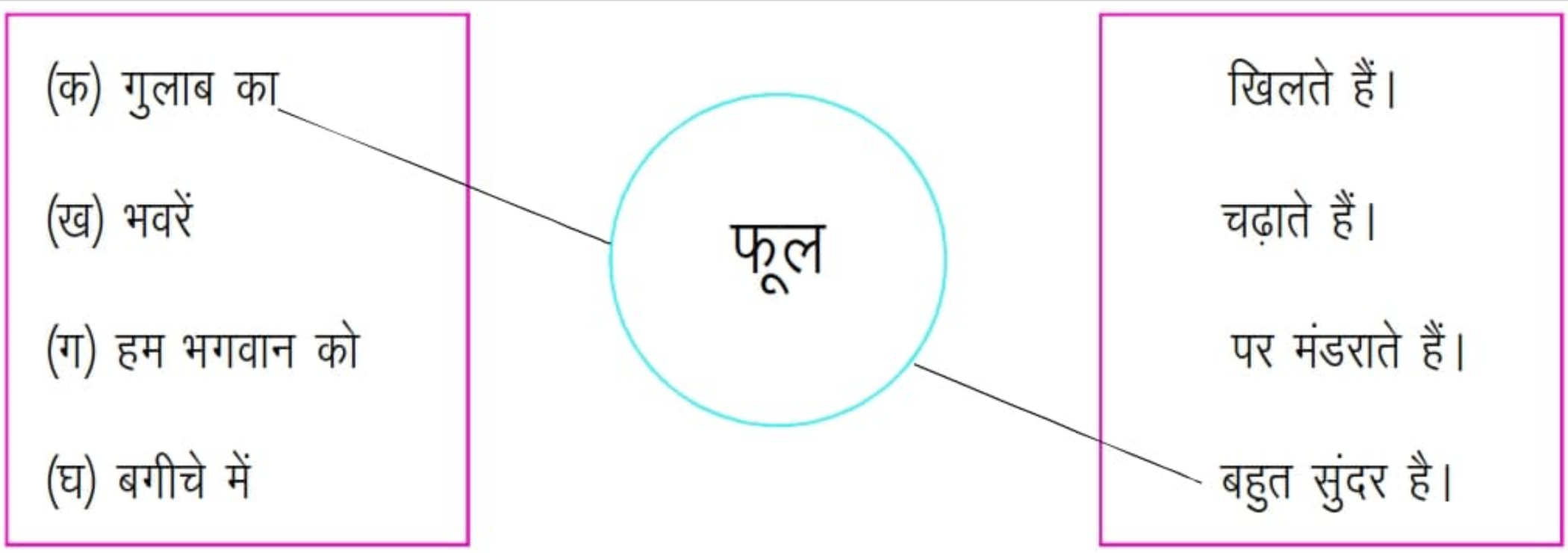
पुनरावर्तन

दिवस–97

शिक्षण–निर्देश :

शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को पाठ के अलावा कोई अन्य कहानी सुनाएँ जो रोमांचक हो तथा विद्यार्थियों को वाक्यों की सहायता से वचन की समझ दें।

टेबल की सहायता से वाक्य बनाइए–



(क)

(ख)

(ग)

(घ)

दिए गए वाक्य को बहुवचन के अनुसार लिखिए –

यह <u>किताब</u> है।	ये <u>किताबें</u> हैं।
यह रोहू <u>मछली</u> है।	
यह <u>पौधा</u> है।	
यह <u>लड़की</u> है।	

दिनांक

पुनरावर्तन

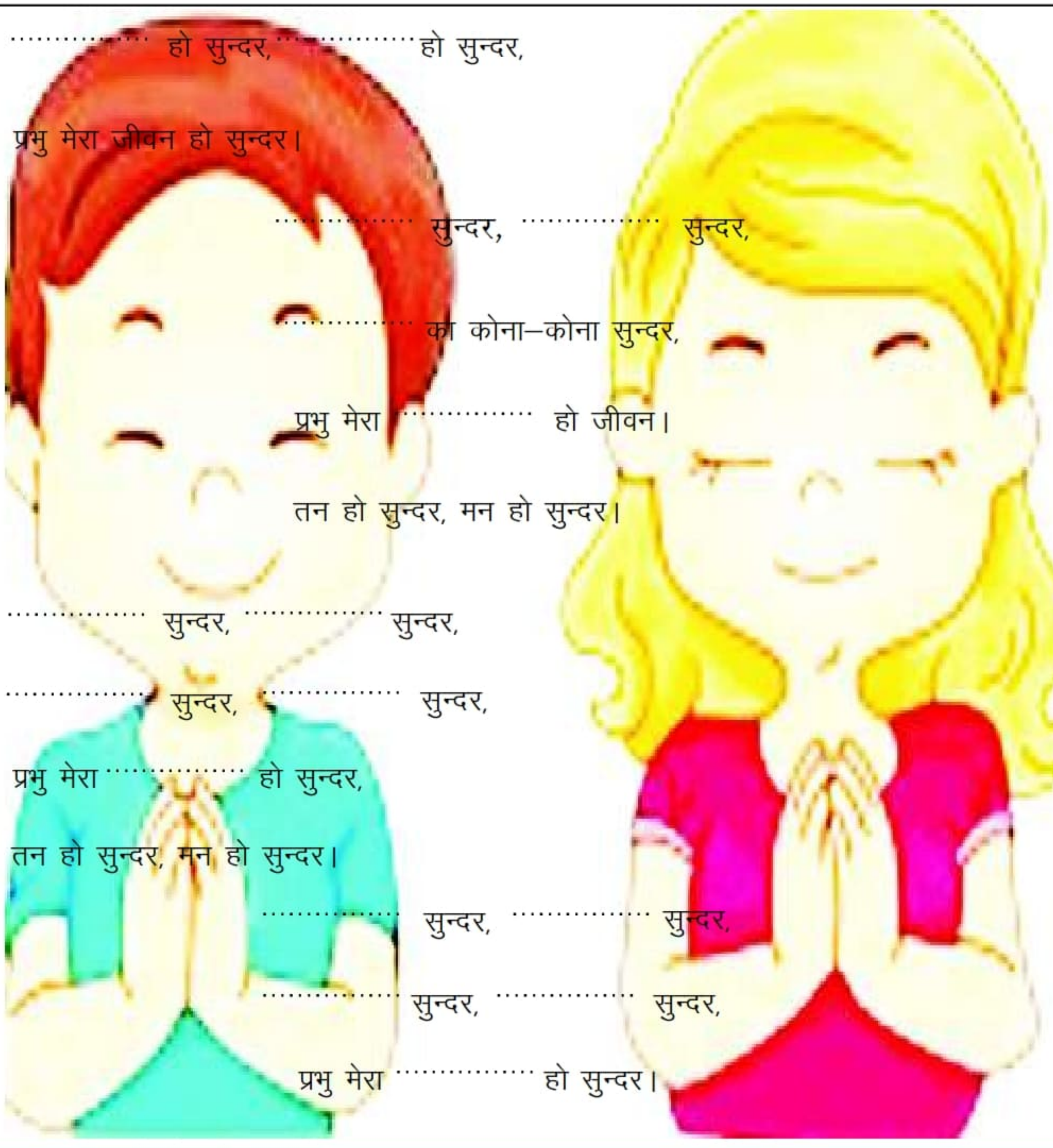
दिवस–98

शिक्षण–निर्देश :

शिक्षक/शिक्षिका 'प्रभु मेरा जीवन हो सुंदर' कविता को बारी–बारी से विद्यार्थियों से गायन करवाएँ तथा कविता के अर्थ की समझ दें।

सही शब्दों से 'प्रभु मेरा जीवन हो सुंदर' कविता को पूरा कीजिए–

तन, कपड़े, घर, मन, खाना, जागना, आँगन, गाना, सोना, बचपन, समझूँ, सुंदर, चिंतन, लिखना, वाणी, पढ़ना



..... हो सुन्दर, ... हो सुन्दर,

प्रभु मेरा जीवन हो सुन्दर।

..... सुन्दर, ... सुन्दर,

..... का कोना–कोना सुन्दर,

प्रभु मेरा ..... हो जीवन।

तन हो सुन्दर, मन हो सुन्दर।

..... सुन्दर, ... सुन्दर,

..... सुन्दर, ... सुन्दर,

प्रभु मेरा ..... हो सुन्दर,

तन हो सुन्दर, मन हो सुन्दर।

..... सुन्दर, ... सुन्दर,

..... सुन्दर, ... सुन्दर,

प्रभु मेरा ..... हो सुन्दर।

दिनांक

कितने कौए

दिवस : 99

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को हाव–भाव के साथ कहानी सुनाएँ एवं विद्यार्थियों को कहानी सुनाने का अवसर दें। साथ ही साथ कहानी के आधार पर बातचीत करें।

एक बार अकबर अपने बगीचे में टहल रहे थे। एक कौआ उनके सिर पर मँडराने लगा। उन्होंने कौए को हाथ से उड़ा दिया।

दो कदम चले कि कौआ फिर आ गया। उसने अकबर को चोंच मारी। अकबर को बहुत गुस्सा आया। वे बगीचे से लौट आए।

दूसरे दिन दरबार लगा। अकबर ने प्रश्न किया– "हमारी राजधानी में कितने कौए होंगे?"

सभी मंत्री, राजदरबारी और कर्मचारी दंग रह गए! भला, यह कैसा प्रश्न है! सब चुप!

अकबर फिर बोले – "मुझे अपने प्रश्न का तुरंत उत्तर चाहिए। बीरबल, तुम भी चुप बैठे हो?"



दिनांक

कितने कौए

दिवस : 99



बीरबल ने कहा– ''ठीक है हुजूर, इस काम को पूरा करने के लिए मुझे एक हज़ार अशर्फियाँ चाहिए।''

बीरबल एक हज़ार अशर्फियों की थैली लेकर घर चले गए। सप्ताह भर आराम करते रहे।

बीरबल ठीक सात दिन बाद दरबार में दाखिल हुए।

अकबर ने पूछा – ''कुछ मालूम हुआ?''

बीरबल ने उत्तर दिया– ''जी हुजूर! आपके यहाँ नौ सौ बहत्तर कौए हैं।'' राजसभा में सब दंग रह गए। कैसे गिना कौओं को!

अकबर बोल उठे – ''अधिक या कम हुए तो..... ?''

बीरबल अकबर की आँखों में झाँककर बोले– हुजूर। अधिक हुए तो दूसरे शहरों से कौओं के घर मेहमान आए होंगे। कम हुए तो हमारे शहर के कौए दूसरे शहर घूमने गए होंगे।''

अकबर का मुँह खुला रह गया।

सभी ठहाका मारकर हँस पड़े।

दिनांक

कितने कौए

दिवस–100

शिक्षण–निर्देश :

शिक्षक / शिक्षिका विद्यार्थियों से कहानी के शीर्षक पर बातचीत के साथ पूरी कहानी को मौखिक रूप से सुनाएँ (अंत छोड़कर)। उसके बाद विद्यार्थियों से आकाश में उड़ने वाले पक्षियों तथा वस्तुओं पर बातचीत करें।

चित्र देखिए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए–



(क) चित्र में कौन–कौन दिखाई दे रहा है ?

(ख) कौआ कहाँ मँडरा रहा था ?

(ग) कौए ने अकबर को किससे मारा ?

चार पक्षियों के नाम लिखिए–

चित्र में दिखाई देने वाले पक्षी के बारे में लिखिए–



दिनांक

कितने कौए

दिवस–101

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को दो समूह में बाँटकर पहले समूह को शब्द तथा दूसरे समूह को उसका अर्थ बताने को कहें।

अक्षरों को सजाकर शब्द लिखें–

क , अ , र , ब	अकबर	ज , रा , नी , धा	
ब , र , बी , ल		द , बा , र , र	
क , चा , र्म , री		मँ , रा , ड , ना	

बॉक्स में से सही शब्द भरकर अनुच्छेद पूरा कीजिए–

अकबर, कौआ, बगीचे, उड़ा, हाथ, सिर, कदम, चोंच, गुस्सा, बगीचे

एक बार ..... अपने ..... में टहल रहें थे। एक ..... उनके .....

पर मँडराने लगा। उन्होने कौए को ..... से ..... दिया।

दो ..... चले कि कौआ फिर आ गया। उसने अकबर को ..... मारी। अकबर को

बहुत ..... आया। वे ..... से लौट आए।

नीचे दिए गए शब्दों को अपनी भाषा में लिखिए–

बगीचा		जवाब	
सिर		प्रश्न	

दिनांक

कितने कौए

दिवस–102

शिक्षण–निर्देश :

कहानी में आए राजदरबारी और राजधानी शब्दों की सहायता से 'राज' से बनने वाले अन्य शब्दों की समझ एवं पहचान करवाएँ।

नीचे दिए गए शब्दों का अर्थ लिखिए–

राजदरबार		मँडराना	
राजधानी		कर्मचारी	

नीचे दिए गए उल्टे अर्थ वाले शब्द की जोड़ी बनाइए और लिखिए–

प्रश्न, गलत, पुराना, सही, हँसना, नया, कम, मरना, उत्तर, ज्यादा, रोना, जीना

जैसे–

जीना — मरना

(क) ..... — .....

(ख) ..... — .....

(ग) ..... — .....

(घ) ..... — .....

(ङ) ..... — .....

चित्र देखिए, पहचानिए और उसमें दिखाई देने वाले का नाम लिखिए–



राजदरबार

दिनांक

कितने कौए

दिवस–103

शिक्षण–निर्देश :

कहानी के वाक्यों की सहायता से वाक्यों के सही क्रम की समझ दें **उदाहरण–** अभ्यास–पुस्तिका का अंतिम अभ्यास।

दिए गए शब्दों को उसके अर्थ के साथ मिलाइए–

मँडराना	हैरान होना
दंग रह जाना	सोने के सिक्के
मेहमान	आस–पास चक्कर काटना
अशर्फ़ियाँ	प्रवेश करना
दाखिल होना	अतिथि

दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) बगीचा –

(ख) कौआ –

(ग) चोंच –

शब्दों को सही क्रम में सजाकर वाक्य बनाइए और लिखिए–

(क) टहल बगीचे में अकबर रहे थे	अकबर बगीचे में टहल रहे थे।
(ख) सिर कौआ पर मँडराने लगा	
(ग) राजधानी भारत दिल्ली की है	
(घ) अकबर ने कौए को चोंच मारी	
(ङ) दरबार लगा दूसरे दिन	

दिनांक

कितने कौए

दिवस–104

शिक्षण–निर्देश :

कहानी के शब्दों की सहायता से 'वचन' की समझ तथा उनका वाक्यों में प्रयोग कर वाक्य की समझ दें।

दिए शब्दों के आगे चार–चार शब्द लिखें हैं इनमें से एक अलग है। उस शब्द को चुनकर गोल करके बाँक्स में लिखिए–

सप्ताह	– दिन, महीना, साल, (दीवार)	दीवार
पैसा	– रुपया , रस्सी, सिक्का, टका	
घर	– दरवाजा, खिड़की, बोतल, दीवार	
सूरज	– धरती, गरमी, पसीना, धूप	
कटोरी	– कड़ाही, तश्तरी, चूल्हा, गिलास	

देखिए, समझिए और मिलाइए–

अशर्फी	कौए	बगीचे में रंग–बिरंगी तितलियाँ हैं।
तितली	अशर्फियाँ	लकड़ियाँ सूखी हैं।
कौआ	तितलियाँ	चीटियाँ मिठाई खाती हैं।
चींटी	लकड़ियाँ	कौए ने अकबर को चोंच मारी।
लकड़ी	गाड़ियाँ	मुझे एक हजार अशर्फियाँ चाहिए।
गाड़ी	चीटियाँ	सड़क पर गाड़ियाँ दौड़ रही हैं।

दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) मंत्री –

(ख) दरबार –

दिनांक

कितने कौए

दिवस–105

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से कहानी के पूरे घटनाक्रम पर बातचीत करें।

खाली स्थानों को भरिए–

(क) अकबर ..... में टहल रहे थे। (घर, बगीचे)

(ख) कौए ने ..... को चोंच मारी। (अकबर, बीरबल)

(ग) हमारी राजधानी में कितने ..... होंगे। (कौए, तोते)

(घ) बीरबल ने कहा–"मुझे एक हजार ..... चाहिए। (हीरे, अशर्फियाँ)

(ङ) बीरबल ने कौओं की कुल संख्या ..... बताई। (नौ सौ बहत्तर, दो सौ बहत्तर)

कहानी के घटनाक्रम के अनुसार वाक्यों का क्रम लिखिए–

(क) अकबर ने बीरबल को कौओ की संख्या गिनने को कहा।	
(ख) अकबर के सिर पर कौआ मँडराने लगा।	
(ग) अकबर को बहुत गुस्सा आया।	
(घ) अकबर का मुँह खुला रह गया।	पाँचवाँ
(ङ) अकबर बगीचे में टहल रहे थे।	

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) अकबर ने अपने दरबारियों से क्या प्रश्न किया?

(ख) बीरबल ने अकबर से क्या माँगा?

(ग) बीरबल ने अकबर से कितने दिन का समय माँगा?

दिनांक

कितने कौए

दिवस–106

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कहानी का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्तन करवाएँ साथ ही साथ कहानी में आए संवाद पर बातचीत करें। **उदाहरण–** किसने कहा, क्यों कहा, कब कहा आदि।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) राजसभा के सभी मंत्री और दरबारी दंग रह गए क्योंकि ?

(ख) बीरबल ने कौओं की संख्या कितनी बताई ?

(ग) अगर आपको एक हजार अशर्फियाँ मिलें तो आप क्या करेंगे ?

किसने कहा ? किससे कहा ?

	किसने कहा ?	किससे कहा ?
(क) ऐसे प्रश्नों के उत्तर नहीं होते।	.....	.....
(ख) मैं तुम्हें यह काम सौप रहा हूँ।	.....	.....
(ग) "ठीक है हुजूर"।	.....	.....
(घ) "कुछ मालूम हुआ ?"।	.....	.....
(ङ) "जी हुजूर! आपके यहाँ नौ सौ बहत्तर कौए हैं।"		.....

राजमहल में 'राज' प्रारंभ में जुड़ा हुआ है, पाठ में से 'राज' लगे शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए–

दिनांक

कितने कौए

दिवस–107

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को अकबर–बीरबल की अन्य कहानी सुनाएँ तथा कहानी के पात्रों पर चर्चा करें।

नीचे दिए गए कथन के आगे सही (√) और गलत (X) का चिह्न लगाइए–

(क) अकबर अपने कमरे में टहल रहे थे। ☐

(ख) अकबर को कबूतर ने चोंच मारी। ☐

(ग) अकबर ने बीरबल से एक सप्ताह में जवाब माँगी। ☐

(घ) बीरबल ने अकबर से एक हज़ार अशर्फियाँ माँगी। ☐

(ङ) बीरबल के जवाब को सुनकर सब हँसने लगे। ☐

कहानी में आए शब्दों को घेरा (○) लगाइए–

राजदरबार , फुटबॉल , सुन्दर , वाणी , चोंच , बचपन , बकरी , घास , अशर्फ़ियाँ ,राजमुकुट

बादल , कीचड़ , राजसभा , भइया , भोर , कौआ , बच्चा , भालू , मेहमान , मंत्री , राजदरबारी

दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

राजधानी –

मंत्री –

मेहमान –

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवसः 108

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को हाव–भाव के साथ एकांकी की कहानी सुनाएँ एवं विद्यार्थियों को कहानी सुनाने का अवसर दें। साथ ही साथ एकांकी के आधार पर बातचीत करें।

प्रमुख पात्र –चूहा–1
अन्य पात्र–
अन्य चूहे
दर्जी
गोटेवाला
मोतीवाला



दृश्य–एक

(एक खाली कमरे में खूब सारे चूहे उछल रहे हैं। वहाँ उन्हें एक गठरी मिलती है। एक चूहा गठरी खोलता है। उसमें से लाल रंग का एक कपड़ा निकाल लेता है। कपड़े को देखकर वह बहुत खुश होता है ।)

चूहा – (कपड़ा दिखाते हुए) अहा! यह कपड़ा तो बहुत अच्छा है। मैं इसकी एक टोपी बनवाऊँगा।

"कपड़ा मैं ले जाऊँगा,
टोपी एक सिलाऊँगा।"

(चूहा कपड़ा लेकर बाजार जाता है। बाकी चूहे भी उसके पीछे–पीछे जाते हैं।)

दृश्य–दो

(बाज़ार में लोग तरह–तरह के सामान बेच रहे हैं।)

चूहा : दर्ज़ी भैया, दर्ज़ी भैया!
ज़रा मेरी टोपी तो सिल दो।



दर्ज़ी : (फटकार कर)
चल हट, मैं नहीं
टोपी सिलता। मुफ़्त
में काम कराने आ गया।

चूहा : देख, सिल दे मेरी
टोपी! नहीं तो.....

दर्ज़ी : (गुस्से में) नहीं तो क्या करेगा?

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवसः 108



चूहाः रात को आऊँगा,
अपनी फौज लाऊँगा,
कुतर–कुतरकर सारे कपड़े,
तुम्हें मज़ा चखाऊँगा।

दर्ज़ीः (डरकर) ला भाई, तेरी टोपी सिल देता हूँ। मेरे कपड़े मत कुतरना।

चूहाः (अपने आप से) अहा! टोपी पहनकर कितना मजा आएगा।

दर्ज़ीः चूहे भाई, यह लो, अपनी टोपी सिल गई।

चूहाः भई वाह! टोपी तो बहुत बढ़िया सिली है। इस टोपी में गोटा लगवा लूँ तो मेरी यह टोपी चमकने लगेगी।

; चूहा फुदकता हुआ गोटेवाले की दुकान पर जाता है

दृश्य–तीन

चूहा : गोटेवाले भैया, ज़रा मेरी टोपी में गोटा तो लगा दो।

गोटेवाला : जा, भाग यहाँ से।

चूहा : देख, लगा दे, नहीं तो.....

गोटेवाला : बोल, गोटा नहीं लगाउँगा तो क्या करेगा तू?

चूहा : रात को आऊँगा,
अपनी फौज लाऊँगा
कुतर–कुतरकर सारे गोटे
तुम्हें मजा चखाऊँगा।

गोटेवाला : (डरकर) अरे भैया चूहे, मेरा गोटा मत कुतरना। मैं तेरी टोपी में गोटा लगा दूँगा।

चूहा : (गोटेवाले को टोपी देकर इधर–उधर चक्कर लगाता है।)
चम–चम टोपी चमकेगी, मैं राजा बन जाउँगा, चूँ–चूँ मौज उड़ाऊँगा।

गोटेवाला : ले भाई चूहे, तेरी टोपी में गोटा लग गया।

चूहा : (शीशे में अपनी सूरत देखकर खुश होते हुए) अहा! टोपी तो बहुत चमक रही है। इसमें मोती भी लगवा लूँ, तब तो यह बिल्कुल राजमुकुट जैसी लगेगी।
(चूहा फुदकता हुआ मोतीवाले के पास पहुँचता है।)

दृश्य–चार

चूहा : मोतीवाले भैया, जरा मेरी टोपी में मोती तो लगा दे।

चूँ–चूँ की टोपी

मोतीवाला : ज़रा–सा चूहा। जा, भाग यहाँ से। क्या पैसे भी लाया है? बेकार हल्ला मचा रहा है।



चूहा : देख, लगा दे। नहीं तो....
रात को आऊँगा,
अपनी फौज लाऊँगा,
बीन–बीनकर तेरे मोती,
सारे मैं ले जाऊँगा।

मोतीवाला : (मोतीवाला डर जाता है।)
(अपने आप से) अरे, यह तो बड़ा खतरनाक चूहा है। अच्छा होगा कि इसकी टोपी में मोती लगा दूँ।
(मोतीवाला डर जाता है।)
(आवाज़ देकर) अरे भाई चूहे, जरा इधर आना। यह तो बताओ, तुम अपनी टोपी में मोती लगवाकर क्या करोगे?

चूहा : टोपी एक सिलाई है,
गोटा भी टँकवाया है,
मोती भी लगवाउँगा,
चम–चम टोपी पहन ठाठ से

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवसः 108

मैं राजा बन जाउँगा,
सब चूहों को लेकर संग मैं,
चूँ–चूँ मौज उड़ाउँगा।
(मोतीवाला खुश होकर चूहे की
टोपी में ढेर सारे मोती
लगा देता है।)



मोतीवाला : ले भाई चूहे, अपनी टोपी ले।
देख, मैंने कितने सारे मोती लगा दिए हैं।
(चूहा खुश होकर टोपी
ले लेता है।)

चूहा : इस टोपी को पहनकर
मैं बिल्कुल राजा
लग रहा हूँ।
(यह कहकर जंगल की
ओर चल पड़ता है।)





दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवसः 109

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से चूहे के रंग–रूप, भोजन, आवास तथा घर में क्या–क्या नुकसान करता है आदि बातों पर चर्चा करें। साथ ही साथ पूरी कक्षा को चार समूह में बाँटकर चूहे के बारे में दो–दो वाक्य बोलने को कहें।

चूहे की लंबी–सी पूँछ होती है और मूछें भी होती है। कुछ ऐसे जीव–जंतुओं के नाम बताइए जिनकी–

मूँछ होती है	पूँछ होती है	पूँछ और मूँछ होती है

चूहे के बारे में कुछ लिखिए–



चूँ–चूँ चूहे का चित्र बनाइए–

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–110

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से टोपी पहनने के फायदे, अलग–अलग प्रकार की टोपी आदि के बारे में चर्चा करें।
विद्यार्थियों से कागज से विभिन्न प्रकार के टोपी बनवाएँ।

इनमें से कौन–सी टोपी चूहे की है, पहचानकर सही (√) का निशान लगाइए–



प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) आप टोपी कब पहनते हैं और क्यों?

(ख) आप किन लोगों को प्रायः टोपी पहने देखते हैं?

(ग) टोपी पहनने से क्या–क्या फायदे हैं?

चित्र को उसके नाम के साथ मिलाइए–

नेता

पुलिस









कारखाना मजदूर

रसोइया

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–111

शिक्षण–निर्देश :
विद्यार्थियों से कपड़े के निर्माण, उपयोग, प्रकार आदि पर बातचीत करें।
विद्यार्थियों को चार समूह में बाँटें, उन्हें कपड़े से बनी ऐसी चीजों के नाम बताने को कहें जो पहनने के काम में नहीं आती है, साथ ही उसके बारे में दों–तीन वाक्य बताने को कहें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कपड़े से टोपी बनती है। कपड़े से और क्या–क्या पहनने वाली चीजें बनती है?

(ख) हमलोग प्रायः सिले हुए कपड़ों को पहनते हैं। बिना सिले हुए हमलोग क्या–क्या पहनते हैं?

(ग) कपड़े का हमलोग किस–किस रूप में प्रयोग करते हैं?

कब कैसे कपड़े पहनते हैं, मिलान कीजिए–

(क) जाड़ा	पतले कपड़े
	बरसाती
(ख) गर्मी	मोटे कपड़े
	सूती कपड़े
(ग) बरसात	ऊनी कपड़े





दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–112

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'दर्जी' के बारे में बात करें तथा उसके कार्य आदि बातों पर चर्चा करें।
विद्यार्थियों से सूई में धागा डालने का अभ्यास करवाएँ।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) दर्जी क्या करता है?

(ख) दर्जी कपड़े से क्या–क्या बनाता है?

(ग) दर्जी कपड़ा सिलने में किन–किन चीजों का उपयोग करता है?

इनमें से जिन्हें दर्जी बनाता है उनके नाम बॉक्स में लिखिए–

कोट	धोती	कमीज	स्वेटर	पायजामा
साड़ी	पैंट	गमछा	सलवार–कुरता	

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–113

शिक्षण–निर्देश :

विभिन्न प्रकार के पेशा करनेवालों पर बातचीत करें। (सब्जीवाला, फलवाला, अखबार, चाय, रद्दी, पानवाला आदि)
विद्यार्थियों का समूह बनाकर विभिन्न प्रकार के मोतियों एवं गोटे से पाठ्य–पुस्तक, नोटबुक आदि सजाने के लिए कहें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कपड़े में गोटे और मोती क्यों लगाया जाता है?

(ख) गोटा कैसे लगाया जाता है?

(ग) गोटे को और कहाँ–कहाँ लगाया जाता है?

(घ) मोती कपड़े पर कैसे लगाया जाता है?

(ङ) मोती को और कहाँ–कहाँ लगाया जाता है?

समझिए तथा लिखिए–

(क) गोटेवाला – गोटा लगाने वाला/गोटा लगा हुआ

(ख) मोतीवाला –

(ग) पानवाला –

(घ) दूधवाला –

(ङ) अखबारवाला –

(च) सब्जीवाला –

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–114

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को कहानी के वाक्यों को सही क्रम में सजाने की समझ दें।
विद्यार्थियो के चार समूह बनाकर प्रत्येक समूह से अलग–अलग व्यवसाय पर चर्चा कराएँ।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) चूहा कपड़ा लेकर कहाँ गया?

(ख) चूहा ने दर्जी से क्या कहा?

(ग) दर्जी के मना करने पर चूहे ने क्या कहा?

(घ) चूहा और किस–किस के पास गया?

चूहे ने कपड़ा मिलने के बाद क्या–क्या किया, क्रम से सजाइए–

(क) टोपी में मोती लगवाया

(ख) टोपी पहना

(ग) टोपी में गोटा लगवाया

(घ) टोपी बनवाया

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–115

शिक्षण–निर्देश :

एकांकी के पात्रों पर चर्चा तथा विद्यार्थियों को पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

मिलान करें–

(क) फटकारना	काटना
(ख) मजा चखाना	पोटली
(ग) कुतरना	मजा करना
(घ) मौज उड़ाना	दुत्कारना / झिड़कना
(ङ) गठरी	सबक सिखाना

पढ़िए और लिखिए–

(क) एक कौआ	—	चार	..... कौए .....
(ख) एक पौधा	—	तीन	.....
(ग) एक चूहा	—	दस	.....
(घ) एक गदहा	—	दो	.....
(ङ) एक लोटा	—	पाँच	.....

नीचे दिए गए शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

(क) चुहा —

(ख) दजी —

(ग) कपरा —

(घ) मोतीवाला —

(ङ) कूतरना —

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–116

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से एकांकी का मंचन करवाएँ।

खाली स्थानों में सही शब्द चुनकर भरिए–

(क) राजू ने एक ..... बनवाई। (टोपी / टोपियाँ)

(ख) मेरे घर में बहुत सारे ..... थे। (चूहा / चूहे)

(ग) अमित के पास एक ..... है। (राखी / राखियाँ)

(घ) रमन जल्दी से ..... चढ़ गया। (सीढ़ी / सीढ़ियाँ)

(ङ) रमा ने हाथों में लाल रंग की ..... पहनी थी। (चूड़ी / चूड़ियाँ)

दर्जी में 'र' की हल्की–सी आवाज़ है इसे रेफ (ʻ) की तरह लिखा जाता है। रेफ लगाकर चार शब्द आप भी लिखिए–

इन शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) फौज – .....

(ख) राजमुकुट – .....

(ग) खतरनाक – .....

(घ) ढेर – .....

(ङ) कपड़ा – .....

दिनांक

मेला

दिवसः 117

शिक्षण–निर्देश :

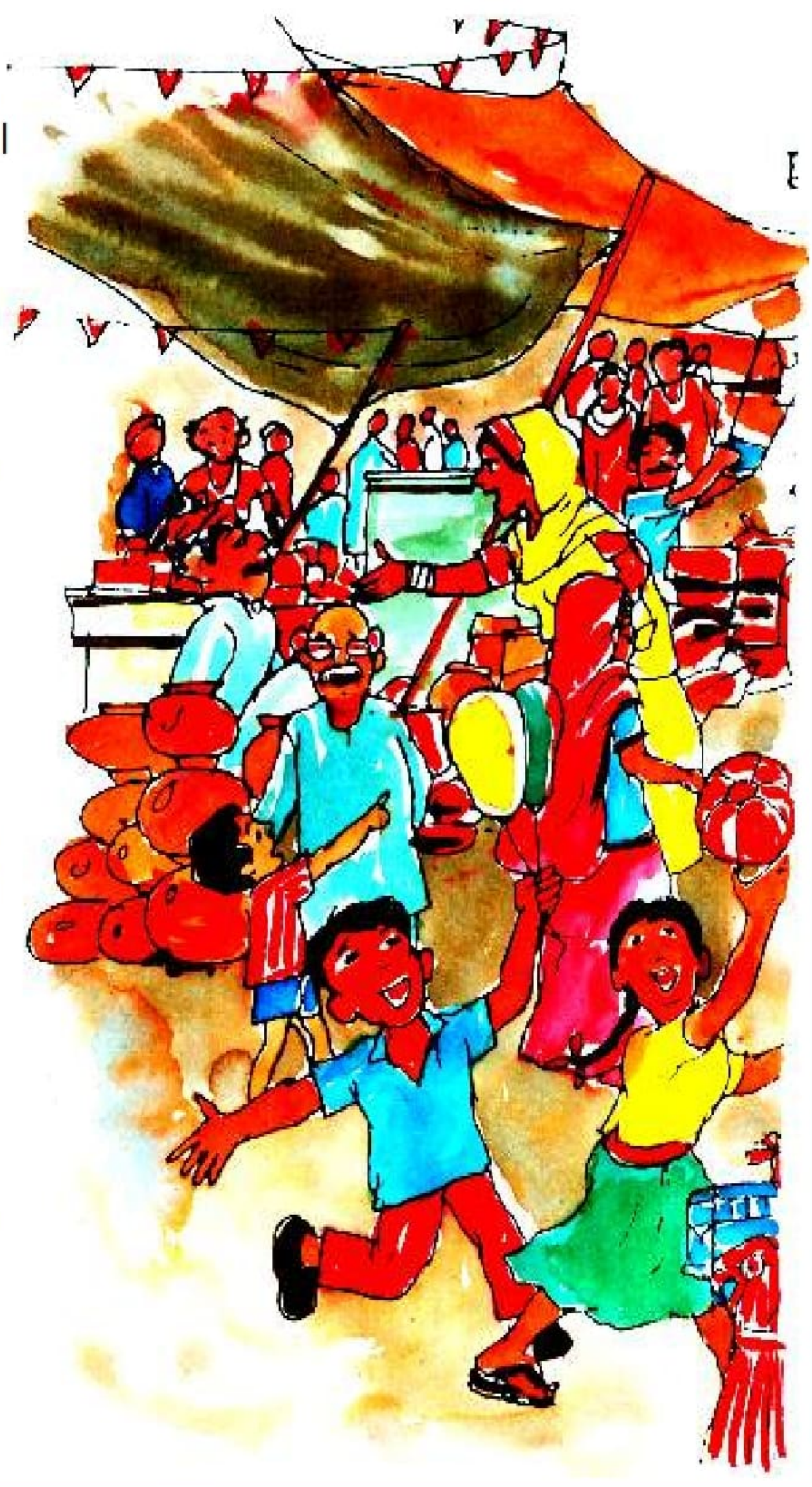
'मेला' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विद्यार्थियों से बातचीत करें।

घर के पास लगा था मेला,
उसमें आया चाट का ठेला।
हमने जाकर खाई चाट,
ऐसे थे मेले के ठाठ।

घर के पास लगा था मेला,
उसमें आया झूले वाला।
हमने जाकर झूले झूले,
मन में नहीं समाए फूले।

घर के पास लगा था मेला,
उसमें एक खिलौने वाला।
लाए जाकर चार खिलौने,
रंग–बिरंगे बड़े सलोने।

घर के पास लगा था मेला,
हमने देखा मन भर मेला।



दिनांक

मेला

दिवसः 117

गुड़िया, गुनगुन दोनों साथ,
छोटू ने पकड़ा था हाथ।

मेला के थे ऐसे ठाठ।
झूले, ठेले, सुंदर हाट

रमेश थानवी



दिनांक

मेला

दिवस–118

शिक्षण–निर्देश :

शिक्षक / शिक्षिका विद्यार्थियों से 'मेला' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा मेले के बारे में बातचीत करें।

दिए गए शब्द से मिलते–जुलते शब्द लिखिए–

मेला	केला	राजा		घर	
चाट		मन		चार	
ढेला		पास		काँच	

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) मेला कहाँ लगा था ?

(ख) आप किन–किन अवसरों पर मेले में गए हैं ?

(ग) आप मेले में क्या–क्या खाते हैं ?

(घ) आप मेले से कौन–कौन से खिलौने खरीद के घर लाते है ?

दिनांक

मेला

दिवस–119

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से प्रश्नोत्तरी द्वारा मेला में सावधानी बरतने वाली बातों पर चर्चा करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) आप मेला में क्या–क्या देखते हैं ?

(ख) आप किसके साथ मेला जाते हैं ?

(ग) मेले में क्या–क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए ?

सही शब्दों से रिक्त स्थानों को भरिए–

घर के पास लगा था .....

उसमें आया चाट का .....

हमने जाकर खाई .....

ऐसे थे मेले के .....

चित्र में रंग भरिए –



दिनांक

मेला

दिवस–120

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से विभिन्न प्रकार के झूलों के बारे में बातचीत करें।

चित्र देखकर वाक्य को पूरा कीजिए–

(क) मुझे ..... झूलने में मजा आता है।

(ख) मेरी बहन ..... के साथ खेलती है।

(ग) बारिश में ..... लेकर चलना चाहिए।

(घ) त्योहार में नए ..... पहनते हैं।

(ङ) दीपावली में हम ..... जलाते हैं।











इनमें से आप किस–किस पर झूल सकते हैं उस पर (√) कीजिए–

(क) पेड़ पर	☐	(घ) पिताजी की बाँह पर	☐
(ख) माँ के पैरों पर	☐	(ङ) रस्सी पर	☐
(ग) चौकी (हेंगा) पर	☐	(च) पेड़ पर टँगे टायर पर	☐

अपने मनपसंद खिलौने का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए–

दिनांक

मेला

दिवस–121

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को वचन की समझ दें, जैसे–झूला–झूले, चूहा–चूहे आदि।

पढ़िए, समझिए और लिखिए–

एक	अनेक	एक	अनेक
(क) झूला	झूले	(ङ) मोती	मोतियाँ
(ख) खिलौना	.....	(च) बर्फी	.....
(ग) चूहा	.....	(छ) बकरी	.....
(घ) केला	.....	(ज) जलेबी	.....

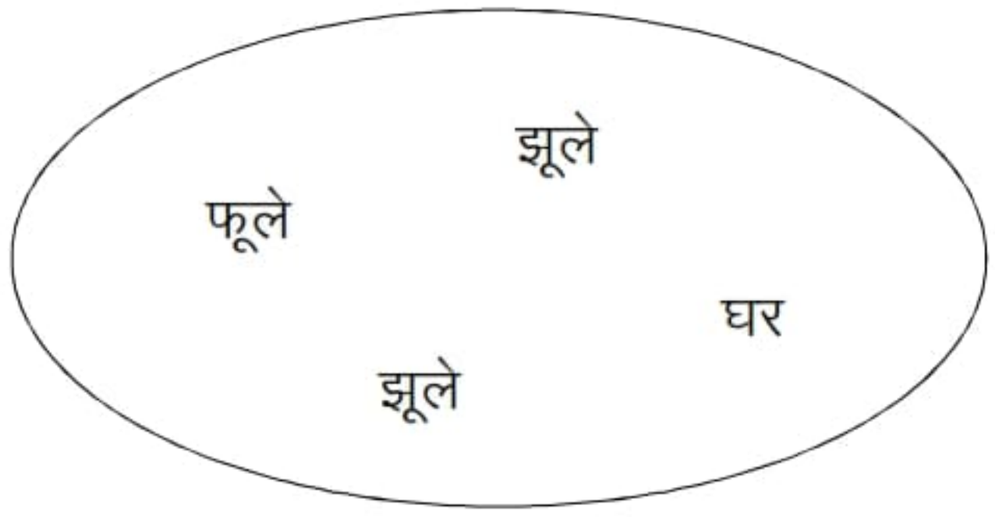
रिक्त स्थानों को भरिए–

..... के पास लगा था मेला ,

उसमें आया ..... वाला।

हमने जाकर ..... झूले ,

मन में नहीं समाए ..... ।



'हाँ' या 'ना' में उत्तर लिखिए –

(क) मुझे मेला जाना अच्छा लगता है। ☐

(ख) हमें बड़ों के साथ मेला जाना चाहिए। ☐

(ग) हमें मेला में खुली चीजों को खाना चाहिए। ☐

(घ) हमें मेला में छोटे भाई–बहनों का हाथ पकड़ कर चलना चाहिए। ☐

दिनांक

मेला

दिवस–122

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को अपनी क्षेत्रिय भाषा में मेला के बारे में बोलने को कहें।

रिक्त स्थानों को भरिए –

घर के _____ लगा था मेला,

हमने देखा _____ भर मेला।

गुड़िया, _____ दोनों साथ,

_____ ने पकड़ा था हाथ।

मेला के थे ऐसे _____

झूले, ठेले, सुंदर _____।



नीचे दिए गए शब्दों में (ँ) या (ं) लगाकर उस शब्द को फिर से लिखिए–

रग –	पूछ – .....
आख –	अगूर – .....
टोपिया –	जगल – .....

अपनी भाषा में आप इन वाक्यों को कैसे बोलेंगे ? बोलिए और लिखिए–

(क) घर के पास मेला लगा था। .....

(ख) हमने जाकर चाट खाई। .....

(ग) छोटू ने हाथ पकड़ा। .....

(घ) गुड़िया और गुनगुन दोनों साथ थे। .....

दिनांक

मेला

दिवस–123

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा कविता के शब्दों से वाक्य बनाने की समझ दें।

मेले में कौन–कौन आया था, जिसके पास बच्चे गए उसके बारे में लिखिए–

दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

मेला–

चाट–

झूला–

खिलौना–

अगर आप मेला में जाएँगे तो किसे ले जाना चाहेंगे, उनके नाम लिखिए–

सही वाक्य के आगे (√) चिह्न तथा गलत वाक्य के आगे (X) का चिह्न लगाइए–

(क) कविता में मेला घर के पास लगा था। ( )

(ख) कविता में बच्चों के पास हाथी वाला आया। ( )

(ग) बच्चें झूला झूलकर उदास हो गए। ( )

(घ) छोटू ने गुड़िया और गुनगुन का हाथ पकड़ा। ( )

दिनांक

मेला

दिवस–124

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता को प्रत्येक विद्यार्थी से बारी–बारी सुनें तथा कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ को समझाएँ।

आप मेले में से इनके लिए क्या–क्या खरीदेंगे–

माँ–

पिताजी–

भाई–

बहन–

मिलान कीजिए–

(क) फूला समाना	शान से रहना
(ख) बड़े सलोने	खुश होना
(ग) ठाठ से रहना	बहुत सुन्दर

अपनी पसंद का चित्र बनाइए–

मेले में किस–किस ने दुकान लगाई थी, उनके नाम लिखिए–

दिनांक

मेला

दिवस–125

शिक्षण–निर्देश :

प्रश्नोतरी द्वारा विद्यार्थियों से उनके मेला जाने के अनुभव के बारे में बातचीत करें।

चित्र में दिखाई जाने वाली किन्हीं सात वस्तुओं के नाम लिखिए –



मेला के बारे में लिखिए –

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवसः 126

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को पत्र की उपयोगिता पर बातचीत करें तथा निशा की चिट्ठी का पठन करवाएँ।

प्यारी नानी,

प्रणाम ।

आप कैसी हैं? हम सब ठीक-ठाक हैं। नानी माँ, मैं कल चिड़ियाघर गई थी। मम्मी-पापा के साथ। चिड़ियाघर में जाने के लिए टिकट लगता है। हम टिकट की लाइन में खड़े रहे। फिर हमने टिकट कटाई। चिड़ियाघर में मैंने शेर, हाथी, बंदर, भालू देखे। वे सभी पिंजरों में बंद थे। शेर को देखकर मैं डर गई। एक छोटा बच्चा तो रोने लगा। मैंने मछलीघर भी देखा। बहुत सुंदर मछलियाँ थीं। एक कछुआ भी था। फिर मैं साँप के घर भी गई। बहुत बड़े-बड़े साँप थे, सच नानी! मैंने डर के मारे पापा का हाथ पकड़ लिया। पापा ने कहा-डरो मत। ये कुछ नहीं करेंगे। वे तो पिंजरे में बंद हैं। पता है नानी, चिड़ियाघर में रंग-बिरंगी चिड़ियाँ भी हैं। उन्हें देखकर हम हैरान रह गए। चीं-चीं-चीं का बहुत शोर मचाती हैं। चिड़ियाघर देखते-देखते मैं थक गई। फिर हम बाहर आ गए। मुझे तो बहुत जोर की भूख लगी थी। हमने लिट्टी खाई। मैंने आइसक्रीम भी खाई। सच नानी! बड़ा मजा आया। पत्र के साथ मैं फोटो भी भेज रही हूँ। नानी, अपना ख्याल रखना।





दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–127

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से पत्र का वाचन तथा पत्र के कथ्य पर बातचीत करें तथा छोटे–छोटे समूह में भाई को, पिता को, दीदी को, दोस्त/सखी को, माँ आदि को लिखे जाने वाले पत्र के विषय–वस्तु पर चर्चा करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) पत्र को किसने लिखा है ?

(ख) पत्र किसको भेजा गया है ?

चिड़ियाघर के अलावा और किन–किन चीजों के लिए टिकट लगता है, लिखिए–

पत्र पर चिपकाने वाले टिकट का चित्र बनाइए–

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–128

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से पत्र के प्रकार एवं उद्देश्य पर बातचीत करें। (पत्र के प्रारूप एवं रिक्त स्थान)

आपने अपने दोस्त/सहेली को एक पत्र लिखा, जिसमें कुछ शब्द छूट गए हैं। छूटे शब्दों को भरें और पोस्टकार्ड या लिफाफे पर अपने दोस्त/सहेली का पता लिखिए–

प्रिय .....,

आपका ..... मिला। आप .....

हो। मैं ..... हूँ। ..... को छुट्टी थी। हम .....

गए थे। मेरे साथ ..... भी थे। हमलोग .....खाए।

बड़ा ..... आया। अगले .....को तुम भी आओ। सभी

लोग साथ–साथ ..... ।

टिकट

पता

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–129

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को पत्र के आलोक में चिड़ियाघर के बारे में समझ दें।

पत्र में आए जीव–जंतुओं के नाम लिखिए–

चिड़ियाँ 'चीं–चीं' बोलती है, नीचे दिए गए जीव–जंतु कैसे बोलते हैं, लिखिए–

(क) कुत्ता – _____

(ख) घोड़ा – _____

(ग) कोयल – _____

(घ) गदहा – _____

(ङ) कौआ – _____

(च) बिल्ली – _____

आपने किन–किन जीव–जंतुओं को पिंजरे में देखा है, उनके नाम लिखिए–

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–130

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से भोजन बनाना एवं उसमें लगने वाली सामग्री पर बातचीत करें।

मिठाई जो आपको पसंद है, उनके नाम लिखिए–

इन्हें बनाने में कौन–कौन सी सामग्री लगती है, उनके नाम लिखिए–

(क) ठेकुआ – ....

(ख) सेवई – ....

(ग) खिचड़ी – ....

(घ) लिट्टी – ....

(ङ) आईसक्रीम – ....

आप भोजन में क्या–क्या खाते हैं, उनके नाम लिखिए–

....

....

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–131

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को पाठ में आए कठिन शब्दों को ढूँढ़कर उसके अर्थ एवं उपयोग की समझ दें।

नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए और जवाब दीजिए–

पटना में एक चिड़ियाघर है। यह बहुत बड़ा है। इसमें बहुत सारे जानवर रहते हैं। इसमे मछलीघर और साँपघर भी हैं। बड़े– बड़े पेड़ों के बीच रास्ता है। पेड़ों पर बहुत सारे बंदर और चिड़ियाँ उछल–कूद करते हैं। अन्दर एक दुकान है जिसमें बिस्कुट, चिप्स,मिठाई आदि बिकती है। चिड़ियाघर में जाने के लिए टिकट लगता है।

(क) पटना में क्या है ?

(ख) बड़े–बड़े पेड़ों के बीच क्या है ?

(ग) बंदर और चिड़ियाँ कहाँ उछल–कूद करते है ?

(घ) दुकान के अंदर क्या–क्या बिकता है ?

(ङ) चिड़ियाघर में जाने के लिए क्या लगता है ?

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–132

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से पूरे पत्र का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्तन करवाएँ।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) निशा ने चिड़ियाघर में क्या–क्या देखा ?

(ख) निशा चिड़ियाघर किसके साथ देखने गई थी ?

(ग) सारे जानवर कहाँ बंद थे ?

सोचिए तथा लिखिए–

(क) जमीन पर रहने वाले जानवर –

(ख) पानी में रहने वाले जानवर –

(ग) जमीन और पानी दोनों में रहने वाले जानवर –

शब्दों की अंत्याक्षरी–

मछली ⟶ लीची ⟶ चीनी ⟶

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–133

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से पालतू जानवरों की उपयोगिता पर चर्चा करें।

रिक्त स्थानों को भरिए–

(क) मेरा घर ..... है।

(ख) ईख ..... है।

(ग) फूल ..... है।

(घ) हाथी ..... है।

(ङ) खरगोश ..... है।

(च) आम ..... है।

सही (√) या गलत (×) का निशान लगाइए–

(क) हाथी, बकरी से छोटा है।		(घ) चाय बहुत ठंडा पीते हैं।	
(ख) फूल सुंदर है।		(ङ) आईसक्रीम बहुत ठंडा है।	
(ग) खरगोश तेज दौड़ता है।		(च) मिठाई नमकीन होती है।	

दिए गए चित्र में जीव–जंतुओं की संख्या गिनती कर शब्दों में लिखिए–









दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–134

शिक्षण–निर्देश :

'निशा की चिट्ठी' की पूरी कहानी का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्तन करवाएँ तथा विद्यार्थियों से पत्र के प्रारूप पर चर्चा करें।

आप भी कहीं घूमने गए होंगे। निशा की तरह आप भी अपने रिश्तेदार को पत्र लिखकर अपनी यात्रा के बारे में बताइए –

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस–135

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'नानी तेरी मोरनी' कविता का पुनरावर्तन करवाएँ तथा कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ की समझ दें।

'नानी तेरी मोरनी' कविता को पूरा कीजिए –

नानी ——— मोरनी को ——— ले गए,

बाकी जो ——— था काले ——— ले गए।

खाके पीके ——— होके ——— बैठे रेल में,

चोरों वाला ——— कटके पहुँचा सीधा ——— में।

कविता की पंक्तियों को क्रम से सजाकर बॉक्स में फिर से लिखिए –

मोरों को भी खूब नचाया जंगल की सरकार ने।

उन चोरों की खूब खबर ली मोटे थानेदार ने ,

जल्दी से इक पैसा दे दे तू कंजूसी छोड़ दे।

अच्छी नानी प्यारी नानी रूसा–रूसी छोड़ दे,

अपनी पसंद का चित्र बनाइए–

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस–136

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'कौआ और लोमड़ी' की कहानी का अलग–अलग समूह में मंचन करवाएँ।

चित्र देखिए और कहानी को पूरा कीजिए–



एक कौआ और एक ..... **लोमड़ी** ..... थी। कौए को कहीं से एक ..... मिली। कौआ रोटी लेकर पर बैठ गया। तभी वहाँ लोमड़ी आ गई। लोमड़ी ने ..... की ..... में रोटी देखा। लोमड़ वह रोटी ..... चाहती थी। लोमड़ी ने एक ..... सोचा और ..... से कहा– सुना है तुम बहुत अच्छा ..... हो! मैं भी तुम्हारा ..... सुनना चाहती हूँ। कौआ अपनी ..... सुनकर बहुत ..... हो गया और गाना ..... लगा। कौए ने जैसे ही गाना शुरू किया, उसके चोंच से रोटी ..... गिर गई। रोटी जैसे ही नीचे ..... लोमड़ी ने उसे ले लिया और चला गया।

सोचिए और बताइए –

(क) एक सप्ताह में दिन –

(ग) एक वर्ष में दिन –

(ख) एक महीने में दिन –

(घ) एक दिन में घण्टे –

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस–137

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'मेला' कविता का पुनरावर्तन करवाएँ तथा कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ की समझ दें।

शब्दों से कविता पूरी कीजिए–

घर के पास लगा था .....

उसमें आया चाट का .....

हमनें जाकर खाई .....

ऐसे थे मेले के .....

..... पास लगा था मेला,

उसमें आया .....

..... नहीं समाए फूले।

घर के ..... लगा था मेला,

उसमें एक ..... वाला,

लाए जाकर .....

रंग–बिरंगे बड़े .....

..... के पास लगा था मेला,

हमने देखा मन .....

..... दोनों साथ।।

मेले के थे ऐसे .....

झुले, ठेले, ...



दिनांक

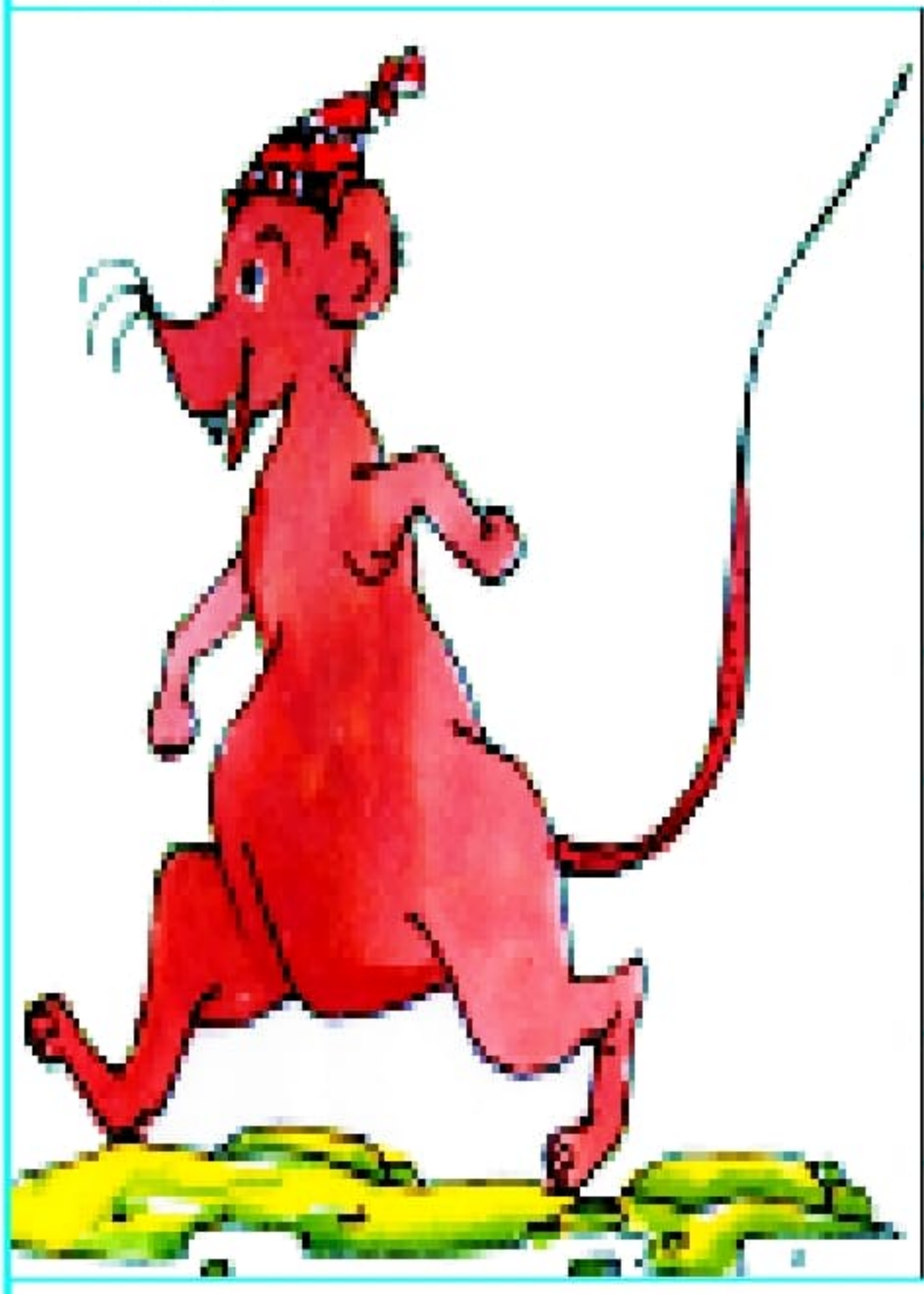
पुनरावर्तन

दिवस–138

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को अलग–अलग समूह में बाँटकर 'चूँ–चूँ की टोपी' एकांकी का मंचन करवाएँ।

चूँ–चूँ चूहा अपनी टोपी बनवाने के लिए किस–किस के पास जाता है, लिखिए–



चूँ–चूँ चूहा का चित्र बनाइए–

दिनांक

होली

दिवसः 139

शिक्षण–निर्देश :

'होली' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विद्यार्थियों से बातचीत करें।

रंग-रंगीली होली आई,
सबके मन को होली भाई
खेलें-कूदें खुशी मनाएँ
ढोल बजाकर होली गाएँ।

निकल पड़ी मित्रों की टोली,
सबने मिलकर खेली होली
आओ लाल गुलाल लगाएँ,
पिचकारी से रंग उड़ाएँ।

पुआ और पकवान बनाएँ,
जो घर आए उसे खिलाएँ
सबको अपने गले लगाएँ,
होली का संदेश सुनाएँ।

–मधुर अथैया

दिनांक

होली

दिवस–140

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'होली' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विभिन्न प्रकार के त्योहारों के बारे में बातचीत करें।

दिए गए त्योहारों को पहचानकर उनका नाम लिखिए–







होली के अवसर पर जिन कार्यों को किया जाता है, उनपर (√) का निशान लगाइए–

(क) ढोल बजाना

(ख) गुलाल लगाना

(ग) नाचना

(घ) दीये जलाना

(ङ) पकवान बनाना

(च) दौड़ लगाना



दिए गए त्योहारों को और किस नाम से जानते हैं ? उनके नाम लिखिए–

रक्षाबंधन –

दीपावली –

दशहरा –

मकर संक्राति –

दिनांक

होली

दिवस–141

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'होली' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा 'होली' में बनाए एवं खाए जाने वाले पकवानों पर बातचीत करें।।

खाली स्थानों को भरकर पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(क) रंग–रंगीली ..... आई । (होली, गोली)

(ख) सबके ..... को होली भाई (मन, तन)

(ग) ..... खुशी मनाएँ (खेलें–कूदें, उछले–कूदें)

(घ) ढोल ..... होली गाएँ। (बजाकर, सजाकर)

होली में बनाए जाने वाले पकवानों के नाम लिखिए–

इन त्योहारों में क्या–क्या किया जाता है ? रेखा खींचकर बताइए–

(क) ईद में	रंगों से खेलते हैं।
(ख) होली में	रावण का पुतला जलाते हैं।
(ग) दीपावली में	केक खाते हैं।
(घ) दशहरा में	सेवइयाँ खाते हैं।
(ड़) क्रिसमस में	पटाखे और दीप जलाते हैं।

दिनांक

होली

दिवस–142

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'होली' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा पर्यायवाची शब्द की समझ दें।

नीचे दिए गए पंक्तियों को पढ़िए और लिखिए–

निकल पड़ी मित्रों की टोली,	
सबने मिलकर खेली होली	
आओ लाल गुलाल लगाएँ,	
पिचकारी से रंग उड़ाएँ।	

दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द लिखिए–

पर्व	त्योहार	गुलाल	
मित्र		घर	

समान लय वाले शब्द लिखिए –

बनाएँ	उड़ाएँ	होली	
आई		मन	

दिनांक

होली

दिवस–143

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'होली' से संबंधित अन्य कविता को सुनिए तथा होली त्योहार में की जाने वाली तैयारी एवं खरीदारी के बारे में बातचीत करें।

खाली स्थानों को भरकर पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(क) निकल पड़ी ..... की टोली, (मित्रों, लोगों)

(ख) सबने ..... खेली होली (लड़कर, मिलकर)

(ग) आओ लाल ..... लगाएँ, (रंग, गुलाल)

(घ) ..... से रंग उड़ाएँ। (पिचकारी, बाल्टी)

दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

होली –

गुलाल –

रंग –

पिचकारी –

ढोल –

होली में बच्चे क्या–क्या खरीदते हैं, नाम लिखिए–

होली में आप क्या–क्या खाना पसंद करते हैं ?

दिनांक

होली

दिवस–144

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'होली' से संबंधित अन्य कविता का गायन करवाएँ तथा विलोम शब्द की समझ दें।

खाली स्थानों को भरकर पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(क) पुआ और ..... बनाएँ, (खजूर, पकवान)

(ख) जो ..... आए उसे खिलाएँ (नहीं, घर)

(ग) ..... अपने गले लगाएँ, (सबको, तुमको)

(घ) ..... का संदेश सुनाएँ। (देश, होली)

दिए गए शब्दों का विलोम शब्द (उल्टे अर्थवाले) लिखिए–

सुख	दुःख	आकाश	
मित्र		अच्छा	

शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

गलाल	गुलाल	पीचकारी	
पकबान		सदेश	

दिनांक

होली

दिवस–145

शिक्षण–निर्देश :

प्रत्येक विद्यार्थी से पूरी कविता का गायन करवाएँ तथा निम्नलिखित प्रश्नों– 'होली' क्यों मनाते हैं, कैसे मनाते हैं, क्या–क्या खाते हैं, इस पर्व से हमारे जीवन में क्या–क्या लाभ/फायदे होते हैं आदि प्रश्नों पर बातचीत कीजिए।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) होली कब मनायी जाती है ?

(ख) आप होली कैसे मनाते हैं ?

(ग) होली पर ढोल बजाकर क्या गाते हैं ?

(घ) आपके घर में होली पर कौन–कौन से पकवान बनते हैं ?

(ङ) होली को रंग–रंगीली क्यों कहा जाता है ?

अपने पसंद की पिचकारी का चित्र बनाइए–

दिनांक

होली

दिवस–146

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से होली कविता का श्यामपट्ट के पास बुलाकर गायन करवाएँ तथा खाने वाले पदार्थो पर बातचीत करें, यथा– जो त्योहारों में तलकर, सेककर, तथा भुनकर खाई जाती है।

होली कविता की किन्ही चार पंक्तियों को लिखिए–

कौन सी चीजें 'तलकर', 'सेंककर' और 'भुनकर' बनाई जाती है–

तलकर	सेंककर	भुनकर

दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

पिचकारी –

मित्र –

गुलाल –

पुआ –

ढोल –

दिनांक

होली

दिवस–147

शिक्षण–निर्देश :

प्रत्येक विद्यार्थी से 'होली' की पूरी कविता सुनें तथा'होली' के अलावे अन्य त्योहारों पर बातचीत करें ।

चित्र देखकर उसके बारे में लिखिए–



होली के अलावा और कौन–कौन से त्योहार मनाये जाते हैं, लिखिए–

शब्दों को सही क्रम में सजाकर वाक्य फिर से लिखिए–

(क) रंगों का त्योहार होली है।

होली रंगों का त्योहार है।

(ख) गुलाल रंग–बिरंगे हम होली में लगाते हैं।

(ग) मोहन पीला पिचकारी के पास है।

(घ) मीठा पुआ हम खाते हैं होली में।

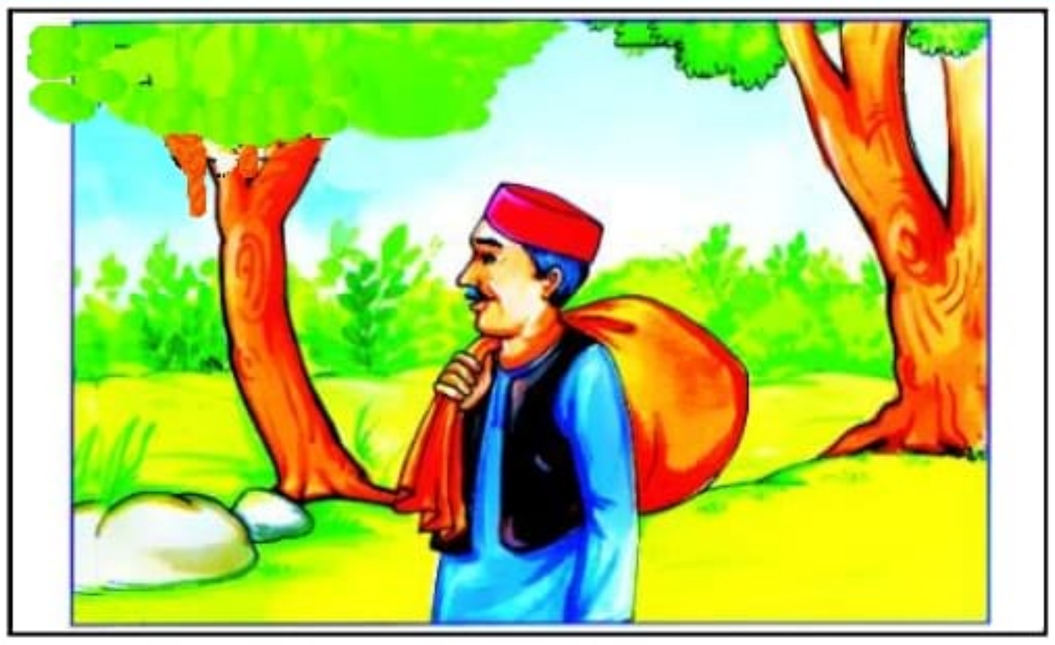
दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–148

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को हाव–भाव के साथ कहानी सुनाएँ एवं विद्यार्थियों को कहानी सुनाने का अवसर दें। साथ ही साथ कहानी के आधार पर बातचीत करें।

















दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–148

तस्वीरें देखकर आपको बंदर और टोपीवाले की कहानी जरूर याद आई होगी! चलिए, पढ़ते हैं –

एक टोपीवाला था। वह टोपी बेचने दूसरे गाँव जा रहा था। रास्ते में एक पेड़ के नीचे वह आराम करने लगा। उसे नींद आ गई। कुछ देर बाद उसकी आँखें खुलीं तो देखा कि सारी टोपियाँ गायब हैं। तभी टोपीवाले की नजर पेड़ पर गई। पेड़ पर बहुत से बंदर थे। सभी बंदर टोपियाँ पहने बैठे थे। टोपीवाले ने बंदरों से टोपी लेने की बहुत कोशिश की। पर सब बेकार। गुस्से में झुँझलाकर टोपीवाले ने अपनी टोपी जमीन पर फेंक दी। सभी बंदरों ने भी वैसा ही किया। टोपीवाला जल्दी से टोपियों को समेटकर अपने रास्ते चल पड़ा। अब आगे की कहानी पढ़िए –

पचास साल बाद टोपीवाले का पोता टोपियाँ लेकर वहाँ से गुजरा। पेड़ अब ज्यादा घना एवं छायादार हो गया था। पोता भी वहाँ आराम करने लगा। उसे नींद आ गई।

नींद खुली तो देखा टोपियाँ गायब हैं। पोते को दादाजी का किस्सा याद आ गया। ऊपर देखा, बंदर टोपियाँ पहने बैठे हैं। उसने अपनी टोपी जमीन पर पटक दी। एक बंदर झट से नीचे उतरा और उसकी टोपी लेकर पेड़ पर चढ़ गया। बंदर बोला, "तुम क्या समझते हो, दादाजी से सीख तुमने ही ली है? हमारे दादा–परदादा हमें कुछ नहीं सिखा गए?"

दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–149

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से बंदर के अंग, रंग, भोजन तथा आवास के बारे में बातचीत।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बंदर कहाँ रहता है?

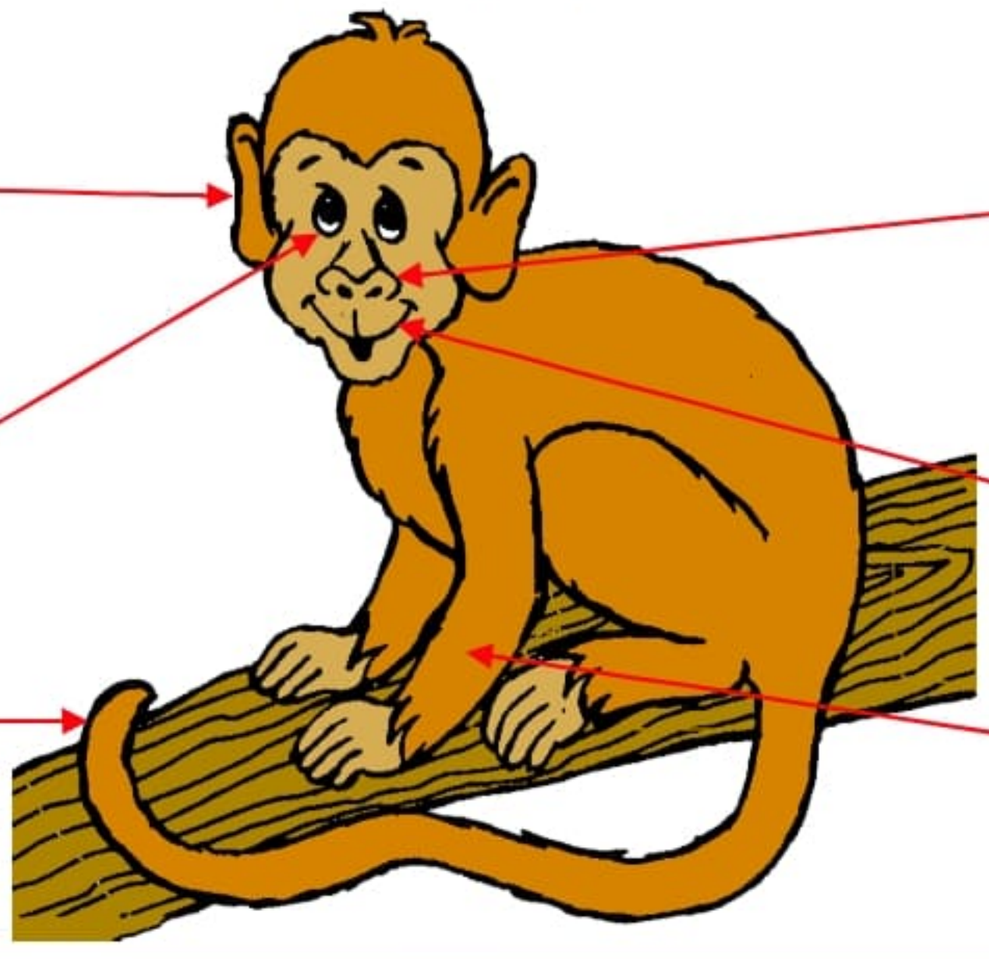
(ख) बंदर किस रंग का होता है?

(ग) बंदर क्या–क्या खाता है?

(घ) आपके पास बंदर होता तो आप क्या करते?

बंदर के अंगों के नाम तथा उसकी संख्या लिखिए –

कान	दो



दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–150

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से अभ्यास–पुस्तिका की सहायता से आज के दिवस में आए कहानी के चित्र को देखकर कहानी बनाने का अभ्यास करवाएँ तथा टोपियों के आकार–प्रकार तथा उसे बनाने के लिए प्रयोग में लाई गई सामग्रियों पर बातचीत करें।

देखिए, समझिए और लिखिए–

टोपी	टोपियाँ
बकरी	
कहानी	
रानी	

कहानी में आए टोपी का चित्र बनाइए–

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–





दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–151

शिक्षण–निर्देश :

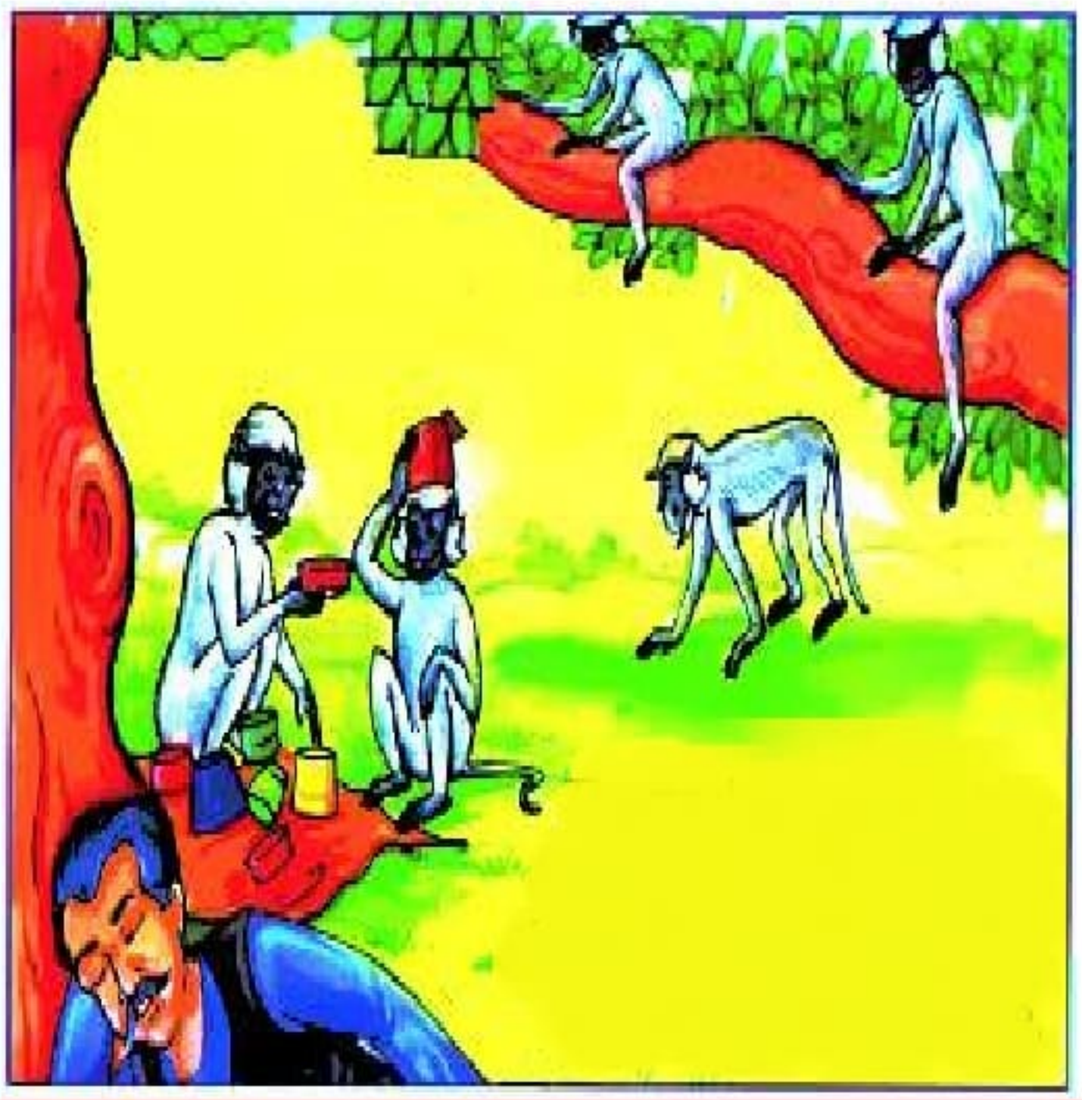
विद्यार्थियों को अभ्यास–पुस्तिका की सहायता से पिछले दिवस में आए कहानी के चित्रों को आज के चित्रों के साथ जोड़ते हुए कहानी बनाने का अभ्यास करवाएँ तथा हमारे जीवन में पेड़ों की उपयोगिता पर बातचीत करें।

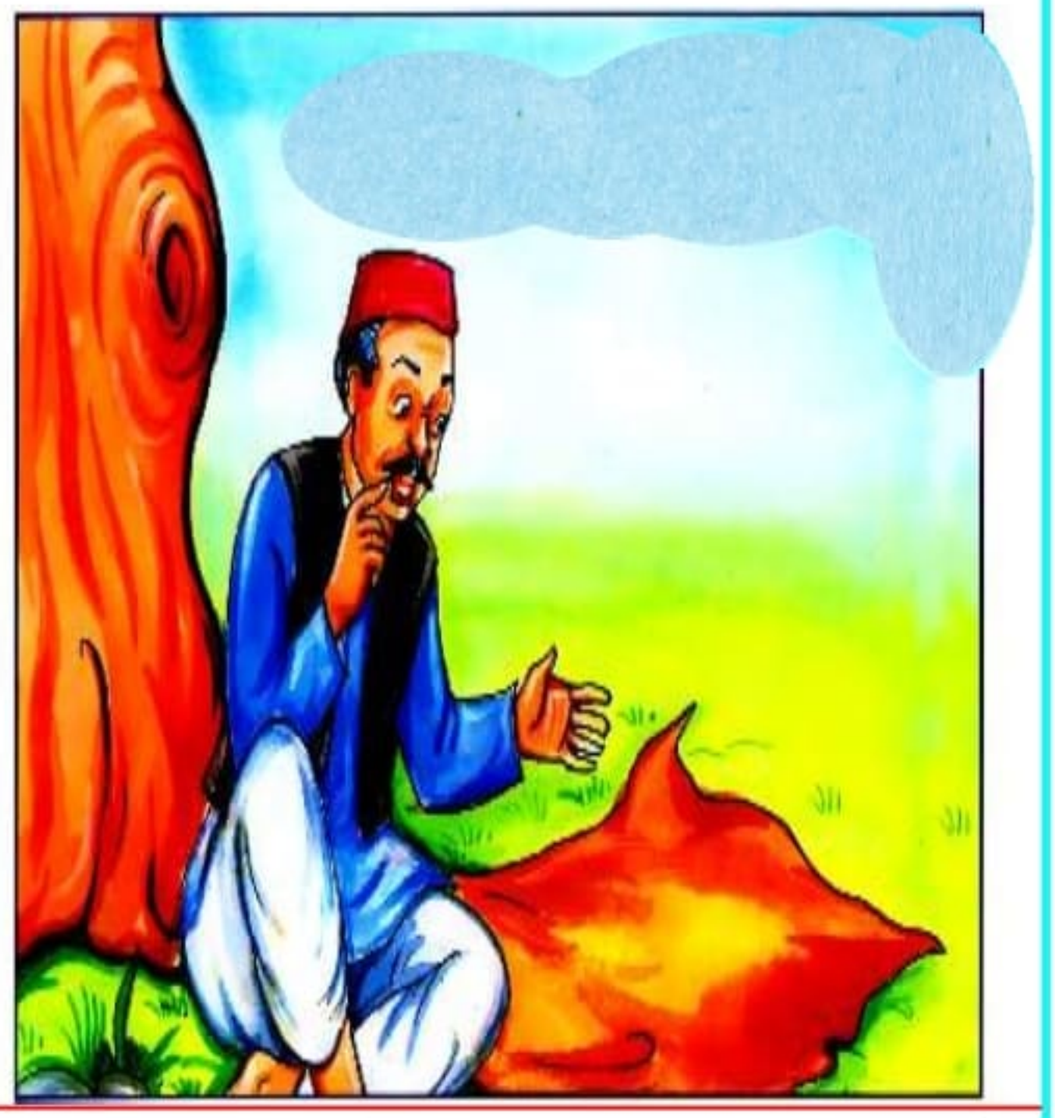
प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) अपने आस–पास दिखाई देने वाले पेड़ के नाम लिखिए।

(ख) पेड़ पर कौन–कौन से जीव रहते हैं?

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–





दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–152

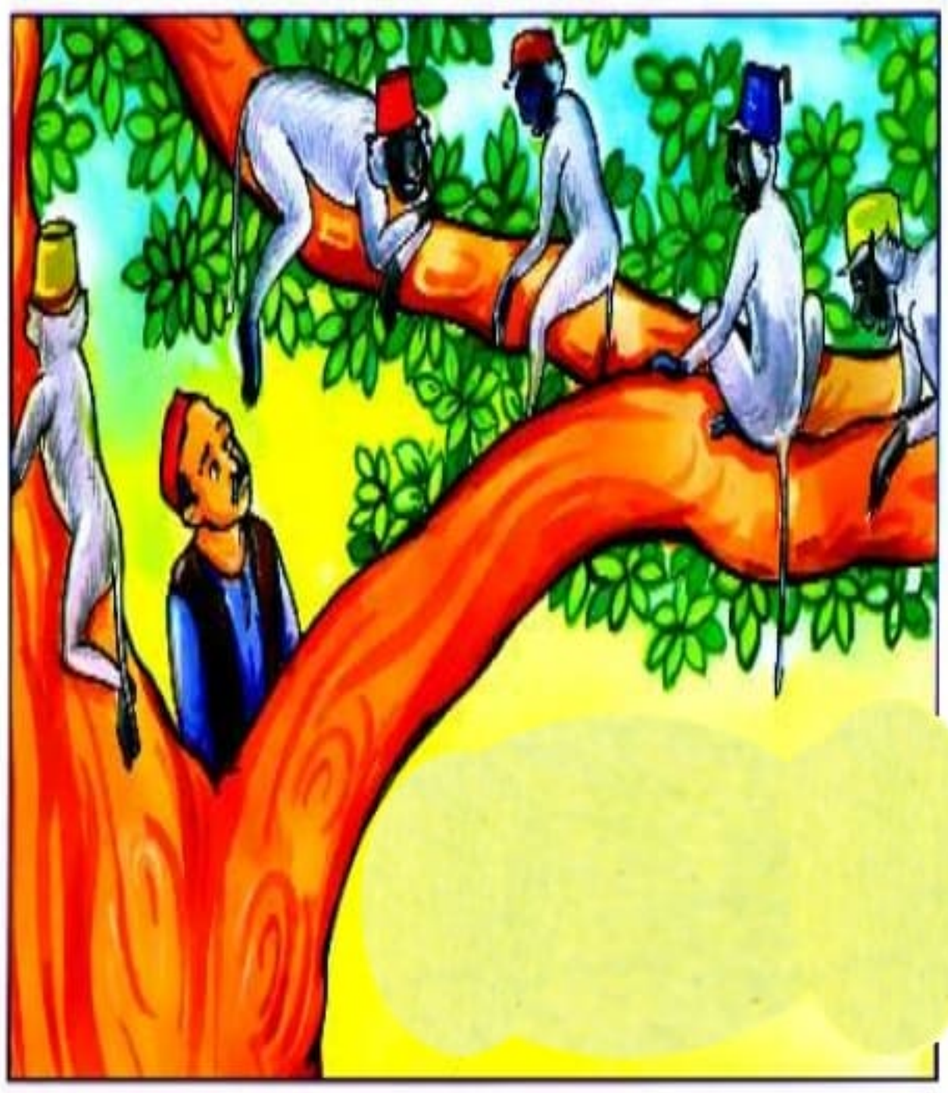
शिक्षण–निर्देश :

पिछले दिवस की तरह आज के दिवस में भी 'बंदर और टोपी' की कहानी को आगे बढ़ाने का अभ्यास करवाएँ **तथा** घर के आस–पास घूमने वाले फेरीवाले के बारे में बातचीत करें।

आप इन्हें क्या कहते हैं, लिखिए–

जैसे– जो टोपी बेचता है–	**टोपीवाला**
(क) जो पूजा कराता है–	
(ख) जो सब्जी बेचता है–	
(ग) जो बाल काटता है–	
(घ) जो मछलियाँ पकड़ता है–	

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–





दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–153

शिक्षण–निर्देश :

पिछले दिवस की तरह आज के दिवस में भी 'बंदर और टोपी' की कहानी को आगे बढ़ाने का अभ्यास करवाएँ तथा 'बंदर और टोपी' की कहानी का अलग–अलग अंत सोचने को कहें, जैसे आगे कहानी में क्या हुआ होगा, क्या टोपीवाले ने टोपियाँ बेचना छोड़ दिया होगा, क्या बंदरों ने अपनी गलती के लिए टोपीवाले से माफी माँगी होगी आदि।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) टोपीवाले ने बंदरों से अपनी टोपियाँ वापस लेने के लिए क्या किया?

(ख) टोपियाँ मिलने पर टोपीवाले ने क्या किया?

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–





दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–154

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को अभ्यास–पुस्तिका में पाठ के चित्र को देखकर पूरी कहानी को अपने शब्दों में बोलने का अभ्यास करवाएँ।

पाठ के चित्र को देखकर 'बंदर और टोपी' की पूरी कहानी को अपने शब्दों में लिखिए–

अपनी पसंद का चित्र बनाइए और उसका नाम लिखिए–

दिनांक

बंदर और टोपी

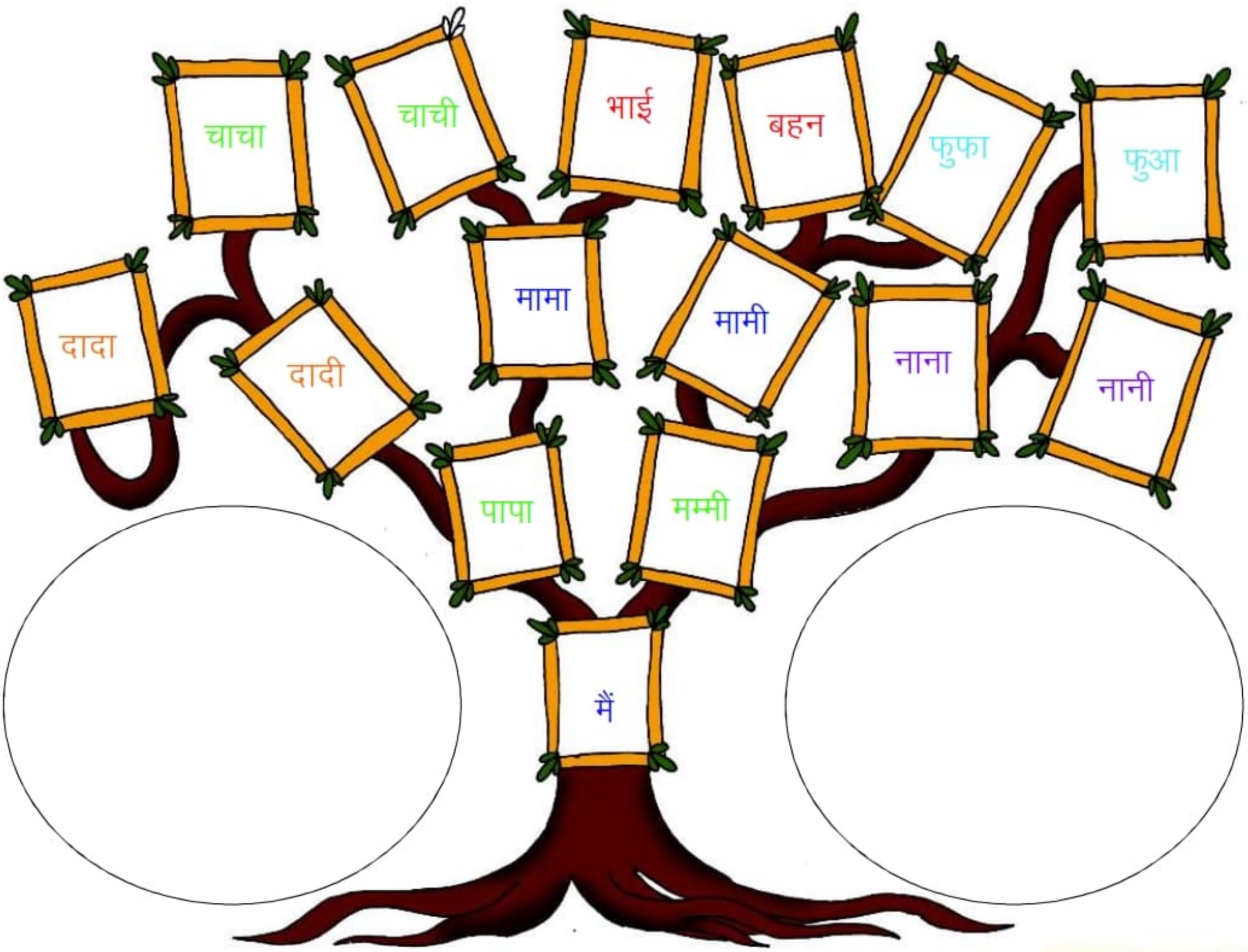
दिवस–155

शिक्षण–निर्देश :
पिछले दिवस विद्यार्थियों ने कहानी का जो अंत सोचा हो उसको कक्षा के सामने रखते हुए 'बंदर और टोपी' की कहानी के वास्तविक अंत (पाठ के आधार पर) बताएँ तथा कहानी में आए दादा, परदादा तथा पोता आदि शब्दों के माध्यम से हमारे जीवन से जुड़े विभिन्न प्रकार के रिश्तों के बारे में बातचीत करें।

इनको आप क्या बुलाते हैं–

(क) पिताजी की माँ	दादी	(च) माँ के भाई	
(ख) पिताजी के पिताजी		(छ) चाचा का बेटा/बेटी	
(ग) माँ के पिताजी		(ज) पिताजी की बहन	
(घ) माँ की माँ		(झ) माँ की बहन	
(ङ) पिताजी के भाई		(ञ) पिताजी का बेटा/बेटी	

इनमें से कौन–कौन आपके घर में रहते हैं, उन्हें लिखिए–



दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–156

शिक्षण–निर्देश :

'बंदर और टोपी' की पूरी कहानी का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्तन करवाएँ।

पाठ की कहानी पढ़कर वाक्य पूरा कीजिए–

(क) एक ..... था।

(ख) वह पेड़ के नीचे ..... करने लगा।

(ग) सभी बंदर ..... पहने बैठे थे।

(घ) पेड़ अब ज्यादा घना एवं ..... हो गया था।

(ङ) उसने अपनी टोपी ..... पर पटक दी।

इन शब्दों को आप जो कहते हैं, उन्हें लिखिए और वाक्य बनाइए–

रास्ता– राह	<u>राह</u> में एक पेड़ के नीचे वह आराम करने लगा।
पेड़–	
आँख–	

'बंदर और टोपी' की कहानी को उसके सही क्रम में सजाकर लिखिए–

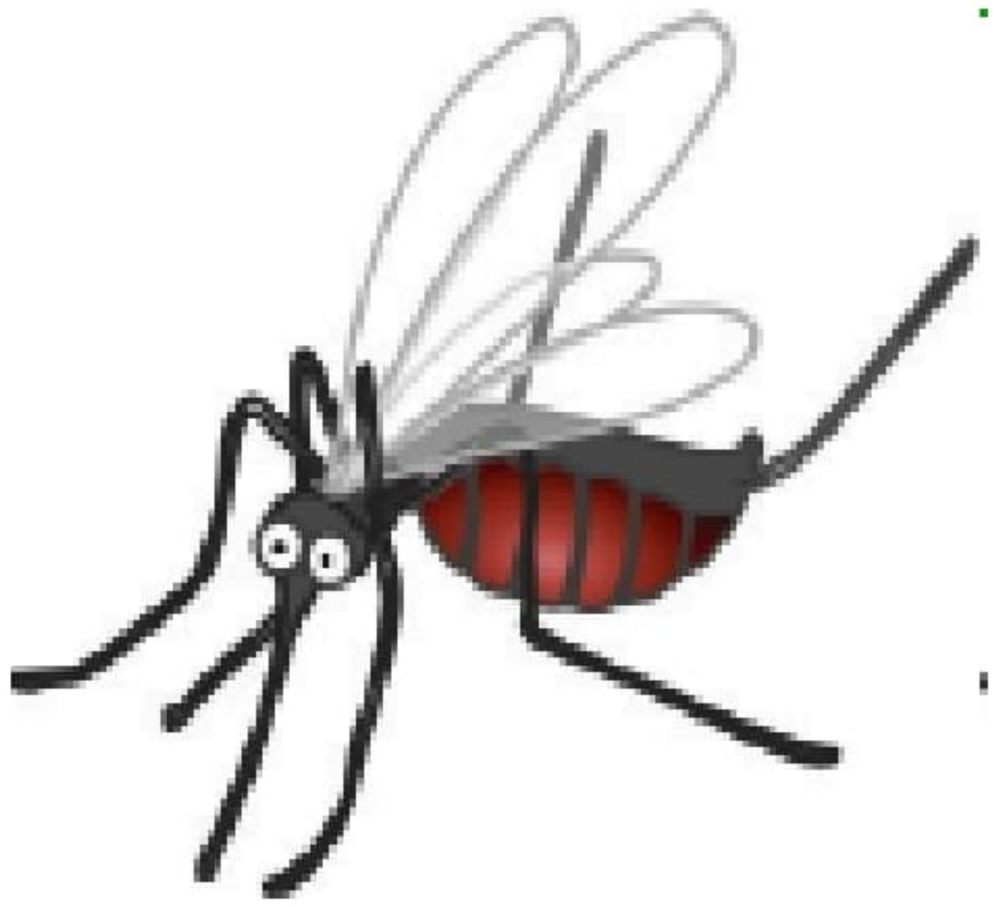
बंदरों ने उसकी टोपियाँ पहन ली।	
एक टोपीवाला था।	
बंदरों ने टोपियाँ जमीन पर फेंक दी।	
वह टोपियाँ बेचने दूसरे गाँव गया।	
टोपीवाले ने अपनी टोपी जमीन पर फेंक दी।	

दिनांक

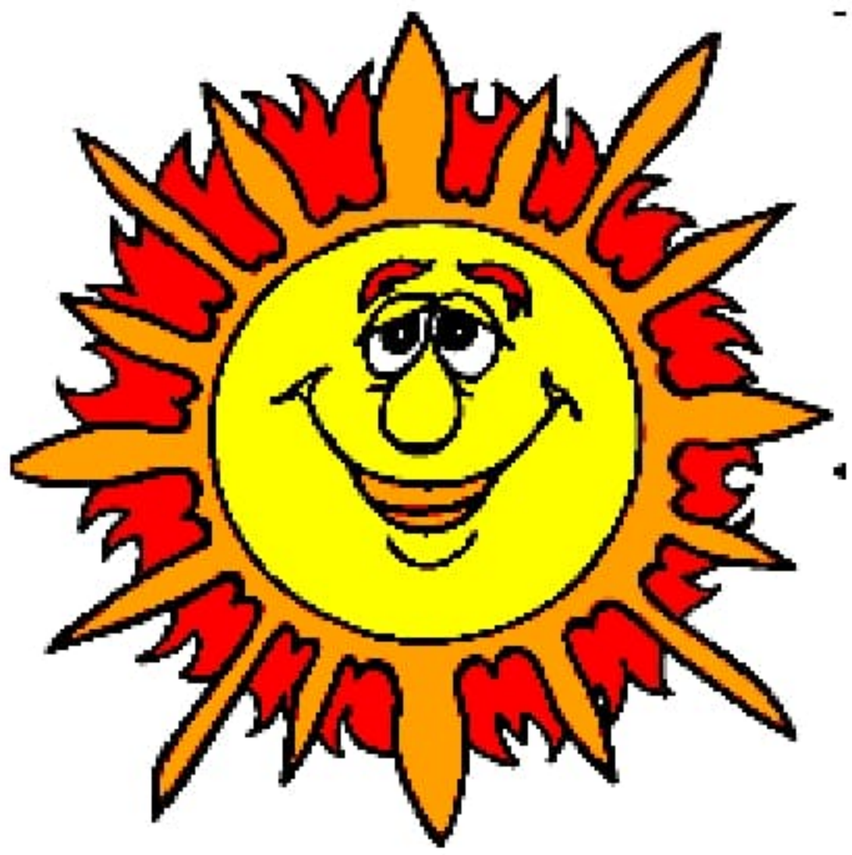
पहेलियाँ

दिवस : 157–164

1. कटोरे पर कटोरा
   बेटा बाप से भी गोरा



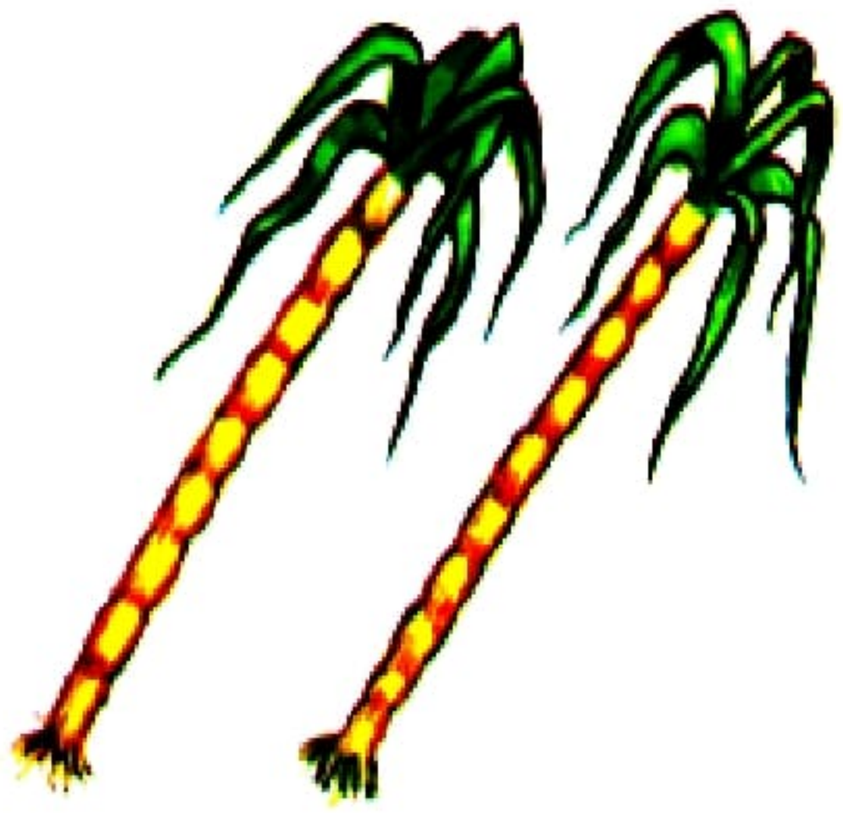
2. बीन बजाता आता है,
   खून पी उड़ जाता है।



3. लाल–लाल तवा
   सोने से मढ़ा
   पूरब से आया
   पश्चिम को गया।



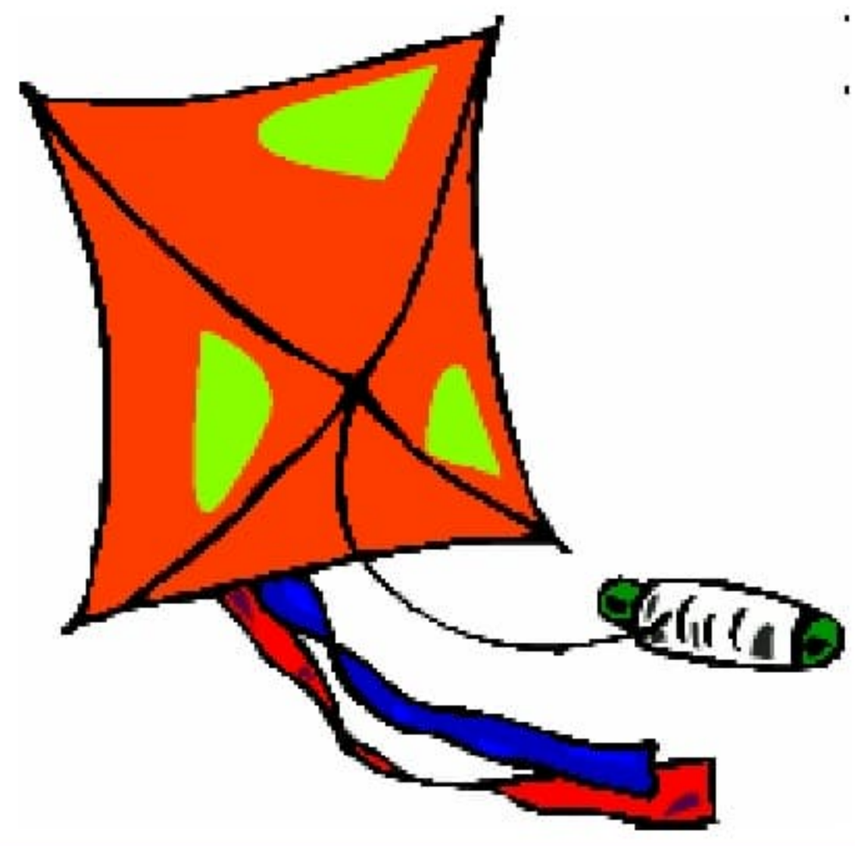
4. सदा धूप से तुम्हें बचाउँ,
वर्षा में भी काम मैं आउँ,
जब भी अपने हाथ
फैलाउँ,
सबके सिर पर मैं चढ़
जाउँ।।



5. बिना पंख ही उड़ जाती,
बाँध गले में डोर,
खींचों तो ऊपर चढ़ जाती
रहे हाथ में छोर।



6. एक लाठी की सुनो कहानी,
छुपा है इसमें मीठा पानी



दिनांक

पहेलियाँ

दिवस : 157

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की पहेलियाँ सुनाएँ तथा उनसे सुनें तथा पहेली के आए उत्तर वाले शब्दों के बारे में बातचीत करें।

पहेली को उसके सही उत्तर से मिलाइए–

कटोरे पर कटोरा
बेटा बाप से भी गोरा।



बिन चबाए सभी,
मुझे निगल जाते।



बीन बजाता आता है,
खून पी उड़ जाता है।



पहेली के सही उत्तर पर सही (√) का निशान लगाइए–

तीन पंख का ऐसा पक्षी,
सबके घर में रहता।
वर्षा और सर्दी में सोता,
बस गर्मी में उड़ता।

टेबल | पंखा | त्रिशूल

दाना पानी कुछ नहीं लेती,
रात–दिन चलती जाती।
पल–पल बड़ा कीमती,
हमको ऐसा सबक सिखाती।

बल्ब | बेलन | घड़ी

अपनी पसंद का चित्र बनाइए–

दिनांक

पहेलियाँ

दिवस–158

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की पहेलियाँ सुनाएँ तथा उनसे सुनें तथा पहेली के आए उत्तर वाले शब्दों के बारे में बातचीत करें।

पहेली को उसके सही उत्तर से मिलाइए–

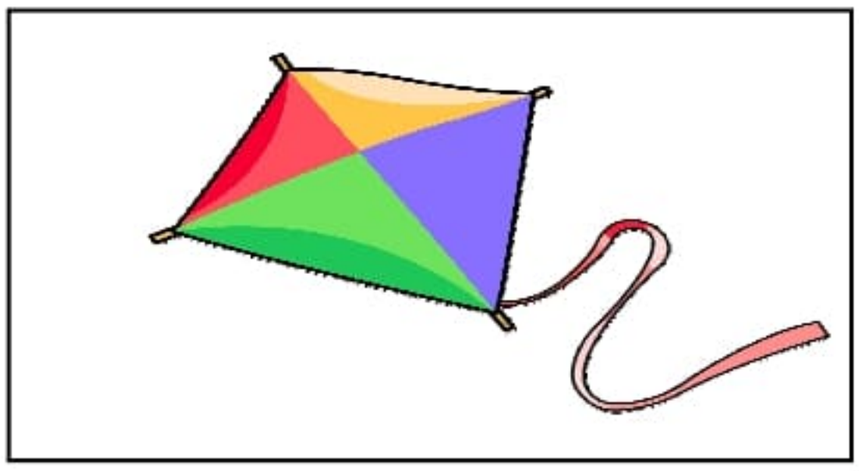
बिना पंख ही उड़ जाती,
बाँध गले में डोर,
खींचों तो ऊपर चढ़ जाती
रहे हाथ में छोर।



छिलके दूर हटाते जाओ,
बड़े मजे से खाते जाओ।
इतना पर जरूर देखना,
छिलके इसके दूर फेंकना।



एक लाठी की सुनो कहानी,
छुपा है इसमें मीठा पानी।



वाक्य बनाइए–

केला–

गन्ना–

पतंग–

आपने कोई पहेली सुनी है तो उसे लिखिए–

दिनांक

पहेलियाँ

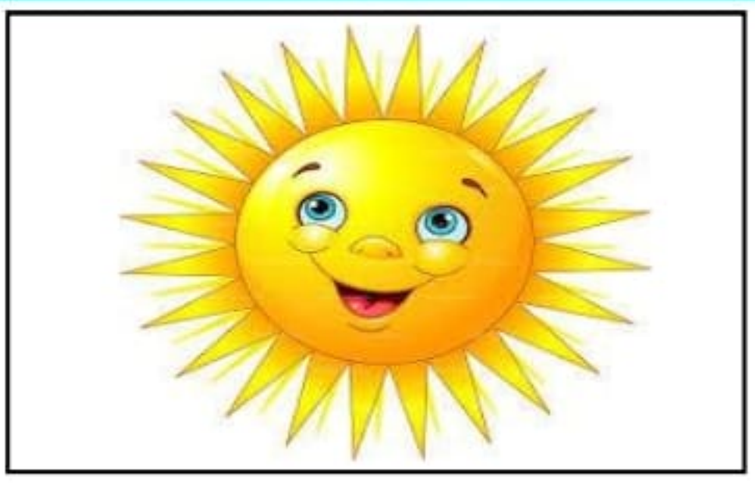
दिवस–159

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की पहेलियाँ सुनाएँ तथा उनसे सुनें तथा पहेली के आए उत्तर वाले शब्दों के बारे में बातचीत करें।

पहेली को उसके सही उत्तर से मिलाइए–

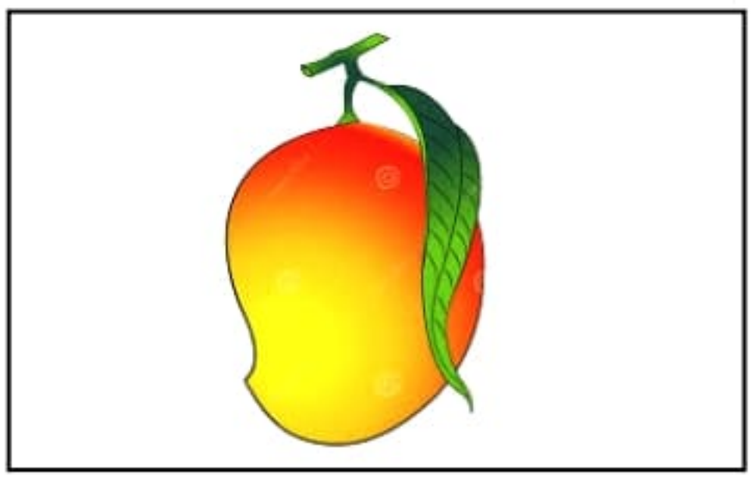
लाल–लाल तवा
सोने से मढ़ा
पूरब से आया
पश्चिम को गया।



सदा धूप से तुम्हें बचाऊँ,
वर्षा में भी काम मैं आऊँ,
जब भी अपने हाथ फैलाऊँ,
सबके सिर पर मैं चढ़ जाऊँ।



हरी गेंद पर गोल नहीं है,
फिर भी वह बेडोल नहीं है।
पकने पर हो जाती पीली,
थी खट्टी अब बड़ी रसीली।



दिए गए शब्द का एक समान अर्थ वाले शब्द लिखिए और वाक्य बनाइए–

सूरज	सूर्य	
साथी		
लाठी		
पानी		

शब्द लड़ी बनाइए–

लाल	लता			

दिनांक

पहेलियाँ

दिवस–160

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की पहेलियाँ सुनाएँ तथा उनसे सुनें तथा पहेली के आए उत्तर वाले शब्दों के बारे में बातचीत करें।

पहेली को उसके सही उत्तर से मिलाइए–

कटोरे पर कटोरा
बेटा बाप से भी गोरा।

एक लाठी की सुनो कहानी,
छुपा है इसमें मीठा पानी।

बीन बजाता आता है,
खून पी उड़ जाता है।

नारियल	छाता	पतंग
मच्छर	गन्ना	सूरज

लाल–लाल तवा
सोने से मढ़ा
पूरब से आया
पश्चिम को गया।

सदा धूप से तुम्हें बचाऊँ,
वर्षा में भी काम मैं आऊँ,
जब भी अपने हाथ फैलाऊँ,
सबके सिर पर मैं चढ़ जाऊँ।

बिना पंख ही उड़ जाती,
बाँध गले में डोर,
खींचों तो ऊपर चढ़ जाती
रहे हाथ में छोर।

शब्दों से वाक्य बनाइए–

नारियल –

छाता –

पतंग –

मच्छर –

सूरज –

पहेली में आए समान लय वाले शब्द लिखिए–

कटोरा [गोरा] आऊँ [ ] आता [ ] डोर [ ]

दिनांक

पहेलियाँ

दिवस–161

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की पहेलियाँ सुनाएँ तथा उनसे सुनें तथा पहेली के आए उत्तर वाले शब्दों के बारे में बातचीत करें।

दी गई पहेलियों के उत्तर लिखिए–

दो पहियों पर चलती है वह, नहीं चाहिए उसको ईंधन। नहीं कोई फैलाती प्रदूषण, आम आदमी का वह वाहन।	एक बड़ा आग का गोला, सबको खूब जलाता है। पर जब गोला मुरझा जाता, अंधकार हो जाता है।	कभी किसी से नहीं अकड़ते, वे सबके पैरों में पड़ते। जो उनको ठुकराकर भागे, पथ में कांटा उसके लागे।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

दो पहियों वाले वाहनों के नाम लिखिए।

आपके घर में आग का प्रयोग किन–किन कार्यों के लिए किया जाता है ?

आप किन–किन अवसरों पर और किनके ऊपर अकड़ दिखाते हैं ?

दिनांक

पहेलियाँ

दिवस–162

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की पहेलियाँ सुनाएँ तथा उनसे सुनें तथा पहेली के आए उत्तर वाले शब्दों के बारे में बातचीत करें।

दी गई पहेलियों के उत्तर लिखिए–

सात रंगों से बन, आसमान में छितराया। ज्योंही निकली धूप, अपने को गायब पाया।	तीन अक्षर का मेरा नाम, उल्टा–सीधा एक समान। चिकनाई है रहती मुझमें, खाओ ढेर तो गड़बड़ काम।	दुम हाथ में हमारे, वह आसमान में नाचे। चाहे जिधर घुमाएँ, वह बस में है हमारे।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

आपको जिन–जिन रंगों की जानकारी है, उसके नाम लिखिए–

आज के दिवस में अभ्यास–पुस्तिका में आए दो अक्षर एवं तीन अक्षर से बने शब्दों की सूची

अलग–अलग बनाइए –

दो अक्षर वाले शब्द	तीन अक्षर वाले शब्द

दिनांक

पहेलियाँ

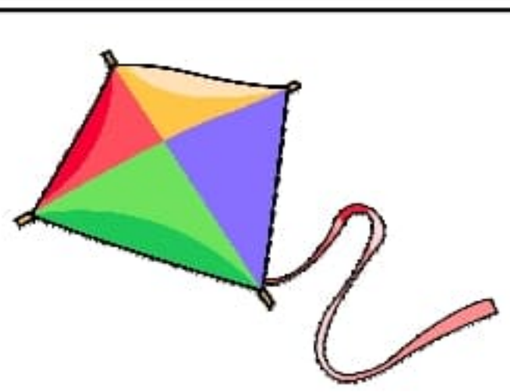
दिवस–163

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की पहेलियाँ सुनाएँ तथा उनसे सुनें तथा पहेली के आए उत्तर वाले शब्दों के बारे में बातचीत करें।

चित्र के नाम से पहेली बनाइए–





चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–



दिनांक

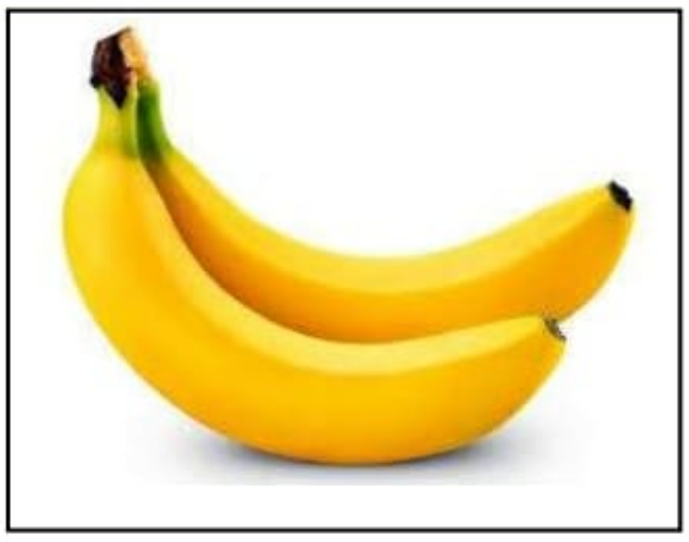
पहेलियाँ

दिवस–164

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की पहेलियाँ सुनाएँ तथा उनसे सुनें तथा पहेली के आए उत्तर वाले शब्दों के बारे में बातचीत करें।

चित्र के नाम से पहेली बनाइए–





अपनी पसंद की कहानी लिखिए–

दिनांक

इच्छा

दिवस–165

शिक्षण–निर्देश :

'इच्छा' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विद्यार्थियों से बातचीत करें।



मेंढक की केवल इच्छा है
बादल आएँ, बरसे जल
मोर चाहता है, वह नाचे
घिर आएँ काले बादल
तितली का मन है, वह देखे
रंग–बिरंगे फूल खिले
कोयल चाह रही, वसंत की
शोभा चारों ओर मिले
खेत चाहते हैं, उग आए
हरी फसल हर ओर यहाँ
रात चाहती है, दिन आए
चिड़ियों का हो शोर यहाँ
नदी चाहती, बहे हमेशा
ऊपर–नीचे उठे लहर
माँ का मन करता, खुशियों में
डूबा रहे हमारा घर
और एक इच्छा मेरी है
देखूँ मैं संसार सभी
जितने बच्चे हैं धरती पर
सबसे मिलूँ तुरंत अभी।





डॉ. श्रीप्रसाद

दिनांक

इच्छा

दिवस–166

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'इच्छा' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा 'मेंढक' से संबंधित अन्य कविता का गायन करवाएँ।

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–



कविता की पंक्ति को पूरा कीजिए–

..... की केवल इच्छा है

बादल आये, बरसे जल



मेंढक का चित्र बनाइए–

दिनांक | **इच्छा** | दिवस–167

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'इच्छा' कविता का समवेत स्वर में गायन तथा 'मोर' से संबंधित अन्य कविता का गायन करवाएँ तथा 'मोर' के रंग–रुप, भोजन तथा आवास आदि पर बातचीत करें।

मोर के चित्र को ध्यान से देखिए और उसके अंगों के नाम लिखिए–



प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) भारत का राष्ट्रीय पक्षी कौन है ?

(ख) मोर की क्या इच्छा है ?

कविता की पंक्ति को पूरा कीजिए–

मोर चाहता है, वह .....

घिर आएँ काले .....



दिनांक

इच्छा

दिवस–168

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'इच्छा' कविता का समवेत स्वर में गायन तथा 'तितली' से संबंधित अन्य कविता का गायन करवाएँ तथा फूलों के विभिन्न प्रकार तथा उसकी उपयोगिता, आदि पर बातचीत करें।

कविता की पंक्ति को पूरा कीजिए–

मेंढक की केवल इच्छा है

..... आएँ, बरसे जल

मोर चाहता है, वह नाचे

घिर आएँ ..... बादल

तितली का मन है, वह देखे

रंग–बिरंगे फूल .....



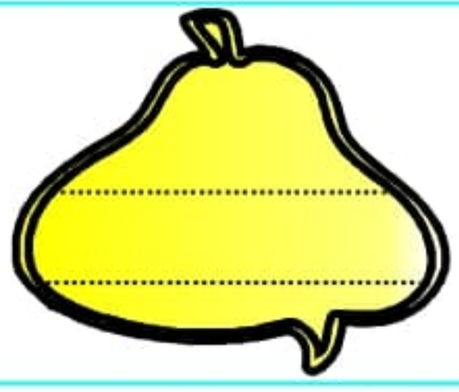


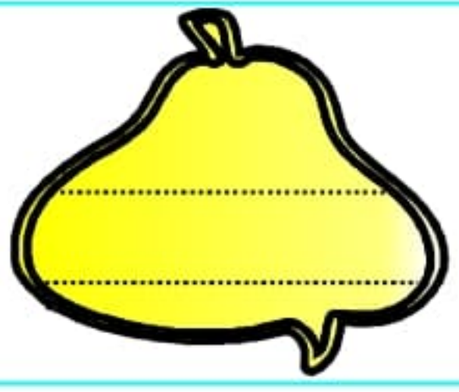


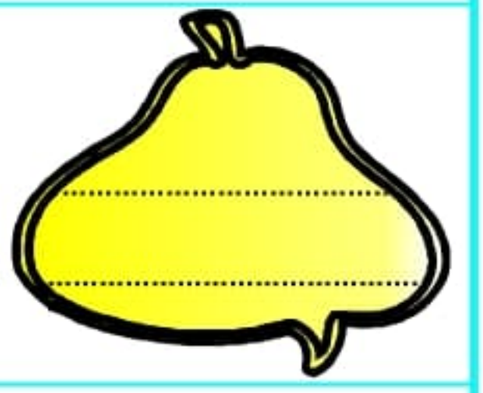
पंख के बिना उड़ने वाली वस्तुओं के नाम लिखिए–

जैसे–









शब्दों को सही क्रम में सजाकर वाक्य लिखिए–

जैसे–	फूल रंग–बिरंगे खिले	रंग–बिरंगे फूल खिले
तितली पर है फूल		
नाचा मोर बरसा बादल		

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–



दिनांक

इच्छा

दिवस–169

शिक्षण–निर्देश :

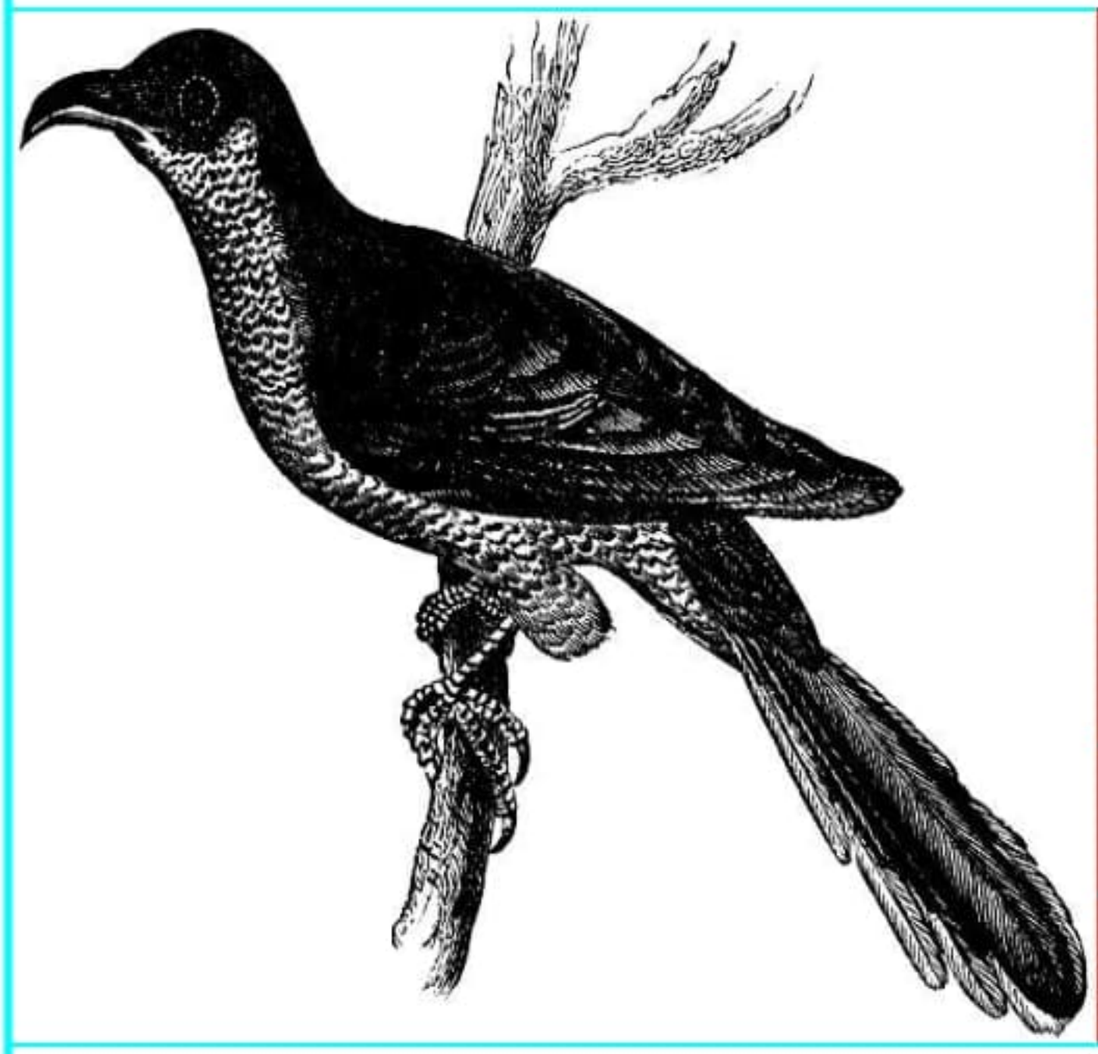
विद्यार्थियों से 'इच्छा' कविता का समवेत स्वर में गायन तथा 'कोयल' से संबंधित अन्य कविता का गायन करवाएँ तथा विद्यार्थियों से 'कोयल' के रंग–रुप, आवाज, भोजन तथा आवास आदि पर बातचीत करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कोयल किस रंग की होती है ?

(ख) कोयल किसकी शोभा चारों ओर देखना चाहती है ?

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–



शब्दों को सही क्रम में सजाकर वाक्य लिखिए–

जैसे–	कोयल गाती काली है	काली कोयल गाती है।
काले–काले बादल आकाश में है		
चिड़िया लाई दाना आई		

दिनांक

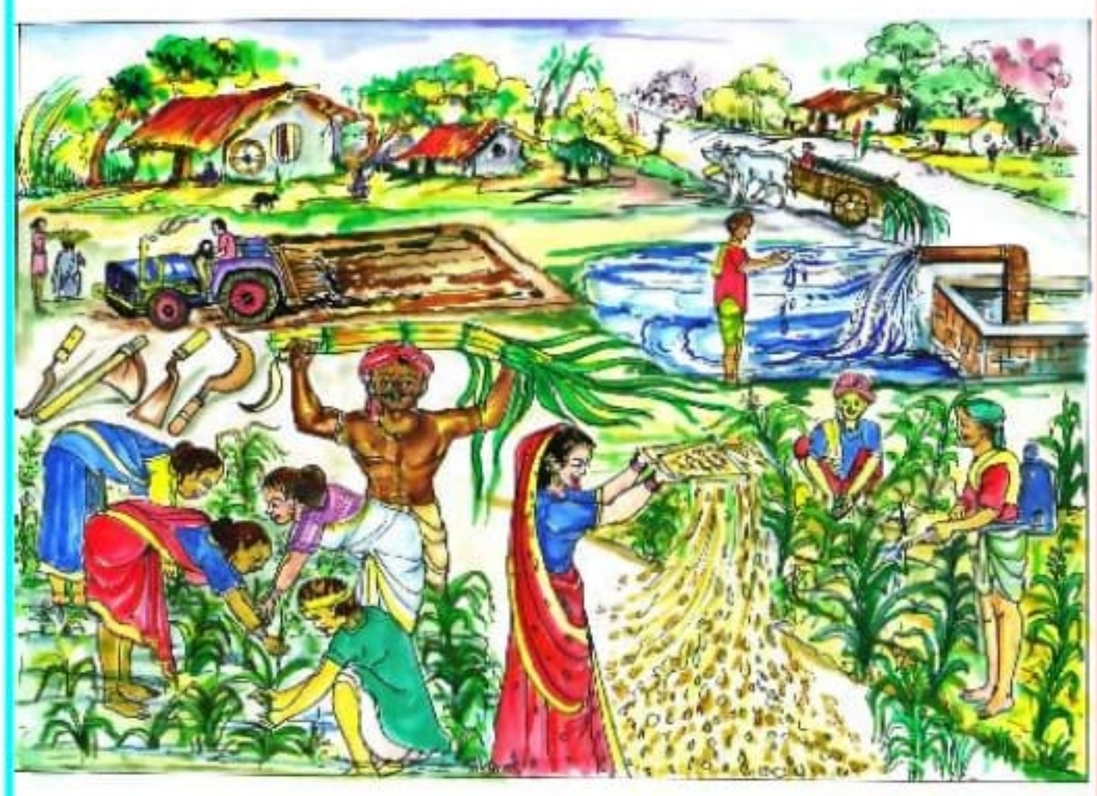
इच्छा

दिवस–170

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'इच्छा' कविता का समवेत स्वर में गायन तथा शिक्षक/शिक्षिका द्वारा खेती से जुड़े लोकगीतों का गायन करवाएँ।

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–



प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) खेत की क्या इच्छा है ?

(ख) खेती से जुड़े किन्हीं चार उपकरणों के नाम लिखिए।

दिए गए शब्द से वाक्य बनाइए और लिखिए–

फसल –

चिड़िया –

दिनांक | # इच्छा | दिवस–171

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'इच्छा' कविता का समवेत स्वर में गायन तथा 'चिड़ियों' से संबंधित अन्य कविता का गायन करवाएँ।

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–



कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

..... चाहती है, दिन आए

..... का हो भोर यहाँ

..... चाहती, बहे हमेशा

ऊपर–नीचे उठे .....

इन्हें आप और क्या–क्या कहते हैं, लिखिए–

चिड़ियाँ

शोर

दिनांक

इच्छा

दिवस–172

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'इच्छा' कविता का समवेत स्वर में गायन तथा बिहार की कोई एक प्रचलित लोरी का गायन करवाएँ।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) माँ का मन क्या चाहता है ?

(ख) आपकी माँ आपको क्यों अच्छी लगती है ?

दिए गए शब्द से वाक्य बनाइए–

बादल–

फूल–

खेत–

नदी–

संसार–

अपनी पसंद का चित्र बनाइए–

दिनांक

इच्छा

दिवस–173

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से उनके मनपसंद कविता का गायन करवाएँ।

कविता की छूटी हुई पंक्तियों को पूरा कीजिए–

मेंढक की केवल इच्छा है _____

मोर चाहता है, वह नाचे _____

तितली का मन है, वह देखे _____

कोयल चाह रही, वसंत की _____

खेत चाहते हैं, उग आए _____

रात चाहती है, दिन आए _____

नदी चाहती, बहे हमेशा _____

माँ का मन करता, खुशियों में _____

और एक इच्छा मेरी है _____

जितने बच्चे हैं धरती पर _____

'इच्छा' कविता में किन–किन ने अपनी इच्छा प्रकट की है ? उसके नाम पर ◯ कीजिए–

मेढ़क,	गधा,	बादल,	खेत,	मोर,	तितली,	फूल,	कोयल,
वसंत,	रात,	चिड़ियाँ,	नदी,	फसल,	माँ,	मैं,	लहरें

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस–174

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'कितने कौए' की कहानी का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्तन करवाएँ।

नीचे दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए–

उदाहरण– मीठा, आम, बहुत (यह आम बहुत मीठा है।)

जंगल, शेर, राजा	
तोता, हरा, पंख	
पौधा, पानी, रोज	
गेंद, मैदान, खेल	

मुझे पहचानों मैं कौन हूँ ?

मैं चिट्ठियाँ बाँटता हूँ।	डाकिया
मैं बीमारों का इलाज करता हूँ।	
मैं टोपियाँ बेचता हूँ।	
मैं घर की पहरेदारी करता हूँ।	
मैं चोर और बदमाश को पकड़ता हूँ।	

'कितने कौए' की कहानी को अपने शब्दों में लिखिए–

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस–175

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'हाँ जी हाँ, ना जी ना' कविता का गायन करवाएँ तथा शब्दों को सही क्रम में सजाकर वाक्य बनाने की समझ विकसित करें।

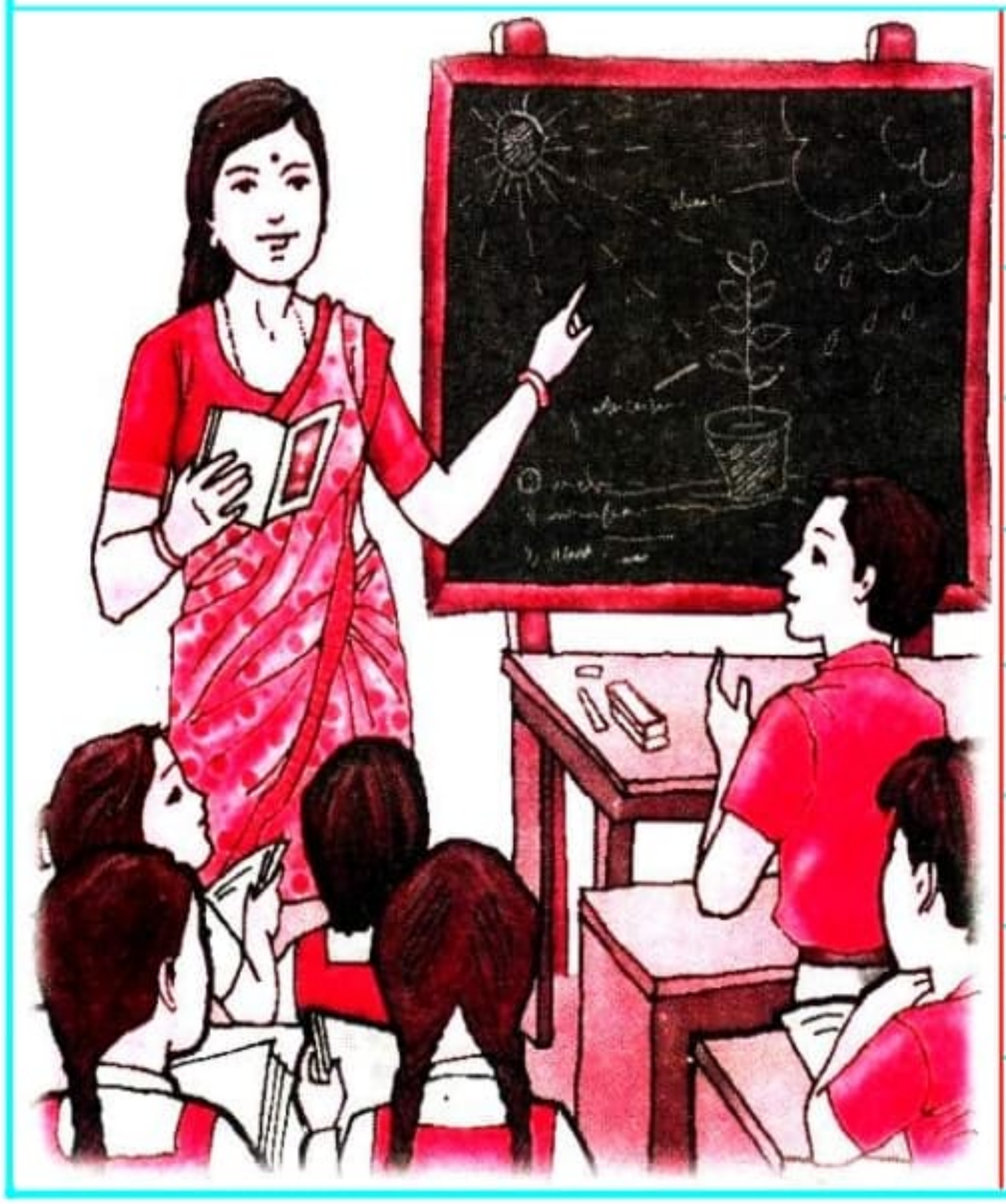
शब्दों को सही क्रम में सजाकर वाक्य लिखिए–

फुटबॉल हम से खेलते हैं	
अच्छी है किताब मेरी	
करता है कॉव–कॉव कौआ	

देखिए, समझिए और मिलाइए–

नौ–दो ग्यारह होना	संकट
आँखें फैलाईं	सोच–विचार करना
अक्ल दौड़ाई	हैरान होना
आफत	भाग जाना

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–



दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस–176

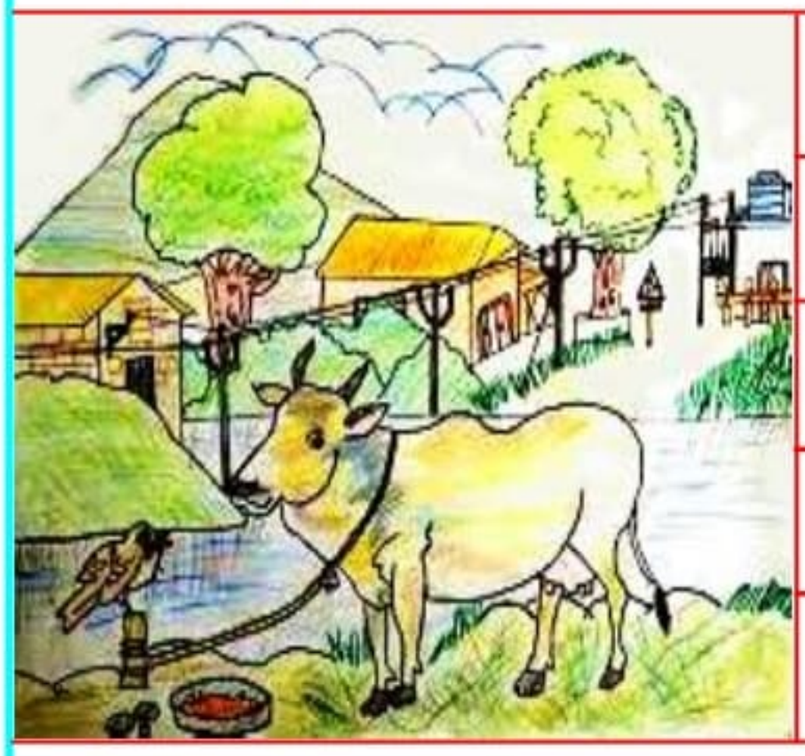
शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'प्यासा कौआ' की कहानी सुनें तथा 'पहेलियाँ' पाठ का पुनरावर्तन करवाएँ।

दी गई पहेलियों के उत्तर लिखिए–

कटोरे पर कटोरा, बेटा बाप से भी गोरा।	एक लाठी की सुनो कहानी, छुपा है इसमें मीठा पानी।	बीन बजाता आता है, खून पी उड़ जाता है।

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–



'प्यासा कौआ' की कहानी को उसके सही क्रम में सजाकर लिखिए–

घड़े में पानी बहुत कम था।	
पानी ऊपर आ गया।	
वह पानी की तालाश में इधर–उधर घूम रहा था।	
कौए ने घड़े में कंकड़ डाला	
कौआ पानी पीकर उड़ गया।	
एक प्यासा कौआ था।	
तभी उसे एक पानी का घड़ा मिला।	

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस–177

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियो को शब्दों और चित्रों के माध्यम से वाक्य बनाने की समझ विकसित करें।

दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

रेलगाड़ी–

आँगन–

पुल–

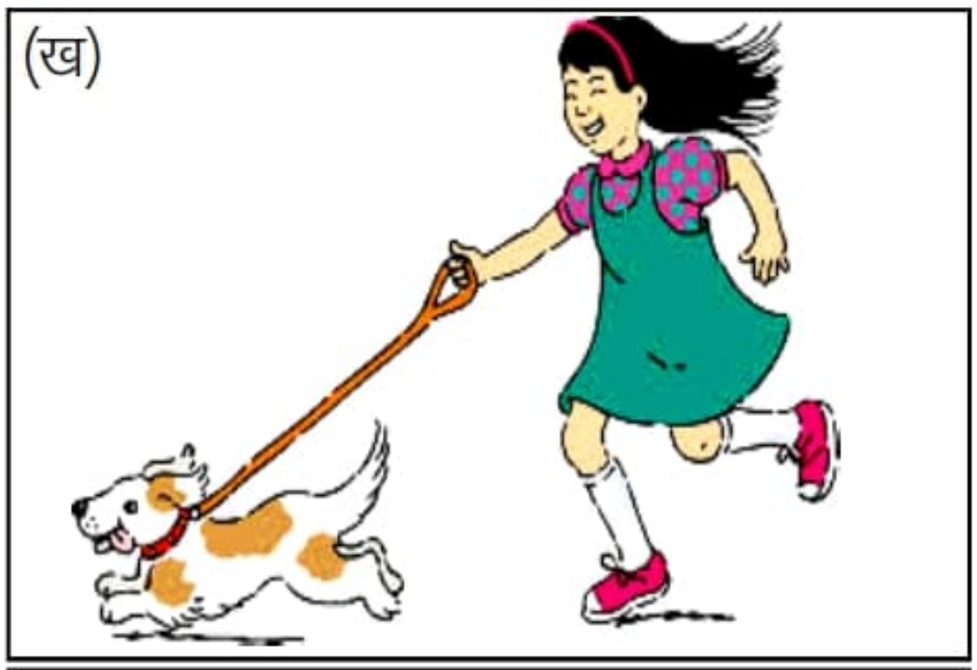
कीचड़–

चित्र देखिए और उसके बारे में एक वाक्य लिखिए–

(क)



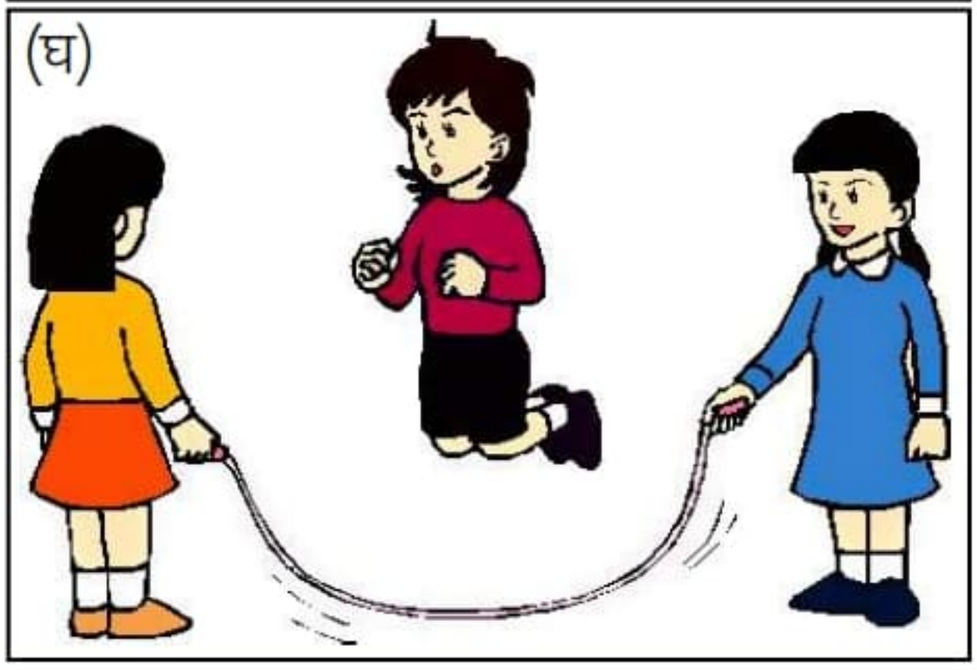
(ख)



(ग)



(घ)



(क)

(ख)

(ग)

(घ)

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस–178

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'होली' कविता का पुनरावर्तन करवाएँ तथा उत्तर से कैसे प्रश्न बनाया जाता है, इसकी समझ विकसित करें।

आप होली के दिन क्या–क्या करते हैं –

दिए गए वाक्य से प्रश्न बनाइए–

जैसे– आज सोमवार है।

आज कौन सा दिन है?

राज की बहन का नाम कोमल है।

चूँ–चूँ टोपी बनवाना चाहता था।

निशा अपनी नानी को चिट्ठी लिख रही थी।

बीरबल ठीक सात दिन बाद दरबार में आया।

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस–179

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से उनकी मनपसंद कविता का समवेत स्वर में गायन तथा कठिन पाठ का पुनरावर्तन करवाएँ।

बॉक्स में से उचित शब्द का प्रयोग करके वाक्य पूरा कीजिए–

गंदा	परिचित	उगता	दुःख	दुश्मनों	अमीर

(क) न सुख में इतराओं और न _____ में घबराओ।

(ख) साफ कपड़े पहनों, _____ नहीं।

(ग) आप मेरे अपरिचित नहीं, _____ हैं।

(घ) सूरज सुबह में _____ है और शाम में अस्त होता है।

(ड़) हमेशा दोस्तों का साथ दो और _____ से दूर रहो।

(च) _____ के पास पैसा होता है गरीब के पास नहीं।

अपने पसंद की कोई एक कविता लिखिए–

दिनांक

पुनरावर्तन

दिवस–180

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को 'इच्छा' कविता का पुनरावर्तन करवाएँ तथा अनुस्वार का पुनरावर्तन करवाएँ।

अनुस्वार वाले चार शब्द लिखिए तथा किन्हीं दो से वाक्य बनाइए–

उदाहरण– बंदर (बंदर पेड़ पर रहता है।)

शब्द

वाक्य

'इच्छा' कविता में सभी की क्या–क्या इच्छा है, लिखिए–